हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • गुरुवार • 07.08.2025 • वर्ष : 16 • अंक : 17 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : 3 ~~रुपये~~ 2 रुपये

लोकसभा-राज्यसभा में विपक्ष का हंगामा, कार्यवाही स्थगित, दो अहम विधेयक पारित

एजेंसी

नयी दिल्ली : संसद का मानसून सत्र अब तक काफी हंगामेदार रहा है। बुधवार 13वें दिन की कार्यवाही के दौरान भी जबरदस्त हंगामा देखने को मिला है। लोकसभा और राज्यसभा में हंगामे के बीच सरकार ने दो अहम विधेयक पारित कराएं है। दोनों सदनों की कार्यवाही 7 अगस्त 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

दोपहर दो बजे दोबारा राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होने के बाद विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया, इस दौरान कामकाज चलता और केंद्र सरकार ने अहम विधेयक पारित कराया। इसके बाद उच्च सदन की कार्यवाही 7 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी गई।

राज्यसभा में विपक्ष के जोरदार हंगामे के बीच समुद्र द्वारा माल वहन विधेयक, 2025 पर चर्चा हुई और उसे पारित भी किया गया।

लोकसभा में विपक्ष के हंगामे के बीच वाणिज्य पोत परिवहन विधेयक, 2024 पर चर्चा की गई और तमाम सदस्यों ने सवाल पूछे और मंत्री सभी के जवाब भी दिए और विपक्ष के हंगामे के बीच ही विधेयक को पारित किया गया।

विपक्षी दलों के सदस्यों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर बुधवार को भी लोकसभा में हंगामा किया जिसके कारण सदन की बैठक दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न करीब 2.25 बजे दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सदन में कहा कि एसआईआर का मुद्दा उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है और लोकसभा के नियमों और परंपराओं के तहत इस मुद्दे पर सदन में चर्चा नहीं हो सकती। विपक्षी सदस्यों के शोर-शराबे के बीच ही सदन ने वाणिज्य पोत परिवहन विधेयक, 2025 को पारित कर दिया।

कांग्रेस और उसके सहयोगी दल मानसून सत्र में पिछले कई दिन से एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा की मांग करते हुए हंगामा कर रहे हैं, जिससे सदन में गतिरोध बना हुआ है।

सदन की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद दो बजे शुरू हुई तो संसदीय कार्य मंत्री रीजीजू ने कहा कि सरकार सदन में किसी भी

विषय पर चर्चा के लिए तैयार रही है लेकिन विपक्ष एसआईआर का मुद्दा उठा रहा है, वह उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है और सदन की कार्य प्रक्रियाओं के नियम और परंपराओं के तहत यहां इस मुद्दे पर चर्चा नहीं हो सकती।

इस दौरान विपक्ष के सदस्य आसन के पास आकर एसआईआर के मुद्दे पर नारेबाजी कर रहे थे।

शोर-शराबे के बीच ही पीठासीन सभापति संध्या राय ने पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सवार्नंद सोनोवाल को वाणिज्य पोत परिवहन विधेयक, 2024 को चर्चा के लिए पेश करने को कहा। विधेयक पर संक्षिप्त चर्चा के बाद सदन ने विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच ही ध्वनिमत से इसे पारित कर दिया। इसके बाद पीठासीन सभापति ने कार्यवाही बृहस्पतिवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

इससे पहले सदन की कार्यवाही आरंभ होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जापान के हिरोशिमा और नागासाकी में परमाणु बम गिराए जाने के 80 साल पूरा होने का उल्लेख किया तथा विनाशकारी हथियारों से मुक्त विश्व को लेकर भारत की प्रतिबद्धता दोहराई।

इसके बाद बिरला ने जैसे ही प्रश्नकाल शुरू कराया, विपक्षी दलों के सदस्य अपने स्थान पर खड़े हो गए और सवाल करने लगे कि "प्रधानमंत्री कहां हैं?" उन्होंने "प्रधानमंत्री सदन में आओ" के नारे लगाए। उल्लेखनीय है कि बुधवार को लोकसभा में प्रधानमंत्री से संबंधित विभागों के प्रश्न सूचीबद्ध होते हैं।

बिरला ने सदस्यों से शांत रहने और प्रश्नकाल चलने देने की अपील की लेकिन हंगामा नहीं थमने पर उन्होंने सदन की कार्यवाही 11 बजकर तीन मिनट पर दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। बैठक 12 बजे पुनः शुरू हुई तो पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने आवश्यक कागजात प्रस्तुत कराए। इसी दौरान विपक्ष के सदस्य एसआईआर के मुद्दे पर नारेबाजी करने लगे।

शोर-शराबे के बीच ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वर्ष 2025-26 के लिए मणिपुर राज्य की अनुमानित प्राप्तियों और व्यय का विवरण प्रस्तुत किया।

इसके बाद पीठासीन सभापति सैकिया ने आसन के समीप नारे लगा रहे विपक्षी सांसदों से अपने स्थान पर जाकर बैठने और कार्यवाही चलने देने की अपील करते हुए कहा, सदन में बैनर और पोस्टर लेकर आना ठीक नहीं है। आप सदन में अपना विषय रखिए लेकिन कार्यवाही बाधित करना उचित नहीं। आपके व्यवहार से देश दुखी है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को सदन चलाने में सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। हंगामा नहीं थमने पर सैकिया ने दोपहर 12.05 बजे कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

एक नजर

राहुल गांधी को चाईबासा की विशेष अदालत से मिली सशर्त जमानत

पश्चिम सिंहभूम : कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा सांसद राहुल गांधी को पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा सिविल कोर्ट स्थित एमपी-एमएलए की विशेष अदालत से राहत मिल गयी है। अदालत ने उन्हें चेट स्पीच मामले में सशर्त जमानत दे दी है। एमपी-एमएलए की विशेष अदालत में बुधवार को राहुल गांधी की यह पेशी वर्ष 2018 के एक विवादास्पद भाषण को लेकर दर्ज हेट स्पीच और आपराधिक मानहानि के मुकदमे के सिलसिले में हुई। राहुल की पेशी विशेष न्यायाधीश सुप्रिया रानी तिग्गा की अदालत में हुई। राहुल गांधी के अधिवक्ता प्रदीप चंद्रा और दीपांकर रॉय ने अदालत में जमानत के लिए अर्जी दी, जिसे अदालत ने मंजूर कर लिया। विशेष अदालत ने राहुल गांधी को उक्त मामले में व्यक्तिगत मुचलके पर जमानत दे दी है। उन्हें ट्रायल में सहयोग करने की शर्त पर राहत दी गई है। अब इस मामले में नियमित रूप से ट्रायल चलेगा। दरअसल, यह मामला 28 मार्च 2018 को दिल्ली में आयोजित ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के प्लेनरी सेशन में दिए गए राहुल गांधी के भाषण से जुड़ा है। आरोप है कि उन्होंने उस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी और उसके नेताओं को ₹हत्यारा₹ और ₹झूठा₹ जैसे शब्दों से संबोधित किया था। इस पर आपत्ति जताते हुए भाजपा नेता प्रताप कुमार कटियार ने 9 जुलाई 2018 को चाईबासा के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय (सीजेएम कोर्ट) में उनके खिलाफ आपराधिक मानहानि और भड़काऊ भाषण का मुकदमा दर्ज कराया था।

एक ही परिवार के तीन लोगों की बेरहमी से हत्या, एक गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : तालझारी (साहिबगंज), सूरज शेखर- साहिबगंज जिले के तालझारी थाना क्षेत्र के दुधकोल गांव में जमीन विवाद में एक ही परिवार के तीन लोगों की लोहे की रॉड से मारकर बेरहमी से हत्या कर दी गयी है। कांड के अभियुक्त बजल हेम्ब्रम को गिरफ्तार कर लिया गया है। हत्या में प्रयुक्त लोहे की रॉड भी पुलिस ने बरामद कर ली है। स्थानीय पुलिस के बाद राजमहल डीएसपी बिमलेश त्रिपाठी भी घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर छापामारी दल का गठन किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची पुलिस

वारदात की जानकारी मिलते ही तालझारी थाने के थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय, एसआई अनिल कुमार यादव, एसआई संजीत मिश्रा सहित अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए साहिबगंज भेज दिया। इस घटना से गांव में कोहराम मच गया है। देखते ही देखते मृतक के घर के पास लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गयी है।

जमीन विवाद में हत्या- थाना प्रभारी

तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि जमीन विवाद में हत्या की बात कही जा रही है। दुधकोल गांव के ही बजल हेम्ब्रम ने नथानिएल हांसदा, नथानिएल हांसदा की पत्नी बड़की मुर्मू एवं मां नौहा मुर्मू की लोहे की रॉड से मारकर हत्या कर दी। घटना बुधवार करीब 12 बजे की है। मामले की छानबीन की जा रही है।

नक्सली कमांडर केरकेट्टा मुठभेड़ में ढेर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : झारखंड के गुमला जिले की पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने मंगलवार देर रात पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के कमांडर मार्टिन केरकेट्टा को मार गिराया है। केरखेट्टा पर 15 लाख रुपए का इनाम भी घोषित था। गुमला जिले के कामडारा थाना क्षेत्र के पारही जंगल के चंगाबाड़ी में हुई मुठभेड़ में उसके पास से हथियार भी बरामद किया गया है। एसपी हरिश बिन जमा को कामडारा थाना क्षेत्र के चंगाबाड़ी ऊपरटोली में पीएलएफआई उग्रवादी के छिपे होने की सूचना मिली थी। इसके आधार पर एक टीम गठित कर अभियान शुरू किया गया।

जैसे ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची उग्रवादियों ने उन पर फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस की टीम ने भी जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान पीएलएफआई उग्रवादी संगठन का कमांडर मार्टिन केरकेट्टा मारा गया। पुलिस अभी भी इलाके

में सर्च ऑपरेशन चला रही है, क्योंकि 12 से अधिक उग्रवादी मार्टिन के साथ थे और मुठभेड़ के बाद सभी इधर-उधर भागे हैं। पुलिस उग्रवादियों की घेराबंदी करने में लगी हुई है। अन्य उग्रवादियों को भी गोली लगने की सूचना है। क्योंकि पुलिस को घटनास्थल पर खून के निशान मिले है। ऑपरेशन टीम में गुमला जिले की क्यूआरटी और दो थाना क्षेत्रों के साथ-साथ स्थानीय थाना बल भी शामिल थे।

मार्टिन केरकेट्टा मूल रूप से गुमला जिले के कामडारा के रेड़मा गांव का निवासी था। पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप के पकड़े जाने के बाद उस पर संगठन की जिम्मेदारी थी। केरकेट्टा पीएलएफआई के केंद्रीय समिति का सदस्य भी था। मार्टिन शुरूआती दिनों से ही दिनेश गोप के साथ रह रहा था। दोनों बचपन में लापुंग के महुगांव स्थित स्कूल में एक साथ पढ़े थे। बाद में दोनों ने एक साथ संगठन का विस्तार भी किया। मार्टिन कई घटनाओं में दिनेश गोप के साथ शामिल रहा है। सरकार ने उस पर 15 लाख रुपये का इनाम रखा था। टेरर फंडिंग मामले में एनआईए ने पीएलएफआई के कुख्यात मार्टिन केरकेट्टा पर केस दर्ज किया है।

प्रेमी युगल ने की खुदकुशी, जांच में जुटी पुलिस

पूर्वी सिंहभूम : जमशेदपुर में बुधवार सुबह लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे एक प्रेमी युगल ने जंगल के एक पेड़ से लटककर खुदकुशी कर ली। यह घटना पटमदा थाना के पोकलाबेड़ा गांव के पास बुधवार को घटी, जहां दोनों के शव एक नीम के पेड़ पर अलग-अलग दुपट्टों के सहारे लटकते पाए गए। शवों से बदबू आने के कारण अनुमान लगाया जा रहा है कि मौत दो दिन पहले ही हो चुकी थी।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन 13 दिनों तक नेमरा में रहेंगे

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार करने के बाद मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन 13 दिनों तक अपने पैतृक गांव नेमरा में ही रहेंगे। इस दौरान 13वीं की पूरी प्रक्रिया संपन्न होगी। पारंपरिक विधि विधान के अनुसार वे अपने पिता और राजनीतिक गुरु शिबू सोरेन की आत्मा की शांति के लिए मरांग बुरु देवता से प्रार्थना करेंगे। दिवंगत आत्मा की शांति के लिए आयोजित होने वाले अनुष्ठान में हेमन्त सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन, भाई बसंत सोरेन, परिवार के अन्य सदस्य और गांव के लोग शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री अपने पैतृक गांव में रहेंगे तो अस्थाई रूप से कार्यालय का संचालन भी वहीं से होगा। रामगढ़ जिला प्रशासन भी अपना अस्थाई कार्यालय इसी गांव में स्थापित कर रहा है। कार्यालय के संचालन के लिए इंटरनेट का इंतजाम भी किया जा रहा है। नेमरा गांव में लगे बीएसएनएल के टावर पर ही जिओ कंपनी का सेटअप तैयार किया जा रहा है। पिछले दो दिनों से जिला प्रशासन के सारे अधिकारी और सुरक्षा में लगे पुलिस पदाधिकारी नेमरा गांव में ही मौजूद हैं। इस दौरान उन्हें वॉकी टॉकी से अपना संपर्क स्थापित करना पड़ा। मोबाइल नेटवर्क नहीं होने की वजह से भारी परेशानी हुई। लेकिन अगले 13 दिनों तक मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट की समस्या ना हो इसका पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

अनगड़ा के रामदास राष्ट्रपति भवन में करेंगे डिनर, मिला न्योता

रांची : राजधानी रांची के अनगड़ा प्रखंड अंतर्गत बीसा गांव निवासी रामदास बेदिया को राष्ट्रपति भवन से रात्रिभोज (डिनर) का निमंत्रण मिला है। रामदास बेदिया को 15 अगस्त 2025 को आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेने और रात्रिभोज में शामिल होने का न्यौता दिया गया है। निमंत्रण मिलने पर रामदास बेदिया ने खुशी व्यक्त करते हुए राष्ट्रपति का आभार जताया। रामदास बेदिया को यह आमंत्रण प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्धारित समय से पहले आवास निर्माण पूरा करने पर मिला है। जानकारी के अनुसार रामदास बेदिया ने योजना का लाभ मिलने के बाद पूरी ईमानदारी से अपने घर का निर्माण समय से पहले पूरा कराया। इसी उपलब्धि के लिए उन्हें राष्ट्रपति भवन में 15 अगस्त को आयोजित रात्रिभोज समारोह में शामिल होने का सम्मान स्वरूप आमंत्रण दिया गया है।

7 साल बाद चीन जाएंगे पीएम मोदी, एससीओ में होंगे शामिल

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में शामिल होने के लिए चीन जाएंगे। यह दौरा 31 अगस्त और 1 सितंबर को होगा। पीएम मोदी की 2020 में गलवां घाटी में भारत-चीन सैन्य झड़प के बाद पहली चीन यात्रा होगी। उन्होंने पिछली बार 2019 में चीन का दौरा किया था। चीन जाने से पहले पीएम मोदी 30 अगस्त को जापान दौरा पर पहुंचेंगे। यहां वो भारत-जापान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

एससीओ सदस्य देशों के साथ चर्चा में क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद और व्यापार पर चर्चा होगी। भारत-चीन संबंधों में स्थिरता और संवाद बहाल करने के प्रयास किए जाएंगे। शिखर सम्मेलन के दौरान रूसी राष्ट्रपति पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अनौपचारिक मुलाकात की संभावना है। हालांकि

पीएम मोदी की जापान और चीन की यात्रा के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। इससे पहले अक्तूबर 2024 में प्रधानमंत्री मोदी की शी जिनपिंग से कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान मुलाकात हुई थी। इसके बाद दोनों देशों के बीच सीमा तनाव कम करने के प्रयासों में तेजी आई थी। वहीं पिछले महीने विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने चीन का दौरा किया था, जहां उन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग और विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की।

जयशंकर ने एससीओ बैठक में उठाया था पहलगाम का मुद्दा

इस दौरान उन्होंने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का मुद्दा उठाते हुए कहा था कि सदस्य देशों को संगठन के मूल उद्देश्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहना चाहिए और आतंकवाद के खिलाफ किसी भी तरह की नरमी नहीं बरतनी चाहिए। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद जयशंकर की यह पहली चीन यात्रा है। उन्होंने कहा था कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुआ आतंकी हमला जानबूझकर कश्मीर की पर्यटन अर्थव्यवस्था को कमजोर करने और धार्मिक तनाव पैदा करने के मकसद से किया गया था।

कर्तव्य भवन जन सेवा के प्रति हमारे अटूट संकल्प का प्रतीक : मोदी

नयी दिल्ली : करते हुए इसे जन सेवा के प्रति सरकार के अटूट संकल्प और निरंतर प्रयासों का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि कर्तव्य भवन न केवल नीतियों और योजनाओं के तेजी से क्रियान्वयन में मदद करेगा, बल्कि राष्ट्र के विकास को भी नई गति प्रदान करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली स्थित कर्तव्य पथ पर नवनिर्मित कर्तव्य भवन-3 का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम की तस्वीरें एक्स पर साझा करते हुए कई पोस्ट किये। प्रधानमंत्री ने पोस्ट में कहा कि कर्तव्य पथ पर कर्तव्य भवन जन-जन की सेवा के प्रति हमारे अटूट संकल्प और निरंतर प्रयासों का प्रतीक है। यह ना केवल हमारी नीतियों और योजनाओं को लोगों तक तेजी से पहुंचाने में मददगार बनने वाला है, बल्कि इससे देश के विकास को भी एक नई गति मिलेगी। अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर की मिसाल बने इस भवन को राष्ट्र को समर्पित कर बहुत ही गौरवान्वित हूं। उन्होंने कहा कि कर्तव्य भवन विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसे गढ़ने वाले हमारे श्रमयोगियों की अथक मेहनत और संकल्प-शक्ति का आज देश साक्षी बना है। उनसे संवाद कर अत्यंत प्रसन्नता हुई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कर्तव्य भवन के निर्माण में पर्यावरण संरक्षण का पूरा ध्यान रखा गया है, जिसके लिए हमारा देश संकल्पबद्ध है। आज इसके प्रांगण में एक पौधा लगाने का भी सुअवसर मिला।

उत्तरकाशी में जलप्रलय : राहत-बचाव कार्यों में जुटे 225 से अधिक जवान

एजेंसी

धराली : बादल फटने के बाद धराली गांव और हर्षिल स्थित सेना के कैंप में आए मलबे में दूसरे दिन बुधवार को भी जिंदगियों को तलाशने का अभियान जारी रहा। सेना, आईटीबीपी और एसडीआरएफ की टीमें लगातार खोज और बचाव कार्य में जुटी रहीं। इस दौरान धराली के एक 32 वर्षीय युवक आकाश पंवार का शव मलबे से बरामद किया गया। हर्षिल में मलबे में फंसे 11 घायल जवानों को भी सुरक्षित बाहर निकाला गया। उन्हें हेलीकॉप्टर की मदद से जिला अस्पताल, आईटीबीपी अस्पताल और देहरादून भेजा गया।

वहीं, सेना के अनुसार, बादल फटने के बाद भारतीय सेना ने एक त्वरित और समन्वित मानवीय सहायता एवं आपदा राहत अभियान

शुरू किया है। कई सड़कों के टूटने और एक पुल के ढह जाने के कारण यह क्षेत्र वर्तमान में उत्तर और दक्षिण दोनों से कटा हुआ है। 225 से अधिक सैन्यकर्मी, जिनमें पैदल सेना और इंजीनियरिंग टीमें शामिल हैं, खोज, बचाव और राहत कार्यों के लिए जमीन पर तैनात हैं। टेकला के पास रीको रडार के साथ सात टीमें काम कर रही हैं। हर्षिल में खोज एवं बचाव कुत्ते तैनात हैं। बता दें कि मंगलवार को हर्षिल घाटी में तीन जगह बादल फटने से आए सैलाब व मलबे की वजह से धराली गांव में कई बहुमंजिला होटल और रेस्टोरेंट जमींदोज हो गए थे। वहीं कई लोग मलबे में फंस गए थे।

हर्षिल स्थित सेना के कैंप के 21 जवान भी लापता हो गए थे। घटना की सूचना मिलते ही सबसे पहले सेना और आईटीबीपी के जवान मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया।

वर्षों से बंद वेंटिलेटर पर विधायक ने जताई नाराजगी कहा- जनता की जिंदगी के साथ हो रहा खिलवाड़

शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल की बदहाल व्यवस्था पर उठाए सवाल, अस्पताल प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आईसीयू में वर्षों से बंद पड़ी वेंटिलेटर मशीनों को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने इसे सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि जनता की ज़िंदगी के साथ खिलवाड़ बताते हुए स्वास्थ्य विभाग से तत्काल कार्रवाई की माँग की है। विधायक ने कहा कि वेंटिलेटर जैसी जीवनरक्षक मशीनें अस्पताल में वर्षों से मौजूद हैं, लेकिन आज तक उन्हें चालू नहीं किया गया। न तो इन मशीनों को सक्रिय करने की पहल हुई और न ही प्रशिक्षित ऑपरेटर की नियुक्ति की गई। परिणामस्वरूप, जब किसी मरीज को आपात स्थिति में वेंटिलेटर की आवश्यकता होती है, तो उसे रांची रेफर कर दिया जाता है। यह स्थिति अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य है। विधायक ने इसे संवेदनहीनता की पराकाष्ठा बताते हुए स्वास्थ्य विभाग से इस पर जवाबदेही तय करने की माँग की। इसके अतिरिक्त उन्होंने अस्पताल में व्याप्त अन्य समस्याओं जैसे साफ-सफाई, दवाओं की उपलब्धता, मशीनों के रखरखाव और स्टाफ की कमी–को भी उजागर किया और इनके तत्काल समाधान की जरूरत पर बल दिया। उक्त मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करने के लिए विधायक प्रदीप प्रसाद के निर्देश अस्पताल के सुपरिंटेंडेंट डॉ. अनुकरण पूर्ती से मुलाकात किया। इस दौरान अस्पताल की मौजूदा व्यवस्था, संसाधनों की स्थिति और जमीनी चुनौतियों पर बातचीत हुई। डॉ. पूर्ती ने सभी विषयों को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। विधायक प्रदीप प्रसाद लगातार आमजन की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए उनके समाधान की दिशा में प्रयासरत हैं।

कुएं से 45 वर्षीय व्यक्ति का बंधा हुआ शव बरामद, पुलिस ने शुरू की जांच

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : तसलवार पंचायत के पतरा गांव स्थित मेलाटांड़ के समीप एक पुराने कुएं से पुलिस ने 45 वर्षीय सुरेंद्र महतो का शव बरामद किया है। शव के हाथ-पैर रस्सी से बंधे हुए थे, जिससे हत्या की आशंका गहराई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग भेजा गया, जिसके बाद अंतिम संस्कार हेतु परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस के अनुसार, सुरेंद्र महतो बीते 5-6 दिनों से लापता थे, लेकिन इस संबंध में परिजनों द्वारा अब तक थाने में कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई थी। शव मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है और हर संभावित बिंदु पर पड़ताल की जा रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह मामला हत्या का प्रतीत होता है। आशंका जताई जा रही है कि सुरेंद्र महतो की हत्या कर उनके शव को बांधकर कुएं में फेंक दिया गया। हालांकि, पुलिस जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। बड़कागांव पुलिस ने कहा है कि सभी पहलुओं पर गहराई से जांच की जा रही है, ताकि सच्चाई सामने आ सके और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके।

बड़कागांव के चपरी गांव में हाथियों ने मचाया तांडव, कई घर ध्वस्त, लोग बेघर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : गोंदलपुर पंचायत अंतर्गत चपरी गांव के रोहानिया टोला में मंगलवार की शाम लगभग 6:00 बजे हाथियों के एक झुंड ने अचानक धावा बोल दिया। इस घटना से पूरे गांव में अफरातफरी मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागे। कई ग्रामीणों को अपने बुजुर्गों को कंधे पर उठाकर सुरक्षित स्थानों की ओर भागना पड़ा। करीब 20 से 22 हाथियों के इस झुंड ने टोले के लगभग सभी घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया। घरों में रखा अनाज–चावल, गेहूं, दाल–सहित बर्तन आदि भी पूरी तरह नष्ट कर दिए गए। अब ये घर रहने लायक नहीं बचे हैं। प्रभावित परिवारों में मुख्य रूप से रामेश्वर भुइंया (पिताः प्रेम भुइंया), निर्मल महतो (पिताः झरी महतो), दुबेस कुमार (पिताः मंगल महतो), सुकर महतो (पिताः सन्नु महतो), बालेश्वर भुइंया (पिताः प्रेम भुइंया), तापेश्वर भुइंया (पिताः प्रेम भुइंया), रोहन महतो (पिताः सन्नु महतो) के नाम शामिल हैं। हाथियों के इस हमले से गांव के कई किसानों की धान की फसल को भी भारी नुकसान हुआ है। विशेष रूप से, निर्मल महतो के खेत में लगी मक्के की फसल को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया। गांव में अभी भी भय और दहशत का माहौल बना हुआ है, क्योंकि हाथियों का झुंड अब तक गांव की सीमा से बाहर नहीं गया है। वहीं, वन विभाग द्वारा अब तक किसी ठोस कार्रवाई की सूचना नहीं मिली है। समाजसेवी दिलीप महतो एवं अन्य ग्रामीणों ने प्रशासन से उचित मुआवजे की मांग की है और वन विभाग से त्वरित कार्रवाई की अपील की है।

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में स्कूटी मजिस्ट्रेट ने किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड अंतर्गत मानगढ़ स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में निरीक्षण के लिए स्कूटी मजिस्ट्रेट पहुंचीं, जहां उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक व भौतिक व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मजिस्ट्रेट ने कक्षा रजिस्टर, उपस्थिति पंजिका, बच्चों की पढ़ाई से संबंधित दस्तावेजों के साथ-साथ खाने की व्यवस्था, छात्रावास और भवन की स्थिति का भी अवलोकन किया। उन्होंने बच्चों से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी जरूरतों, समस्याओं और स्कूल के वातावरण को लेकर जानकारी ली। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने पुराने भवन का भी निरीक्षण किया, जिसमें टूटी हुई बाउंड्री की ओर विशेष ध्यान देते हुए संबंधित पदाधिकारियों को वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही, विद्यालय परिसर की साफ-सफाई और अनुशासन की सराहना की। इस दौरान बीआरसी, बीपीएम, सीआरपी और पंचायत सेवक भी मौजूद थे। मजिस्ट्रेट ने सभी संबंधित कर्मियों के साथ भोजन भी किया और बच्चों के साथ बैठकर भोजन कर उन्हें प्रोत्साहित किया। उन्होंने विद्यालय की टीम को बच्चों की पढ़ाई व देखभाल को लेकर मिल रहे अच्छे परिणामों पर शुभकामनाएं दी। मजिस्ट्रेट ने कहा कि कस्तूरबा विद्यालय की बच्चियाँ आत्मविश्वास से भरी हुई हैं। शिक्षकों और स्टाफ की मेहनत साफ दिख रही है। इसी लगन और सेवा भाव से कार्य करते रहें। निरीक्षण उपरांत उन्होंने बीआरसी को सभी जरूरी बिंदुओं पर रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया और कहा कि विद्यालय की गुणवत्ता बनाए रखने में कोई कमी नहीं होनी चाहिए।

दिशोम गुरु की स्मृति में झामुमो कार्यकर्ताओं ने अर्पित की श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : झारखंड मुक्ति मोर्चा बड़कागांव विधानसभा प्रधान कार्यालय उरिमारी (नियर चेक पोस्ट) में दिशोम गुरु शिबू सोरेन का श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता झामुमो केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य सह जिला अध्यक्ष संजीव कुमार बेदिया एवं संचालन केंद्रीय सदस्य सोनाराम मांझी ने किया। वही संजीव बेदिया, सोनाराम मांझी संजय सिंह, पीयूष बेदिया, उदय अग्रवाल, शंकर साव के अलावा तमाम कार्यकर्ताओं ने बाबा दिशोम गुरु शिबू सोरेन के तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया। आयोजित शोक सभा कार्यक्रम में भारी संख्या में झारखंड मुक्ति मोर्चा कार्यकर्ता शामिल हुए। लोगों ने कहा कि जब तक सूरज चांद रहेगा शिबू सोरेन का नाम रहेगा। मौके पर उपस्थित केंद्रीय सदस्य सोनाराम मांझी झामुमो प्रखंड अध्यक्ष संजय सिंह संजय करमाली पीयूष बेदिया शंकर साव संजय वर्मा, जावेद खान इत्यादि लोग उपस्थित है।

झारखंड के जननायक दिशोम गुरु शिबू सोरेन को अंतिम जोहार : एक युग का अंत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : झारखंड के लिए अत्यंत शोकपूर्ण और भावनात्मक रहा। हमारे पथप्रदर्शक, आदर्श पुरुष, जनजातीय चेतना के अग्रदूत और झारखंड आंदोलन के स्तंभ दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी अब हमारे बीच नहीं रहे। उनका पार्थिव शरीर आज उनके पैतृक गांव नेमरा (रामगढ़) पहुंचा, जहां हजारों लोगों ने उन्हें नम आंखों से अंतिम विदाई दी। जब मुझे उनके निधन की सूचना मिली, तो मन और शरीर दोनों विचलित हो उठा। लेकिन गुरुजी के प्रति सम्मान और कर्तव्य की भावना इतनी प्रबल थी कि मैंने न अपने अस्वस्थ शरीर की चिंता की और न ही मौसम की परवाह की। भारी बारिश, लंबी ट्रैफिक जाम और 20 किलोमीटर की दूरी भी मुझे रोक नहीं सकी। मैं सुबह ही नेमरा गांव के लिए निकल पड़ा और भींगते हुए, भीड़ के साथ पैदल ही गुरुजी के निवास तक पहुंचा। वहां उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और फिर उनके शवयात्रा में शामिल होकर उन्हें श्मशान घाट तक अंतिम विदाई देने गया। यह दृश्य अविस्मरणीय था हजारों लोगों की भीड़, झमाझम बारिश और हर चेहरे पर आंसू। ये केवल एक नेता की विदाई नहीं थी, यह एक युग का अंत था। एक ऐसा युग जिसने झारखंड को नई पहचान दी। उनके संघर्ष, त्याग, और नेतृत्व को आने वाली पीढ़ियां कभी नहीं भूलेंगी। गुरुजी अब हमारे बीच भले न हों, लेकिन उनके विचार, उनकी नीतियां, और उनका जीवन संघर्ष हमारे दिलों में अमर रहेंगे।

भामाशाह स्कूल में शिबू सोरेन के निधन पर शोक सभा आयोजित

बरही : बरही के भामाशाह स्कूल में पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्य सभा सदस्य शिबू सोरेन के निधन पर शोक सभा आयोजित किया गया। शोक सभा में विद्यालय के सभी शिक्षक व बच्चे मौजूद रहे। इस दौरान विद्यालय परिवार ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य रजनीश कुमार पाण्डेय ने कहा कि शिबू सोरेन झारखंड आंदोलन के प्रणेता, झारखंड के मसीहा थे। उनका जीवन संघर्ष,बलिदान और समाज के प्रति समर्पण का प्रतीक था। विद्यालय की आचार्या सृष्टि लकड़ा ने इनके प्रारंभिक जीवन परिचय करवाया। उन्होंने कहा कि झारखंड के अधिकारों की रक्षा के लिए लंबी लड़ाई लड़ी। उनका जाना पूरे प्रदेश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने सदैव गरीब, आदिवासी और वंचित वर्गों के लिए आवाज उठाई। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

एक नजर

नमो फुटबॉल टूर्नामेंट में राय बचरा टीम ने रचा इतिहास, 42 टीमों को हराकर बना विजेता

हजारीबाग : सांसद खेल महोत्सव-2025 के तहत नमो फुटबॉल टूर्नामेंट, पतरातु प्रखंड का शुरूआत पांचवे चरण में बीते 27 जुलाई को इमली ग्राउंड, जनता नगर पतरातु में हुआ था। इस टूर्नामेंट में पतरातु प्रखंड क्षेत्र के कुल 42 टीमों ने भाग लिया था। बुधवार को इस टूर्नामेंट का फाइनल हुआ। टूर्नामेंट का फाइनल महामुकाबला राय बचरा टीम बनाम रसदा टीम के बीच खेला गया। जिसमें बेहद ही रोमांचक और संघर्षपूर्ण मुकाबले में रसदा टीम को हराकर राय बचरा टीम को एक गोल से विजेता बनी और इस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर ली। टूर्नामेंट में निर्णायक की भूमिका में हासिम अंसारी, मंटू सिंह, इकबाल अंसारी, विश्वजीत सिंह, राज करमाली और मुकेश हांसदा रहें। फाइनल महामुकाबले में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोशन लाल चौधरी, स्थानीय सांसद प्रतिनिधि राजाराम प्रजापति, भाजपा जिला नेता किशोर कुमार महतो, समाजसेवी गणेश ठाकुर, नमो खेल श्रृंखला के संयोजक बंटी तिवारी, जयप्रकाश सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित हुए और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर और फुटबॉल में किक मारकर फाइनल मुकाबले का आगाज कराया।

मॉडर्न पब्लिक स्कूल में फर्स्ट टर्मिनल एग्जामिनेशन शुरू

बड़कागांव : बड़कागांव थाना स्थित संचालित मॉडर्न पब्लिक स्कूल में फर्स्ट टर्मिनल एग्जामिनेशन, स्कूल प्राचार्य मोहम्मद इब्राहिम की अध्यक्षता में एवं निर्देशक कुलदीप कुमार के देख रेख में परीक्षा संचालित किया जा रहा है। इस परीक्षा में हिंदी मीडियम और इंग्लिश मीडियम के स्टैंडर्ड 1 क्लास से 10 क्लास के विद्यार्थियों का एग्जाम लिया जा रहा है। इसी के आधार पर विद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का मूल्यांकन किया जाएगा। परीक्षा शांति पूर्वक एवं सफल बनाने में विद्यालय के मोहम्मद अली, रंजीत कुमार, मोहम्मद मेहबूब, संतोष कुमार महतो, मुकेश कुमार, कन्हैया कुमार, मनजीत कुमार, मोहम्मद अजमत उल्लाह, सेवंती कुमारी,शांति कुमारी, मंजू कुमारी, सृष्टि कुमारी, मनीषा कुमारी, मनोज कुमार,अनुज कुमार, फातिमा ईरम, विक्रम कुमार, अपना सहयोग दिया।

17वें श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव को लेकर पेटो में बैठक शंकर साहा बने अध्यक्ष

केरेडारी : सतबहनी माता स्थान आदर्श नगर पंचायत पेटो में 17वाँ वर्ष श्री कृष्ण जनमाष्टमी महोत्सव कार्यक्रम में भव्य एवं सुनियोजित तरीके से संपन्न होगा। कार्यक्रम आयोजन करने के लिए रामचंद्र साव की अध्यक्षता में एक बैठक हुई। जहाँ श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव महासमिति का गठन किया गया जिसमें सर्वसम्मति से शंकर साहा को महासमिति का अध्यक्ष बनाया गया। साथ में उपाध्यक्ष बसंत साव को चुना गया।मौके पर अवधेश यादव, बिजेन्दर यादव, सचिव अजय कुमार सह-सचिव सुबाष कुमार, बिकाश कुमार, परमेश्वर यादव, कोषाध्यक्ष सुनिल साव, संयोजक सतेन्द्र कुमार सिंह, उमेश प्रसाद , दामोदर साव, आदित्य कुमार साव, कार्तिक कुमार साव , मुख्य-संरक्षक रामचंद्र साव,अकल साव, प्रीतम साव, गुरुदयाल साव, अरविंद साव, महाबीर साव, चितरंजन प्रसाद शत्रुघन कुमार साव, प्रीतम मिश्रा, रविन्द्र गुप्ता, गजेन्द्र यादव, राजेन्द्र प्रसाद साव, गोविंद्र साहु कंचन यादव उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

आज से पेंशनधारियों का ई-केवाईसी कार्य ताजपुर पंचायत भवन में होगा शुरू : उषा देवी

चौपारण : प्रखंड के ताजपुर पंचायत भवन में मुखिया उषा देवी की पहल पर पेंशनधारियों के लिए ई-केवाईसी कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। जिन लाभुकों की पेंशन किसी कारणवश रुकी हुई है, उनके लिए यह विशेष सुविधा 7 अगस्त 2025, गुरुवार को सुबह 11:00 बजे से उपलब्ध होगी। मुखिया उषा देवी ने पंचायतवासियों से अपील की है कि सभी पेंशनधारी समय पर पंचायत भवन पहुंचकर अपना ई-केवाईसी कार्य पूरा करें, ताकि उनकी पेंशन दोबारा चालू हो सके। इस कार्य के लिए लाभुकों को अपने साथ आधार कार्ड, मोबाइल नंबर और हालिया पासपोर्ट साइज फोटो लाना अनिवार्य है। पंचायत की ओर से यह सुविधा स्थानीय लोगों को आसानी से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई है। मुखिया ने बताया कि यह शिविर पंचायत स्तर पर लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया गया है, ताकि पेंशनधारियों को प्रखंड या अन्य स्थानों के चक्कर न लगाने पड़े। उन्होंने सभी वार्ड सदस्यों से भी आग्रह किया है कि वे अपने-अपने वार्ड के पेंशनधारियों को इस जानकारी से अवगत कराएं। पंचायत की ओर से सभी पेंशनधारियों से आग्रह किया गया है कि वे समय पर पहुंचकर इस कार्य को पूर्ण करें ताकि भविष्य में किसी प्रकार की पेंशन संबंधी असुविधा न हो।

अखंड हरि कीर्तन में डूबा बरही, विधायक मनोज यादव ने कीर्तन स्थल पर जताई श्रद्धा

बरही : बरही प्रखंड अंतर्गत रसोईया धमना गांव स्थित महावीर मंदिर में आयोजित 48 घंटे का अखंड हरि कीर्तन बुधवार को विधिवत रूप से संपन्न हुआ। दो दिनों तक चले इस धार्मिक आयोजन में हरि नाम के संकीर्तन से वातावरण भक्तिमय बना रहा। इधर दुलमाहा देवी मंदिर में आयोजित हरि कीर्तन में शामिल हुए। कीर्तन के समापन अवसर पर बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने भी अपने समर्थकों के साथ मंदिर पहुंचकर भाग लिया और हरे राम, हरे कृष्ण की भक्ति धुन में लीन होते नजर आए। विधायक यादव ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक कार्यक्रम समाज में सकारात्मक ऊर्जा और भाईचारे को बढ़ावा देते हैं। गांव-गांव में इस तरह के आयोजनों से हमारी संस्कृति और परंपराओं को मजबूती मिलती है। यह प्रसन्नता की बात है कि युवा पीढ़ी भी इसमें रुचि ले रही है। मंदिर परिसर को इस अवसर पर सुंदर ढंग से सजाया गया था और श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की भी व्यवस्था की गई थी। आस-पास के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और कीर्तन में भाग लिया। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि हरि कीर्तन की शुरूआत सोमवार को पूजा-अर्चना के साथ की गई थी, जो लगातार 48 घंटे तक चला। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं और सहयोगियों का आभार प्रकट करते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही। यह आयोजन ग्रामीणों के लिए न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बना, बल्कि सामाजिक एकता का संदेश भी लेकर आया। मौके पर विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, जीप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, हरि यादव, रघुनाथ साव, कामेश्वर साव, तारकेश्वर साव, नरेश साव, प्रभु साव, संतोष साव, तपेश्वर साव, नरेश साव सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

खेल से शारीरिक क्षमता में सुधार, अनुशासित और आदर्श विकसित होता है : बिनोद सिंह

चौपारण : प्रखंड क्षेत्र के झापा पंचायत अंतर्गत ग्राम झापा में खिलाड़ियों के बीच फुटबॉल वितरण कर उन्हें प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि बिनोद कुमार सिंह उपस्थित रहे। फुटबॉल वितरण करते हुए बिनोद सिंह ने कहा कि गांव के युवाओं को खेलकूद से जोड़ना आवश्यक है, क्योंकि इससे न केवल शारीरिक क्षमता बढ़ती है, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास भी विकसित होता है। उन्होंने बताया कि पंचायत स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। इस मौके पर ग्रामीणों और खिलाड़ियों ने मुखिया प्रतिनिधि के इस प्रयास की सराहना की और कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से युवाओं में खेल के प्रति रुचि बढ़ेगी और वे नशा व गलत संगत से दूर रहेंगे। कार्यक्रम में कई स्थानीय ग्रामीण और खेलप्रेमी मौजूद थे।

डॉ. बसंत नारायण सिंह उच्च विद्यालय में सचिव राजदेव यादव का भव्य स्वागत

चौपारण : प्रखंड के बसरिया स्थित डॉ. बसंत नारायण सिंह उच्च विद्यालय में बुधवार को नवनियुक्त विद्यालय सचिव राजदेव यादव का विद्यालय परिवार द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अशोक रजक के नेतृत्व में सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने उन्हें बुके भेंट कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर स्थानीय मुखिया मंजू देवी भी उपस्थित रहीं, जिनका विद्यालय परिवार की ओर से सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। सचिव ने विद्यालय को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालय किसी भी समाज की रीढ़ होता है। यदि विद्यार्थी अनुशासित होंगे तो शिक्षा अपने आप मजबूत होगी। विद्यालय में नियमित उपस्थिति, समय पालन, स्वच्छता और नैतिक मूल्यों का पालन जरूरी है। मैं विद्यालय में एक ऐसा वातावरण बनाना चाहता हूँ जहाँ बच्चे आत्मविश्वास के साथ शिक्षा प्राप्त करें और शिक्षकों को भी सहयोगी एवं प्रेरक भूमिका में देखा जाए। उन्होंने यह भी कहा कि हम सबको मिलकर विद्यालय को एक आदर्श शिक्षण केंद्र के रूप में विकसित करना है। मैं अनुशासन को सर्वोपरि मानता हूँ क्योंकि बिना अनुशासन के कोई भी संस्था प्रगति नहीं कर सकता। आने वाले समय में विद्यालय में और भी सुधार एवं विकास कार्य किए जाएंगे। कार्यक्रम के बाद उन्होंने शिक्षकों संग बैठक भी किया और उन्हें कहा कि आप अनुशासित रहिए और बच्चें को अनुशासन सिखाये। साथ ही कहा कि यदि विद्यालय में किसी विशेष व्यक्ति का कार्यक्रम या खाने पीने का सामान आएगा उसका भरपाई शाशि निकाय से नही होगा। स्थानीय मुखिया मंजू देवी ने भी छात्रों और विद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कहा आज का बच्चा ही कल का भविष्य है।

एक नजर

मारवाड़ी युवा मंच दक्षिण शाखा के अध्यक्ष बने ऋषभ

रांची : मारवाड़ी युवा मंच दक्षिण शाखा की ओर से बुधवार को डोरंडा बाजार स्थित श्री राम भरत मिलाप कार्यालय में बैठक कर, मंच के नई कार्यकारिणी गठित की गई। इस दौरान सर्वसम्मति से चुनाव के तहत ऋषभ रामपुरिया को अध्यक्ष, राघव शारदा को सचिव और रामचंद्र अग्रवाल को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। नई कार्यकारिणी को तत्काल प्रभाव से कार्य करने का दिशा निर्देश मिला। बैठक की अध्यक्षता मंच के संरक्षक और पूर्व अध्यक्ष रोहित शारदा ने की। मौके पर पूर्व अध्यक्ष राजीव केडिया ने आय-व्यय का विवरण सभा के बीच रखा और पूर्व में किए गए कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंच ने अभी एक मुक्ति रथ, दो मर्चरी, 30 ऑक्सीजन सिलिंडर, एक एम्बुलेंस, तीन प्याऊ, प्रत्येक रविवार नि:शुल्क ब्लड प्रेशर और शुगर जांच शिविर का आयोजन सहित अन्य उपयोगी वस्तुएं तथा कई सामाजिक कार्य किए हैं। बैठक में पूर्व अध्यक्ष बालवीर जैन, सुरेश चंद्र बोथरा, संजय अग्रवाल, कृष्ण कुमार पिलानिया ने भी अपने बातों को रखा। सबों ने नई कार्यकारिणी से सामाजिक हित में बेहतर कार्य करने की अपेक्षा की।

शहीद निर्मल महतो की प्रतिमा का अनावरण आठ को

रांची: झारखंड आंदोलनकारी वीर शहीद निर्मल महतो की पुण्यतिथि पर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के अध्यक्ष सह विधायक जयराम महतो आगामी आठ अगस्त को सोनाहातू के जाडेया मोड़ में शहीद निर्मल महतो की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। यह जानकारी मोर्चा के रांची जिला अध्यक्ष आलोक उरांव ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्त जारी कर दी। उन्होंने बताया कि यह आयोजन शहीद निर्मल महतो के बलिदान को स्मरण करने और नई पीढ़ी को उनके आदर्शों से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण प्रयास होगा। उरांव ने कहा कि श्रद्धांजलि सभा से पूर्व, झारखंड मेला मैदान, सोनाहातु से बाइक रैली निकाली जाएगी। इसका नेतृत्व संगठन के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्रनाथ महतो करेंगे। रैली पुराना ब्लॉक ऑफिस, थाना मैदान, जमुदाग मोड़ और तेलवारी मोड़ होते हुए कार्यक्रम स्थल जाडेया मोड़ पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रदेशभर के कार्यकर्ता शामिल होंगे।

उच्च न्यायलय ने पूर्व उपायुक्त छवि रंजन की जमानत याचिका की खारिज

रांची: झारखंड उच्च न्यायालय ने जमीन घोटाला मामले के आरोपित रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन की जमानत याचिका खारिज कर दी है। इससे पहले 25 जुलाई को अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय और बचाव पक्ष की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की अदालत ने बुधवार को छवि रंजन की जमानत याचिका को खारिज करते हुए उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया है। 25 जुलाई को अदालत ने ईडी और बचाव पक्ष की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इससे पहले रांची पीएमएलए की विशेष अदालत ने छवि रंजन को जमानत देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद छवि रंजन ने उच्च न्यायालय से जमानत देने की गुहार लगाई थी। उल्लेखनीय है कि रांची के बड़गाईं अंचल के बरियातु स्थित सेना के कब्जे वाली जमीन की खरीद-बिक्री से जुड़े इस मामले में ईडी ने रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन, चर्चित कारोबारी विष्णु अग्रवाल, बड़ागाईं अंचल के राजस्व उप-निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, मोहम्मद सद्दाम, अमित अग्रवाल और दिलीप घोष के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है।

पेसा नियमावली लागू करें, वरना सचिव दें स्पष्टीकरण : उच्च न्यायालय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय की दो सदस्यीय खंडपीठ ने राज्य सरकार को पंचायत अधिनियम-1996 की नियमावली 6 सितंबर 2025 तक लागू करने का सख्त आदेश दिया है। पीठ ने पंचायती राज विभाग के प्रधान सचिव को पेसा नियामवली लागू करने या फिर स्पष्टीकरण देने का आदेश दिया है। झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान और न्यायाधीश राजेश शंकर की पीठ ने स्पष्ट किया कि यदि आदेश का पालन नहीं हुआ, तो अगली सुनवाई में पंचायती राज विभाग के प्रधान सचिव मनोज कुमार को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर स्पष्टीकरण देना होगा। अलालत ने कहा कि आदेशों की अनदेखी न्यायालय की अवमानना है, जिसे हल्के में नहीं लिया जा सकता । अलालत ने सुनवाई के दौरान कहा कि 29 जुलाई 2024 को आदेश दिया गया था कि दो माह के भीतर पेसा नियमावली लागू की जाए। अब तक ऐसा नहीं हुआ है। यह अवमानना का गंभीर मामला है। 25 जून को अवमानना याचिका स्वीकार की गई थी, नोटिस भी जारी हुआ था, बावजूद इसके पंचायती राज विभाग ने अब तक कोई जवाबी हलफनामा दाखिल नहीं किया है। यह स्पष्ट संकेत है कि सरकार न्यायालय के आदेश को गंभीरता से नहीं ले रही है, जो कि उचित नहीं है। अदालत ने कहा कि पेसा अधिनियम लागू करने के लिए अब तक क्या-क्या कदम उठाए गए उसकी तिथि-वार जानकारी अगली सुनवाई में दे। आदिवासी बुद्धिजीवी मंच के राष्ट्रीय संयोजक विक्टर माल्टो ने आज यह जानकारी मीडिया को दी। उन्होंने बताया कि अदालत के जुलाई 2024 के आदेश के बावजूद अब तक नियमावली तैयार नहीं की गई है, जिससे आदिवासी समुदाय में रोष है। मंच की ओर से उच्च न्यायालय में अवमानना याचिका दाखिल की गई थी याचिकाकर्ता की ओर से अदालत में वरिष्ठ अधिवक्ता अजीत कुमार ने पक्ष रखा। दलील देने के दौरान अधिवक्ता ने कहा कि झारखंड राज्य का गठन आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए हुआ था। लेकिन 1996 में बने पेसा कानून की नियमावली अब तक राज्य में लागू नहीं हो सकी है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि पेसा नियमावली तैयार करने की प्रक्रिया अभी जारी है। फिलहाल पंचायती राज अधिनियम और अन्य विधानों के जरिए पेसा के कुछ प्रावधान आंशिक रूप से लागू किए गए हैं।

करमा की तैयारी को लेकर संघ ने प्रभारी कुलपति को सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू), रांची में आगामी 30 सितंबर शनिवार को आयोजित होने वाले करम पूर्व संध्या महोत्सव की तैयारियों को लेकर आदिवासी छात्र संघ के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को प्रभारी कुलपति सह प्रमंडलीय आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व संघ के अध्यक्ष विवेक तिर्की ने किया। उनके साथ सचिन उरांव, आकाशदीप उरांव, आनंद उरांव, उत्तम उरांव एवं अजीत कुमार मौजूद थे। ज्ञापन में कार्यक्रम आयोजन की अनुमति देने और विश्वविद्यालय प्रशासन से आवश्यक सहयोग की मांग की गई है। इस अवसर पर अध्यक्ष विवेक तिर्की ने कहा कि करम पर्व आदिवासी संस्कृति, प्रकृति-पूजन और सामाजिक एकता का प्रतीक है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कार्यक्रम के माध्यम से पारंपरिक खोड़हा गीत, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी। इससे नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़े रखने में मदद मिलेगी। संघ ने विश्वास जताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन के सहयोग से यह महोत्सव भव्य और गरिमामय रूप में संपन्न होगा।

एस.एस. मेमोरियल कॉलेज में दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची विश्वविद्यालय के एस.एस. मेमोरियल कॉलेज, रांची में बुधवार को स्वर्गीय शिबू सोरेन की स्मृति में शोक सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने दो मिनट का मौन रखा और शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बीपी वर्मा ने इस मौके पर शिबू सोरेन के संघर्षपूर्ण जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुरुजी द्वारा शुरू की गई रात्रि पाठशाला केवल एक शैक्षणिक पहल नहीं थी, बल्कि वह सामाजिक बदलाव की मशाल थी। शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने का उनका वह प्रयास आज भी हमारे लिए एक मार्गदर्शक है। उन्होंने कहा कि गुरुजी अलग झारखंड राज्य आंदोलन के पुरोधा थे। उन्होंने अपने सामाजिक जीवन की शुरूआत साधारण जनसेवा से शुरू की, जो आगे चलकर एक ऐतिहासिक राजनीतिक आंदोलन में परिवर्तित हुआ। आज भले ही वे शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं। लेकिन उनके विचार, उनका संघर्ष और उनके सिद्धांत झारखंड की आत्मा में सदा जीवित रहेंगे। प्राचार्य ने कहा कि गुरूजी ने आदिवासी मूलवासियों के अधिकारों और अस्तित्व की लड़ाई जिस निष्ठा और दृढ़ता से लड़ी। वह अतुलनीय है। शायद ही किसी नेता ने आदिवासियों के लिए इतनी लगातार, निर्भीक और जमीनी लड़ाई लड़ी हो। उन्होंने कहा कि गुरुजी का जीवन केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना, आत्मबल और जननायकत्व की गाथा है। उनके जीवन पर एक प्रेरणादायक बायोपिक अवश्य बननी चाहिए, जिससे नई पीढ़ी उनके संघर्षों और विचारों से प्रेरणा ले सके। श्रद्धांजलि अर्पित करनेवालों में डॉ. रानी प्रगति प्रसाद, एन.के. पांडेय, आर.एन. सिंह, डॉ. सावित्री कुमारी, डॉ. सीमा सुरीन, डॉ. अनुपमा सिंह, डॉ. तनुज खत्री, शिबली अख्तर, डॉ. अभिषेक, डॉ. मानकी, डॉ. रवि दास, मुकेश उरांव, डॉ. उषा कीड़ो, डॉ. लक्ष्मी कुमारी, रुकैया रसूल, जितेंद्र सिंह, जावेद, अभिषेक, विजय, सुशील सहित अनेक शिक्षकगण एवं कर्मचारी शामिल रहे।

अग्रसेन जयंती महोत्सव कार्यालय का उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अग्रवाल सभा, रांची के तत्वावधान में आयोजित होने वाले 49वां श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव की तैयारियां प्रारंभ हो चुकी हैं। सभा के पूर्व अध्यक्ष नंदकिशोर पाटोदिया ने बुधवार को जयंती महोत्सव कार्यालय का उद्घाटन और विवरणिका का विमोचन किया गया। नंदकिशोर पाटोदिया ने इस अवसर पर कहा कि महोत्सव का शुभारंभ 10 अगस्तको हरमू रोड स्थित गौशाला में गौ-सेवा के साथ होगा। यह आयोजन 5 अक्टूबर तक चलेगा और विभिन्न कार्यक्रम महाराजा अग्रसेन भवन में संपन्न होंगे। उन्होंने बताया कि 17 अगस्त से 14 सितंबर तक अग्रवंशीय बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। 24 अगस्त को अंतरविद्यालय चित्रकला एवं जस्ट ए मिनट प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। 21 सितंबर को महाराजा अग्रसेन की विशाल शोभायात्रा का आयोजन होगा। इसके अगले दिन, 22 सितंबर को दादाश्री की जयंती के अवसर पर प्रभातफेरी निकाली जाएगी और लालपुर चौक स्थित महाराजा अग्रसेन प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। नंदकिशोर पाटोदिया ने बताया कि महोत्सव के दौरान हवन-पूजन, आम सभा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रतिभा सम्मान एवं प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरण जैसे विविध कार्यक्रम होंगे। 5 अक्टूबर को अग्रवाल सभा का स्थापना दिवस मनाया जाएगा। इसी दिन वरिष्ठ अग्रजों का सम्मान समारोह भी आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में अग्रवाल सभा के मंत्री अनिल अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष अशोक नारसरिया, सज्जन पाडिया, जयंती संयोजक अमर अग्रवाल, विजय खोवाल, मनोज चौधरी, कौशल राजगढ़िया, रमाशंकर बगड़िया, प्रमोद बगड़िया, सुनील पोद्दार, विनीता सिंघानिया, विनोद टिबड़ेवाल, राजकुमार मित्तल, आनंद जालान, नरेश बंका, संकेत चौधरी, आकाश गोयल समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के लिए भूमि पूजन 10 को

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

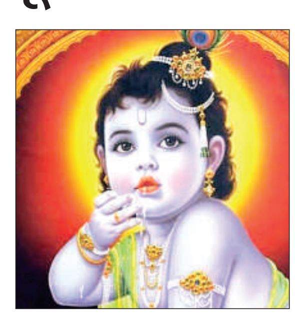

रांची : श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति, रांची के सानिध्य में मेन रोड स्थित अलबर्ट एक्का चौक पर 16 और 17 अगस्त को श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव मनाया जाएगा। बुधवार को समिति के अध्यक्ष मुकेश काबरा ने बताया कि जन्माष्टमी महोत्सव पर होने वाली दही हांडी फोड़ो प्रतियोगिता के लिए मटकी माखन भरकर हांड़ी को आयोजन स्थल पर लगाया जायेगा। रंग विरंगी फूलों की लड़ी से सजी यह हांडी 10 अगस्त को लोगों के अवलोकन के लिए लगाई जाएगी। संरक्षक अजय मारु और अध्यक्ष मुकेश काबरा ने बताया कि इसके पूर्व समिति की ओर से 14 बार यह महोत्सव मनाया जा चुका है। प्रथम दिन 16 अगस्त श्री कृष्ण के बाल गोपाल प्रतियोगिता और झांकी प्रतियोगिता का आयोजन होगा। देशभक्ति गीत की दी जाएगी प्रस्तुति वहीं दूसरे दिन 17 अगस्त को दही हांडी- फोड़ो प्रतियोगिता सह भजन संध्या सहित नृत्य नाट्य के मंचन सहित देशभक्ति गीत की प्रस्तुति दी जाएगी। उन्हों ने बताया कि दही हाडी प्रतियोगिता में रजिस्ट्रेशन के साथ कुछ नियम और शर्तें भी रखी गई हैं। विजेता पुरुष गोविंदा और महिला गोविंदा के बीच प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार के रूप में नगद राशि दी जाएगी। दही हांडी प्रतियोगिता के लिए 14 अगस्त रजिस्ट्रेशन किया जाएगा।

सहायक आचार्यों की परीक्षा में सफल 129 अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग कल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड प्रारंभिक विद्यालय प्रशिक्षित सहायक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2023 के आधार पर इंटरमीडिएट प्रशिक्षित सहायक आचार्य और स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्य के पद पर नियुक्ति के लिए आयोग की ओर से कक्षा छह से आठवीं के सफल घोषित अभ्यर्थियों की जिला स्तरीय काउंसिलिंग आठ अगस्त को दो पालियों में होगी। रांची के जिला शिक्षा अधीक्षक ने बुधवार को बताया कि अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग समाहरणालय भवन, ए ब्लॉक कमरा संख्या जी-14 और जी-15 में होगी। सफल घोषित और अनुशंसित कुल 129 अभ्यर्थियों की सूची और जांच-पत्रक, दिशा-निर्देश एवं शेडयूल दिया गया है, जो जिले के अधिकारिक बेबसाईट ६६६. पर भी उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि जिला उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर विभाग की ओर से सफल घोषित 129 अभ्यर्थियों की सूची अधिकारिक बेबसाईट पर उपलब्ध करवा दी गयी है। जिला शिक्षा अधीक्षक ने सफल अभ्यर्थियों से अपील की है कि जांच-पत्रक को सही-सही भरकर काउंसिलिंग की तिथि और निर्धारित समय पर अपने सभी शैक्षणिक और प्रशैक्षणिक मूल प्रमाण-पत्र सहित में स्व: अभिप्रमाणित छायाप्रति के साथ उपस्थित हों। उन्होंने सभी आवश्यक दस्तावेजों को क्रम विन्यास के अनुसार दो फोल्डर के साथ काउसिलिंग में आने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी फोल्डर के ऊपरी भाग में साफ-साफ बड़े अक्षरों में सफल घोषित और अनुशंसित अभ्यर्थियों का नाम, पिता का नाम, क्रमांक, कोटि और विषय आवश्यक रूप से लिखें। इस संबंध में सफल घोषित अभ्यर्थियों को उनके वाट्सएप, एसएमएस और ई-मेल के माध्यम से व्यक्तिगत रूप से भी सूचित किया गया है। सफल अभ्यर्थियों का क्रमांक- एक से 65, गणित एवं विज्ञान, काउंसलिंग की तिथि झ्र 8 अगस्त, सुबह 10.30 बजे से जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय, समाहरणालय भवन- ब्लॉक- ए, कमरा संख्या-जी-14, जी- 15, जबकि क्रमांक-66 से 129, गणित और विज्ञान के अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 8 अगस्त को दोपहर 2.30 से जिला शिक्षा अधीक्षक के कार्यालय में समाहरणालय भवन- ब्लॉक- ए, कमरा संख्या- जी-14, जी- 15 में होगी।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 13 सितंबर को

रांची: राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 13 सितंबर को सिविल कोर्ट परिसर में किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन सुबह 10 .30 बजे से मामलों के निपटारा तक होगा। लोक अदालत में जिन मामलों का निष्पादन होगा उनमें चेक बाउंस से संबंधित मामले, सुलहनीय प्रकृति के फौजदारी मामले, सभी तरह के दिवानी मामले, बिजली से जुडे मामले, राजस्व न्या यालय में लंबित मामले इसमें उपभोक्ता संरक्षण फोरम और सर्टिफिकेट केस के लंबित मामले, अंतिम प्रपत्र से संबंधित मामले, श्रम से जुडे मामले और मजदूरी के मामले, रेलवे न्याकयालय में लंबित मामलों के अलावा छोटे आपराधिक मामले जिनमें माप-तौल, वन विभाग, उत्पाद विभाग और ट्रैफिक चालान के मामले शामिल हैं। वहीं राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर झालसा और डालसा की ओर से तैयारियां की जा रही हैं।

प्रणामी 20 दिनों में कराया 3580 निराश्रितों को भोजन

रांची : प्रणामी ट्रस्ट की ओर से विगत 19 माह से चल रहे पीडित मानव सेवा के पावन तीर्थ स्थल मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम पुंदाग के सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम में बुधवार को आश्रम के 37 मंदबुद्धि दिव्यांग और सेवादारों के बीच भोजन कराया गया। इस संबंध में अपना घर आश्रम के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि स्वामी सदानंद महाराज के सानिध्य में कुसुम तुलस्यान के सौजन्य से आयोजित इस आयोजन में, विगत 18 जुलाई से छह अगस्त तक 20 दिनों में 3580 निराश्रित के बीच अन्नपूर्णा सेवा भोजन प्रसाद का वितरण किया गया। इसमें जानवी कुमारी, संतोष कुमार, दिलीप कुमार गुप्ता, दीपांजलि कुमारी, संतोष शर्मा, स्वाति कुमारी, मुकुल कुमार, बृजेश सिमरन, निर्मल छावनिका, सिमरन अग्रवाल सहित अन्य के सौजन्य से सभी निराश्रितों को भोजन कराया गया। प्रवक्ता ने कहा कि ऐसे सेवा कार्यों को समाज के हर वर्ग का सहयोग और प्रोत्साहन मिलना चाहिए। इस मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मल जालान, राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, सचिव मनोज कुमार चौधरी, निर्मल छावनिका, सज्जन पाड़िया, पुजारी अरविंद पांडे, पुर्णमल सर्राफ सहित संस्था के अन्य सदस्य मौजूद थे।

स्कूल की पत्रिका के रजत जयंती कार्यक्रम में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

रांची: लाला लाजपत राय बाल मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल पूंदाग में स्कूल एरा शैक्षणिक पत्रिका का रजत जयंती मनाई गई। इस अवसर पर स्कूल एरा पत्रिका की ओर से आई हुई ब्यूरो चीफ डॉ शीतल कुमारी, संपादकीय सदस्य मनोज सिन्हा, विद्यालय के प्राचार्य शैलेंद्र कुमार और उप प्राचार्य प्रफुल्ल कुमार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में कक्षा प्री नर्सरी से 12 वीं तक के बच्चों ने भाग लिया। उनके बीच विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं भी कराई गई। इसमें बाल वाटिका के बच्चों के लिए रंग भरने, कक्षा एक से 10 वीं तक के बच्चों के लिए पेंटिंग, कक्षा सातवीं से 12वीं तक के बच्चों के बीच निबंध लेखन और साथ ही सांस्कृतिक प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इसमें स्कूल एरा मदर सॉन्ग और ग्रुप सॉन्ग कराया गया। प्रत्येक कक्षा के बच्चों को ग्रुप में बांट दिया गया था और अलग-अलग विषय दिया गया था। उसी के अनुसार बच्चों ने अपनी प्रतिभा दिखाई तथा प्रतियोगिता में आनंद के साथ बढ़-चढ़कर भाग लिया। मौके पर विद्यालय के प्राचार्य शैलेंद्र कुमार ने स्कूल एरा के रजत जयंती पर सभी को बधाई दी तथा बच्चों की प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्कूल एरा विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रकाशन है जो विद्यार्थियों की रचनात्मकता को प्रदर्शित करती है। यह छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने और खुद को व्यक्त करने का एक मंच प्रदान करती है। साथ ही लेखन और साक्षरता कौशल को बढ़ावा देती है। इस अवसर पर शिक्षिका सीमा त्रिवेदी, शिखा दत्ता, स्वाति चौधरी और शिक्षक विवेक कुमार साहू सहित अन्य उपस्थित थे।

रिजनल एथलेटिक मीट में पांच किमी पैदल रेस में अमृत प्रथम

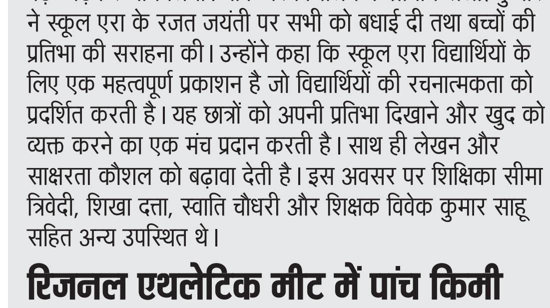

रांची: खेलगांव में चल रहे छठे सीआईएससीई रिजनल एथलेटिक मीट के दूसरे दिन बुधवार को कई प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने पूरी जोर आजमाइश करते हुए जीत हासिल की। जहां एक तरफ डिस्कस थ्रो, लॉन्ग जंप, हाई जंप और हर्डल रेस में ऊंची छलांग लगाई। वहीं दूसरी ओर विभिन्न प्रकार की दौड़ प्रतियोगिता में कीर्तिमान स्थापित किए। पांच किलोमीटर पैदल रेस अंडर- 17 ब्यॉज में अमृत राज तिवारी ने 32 :16 .6 सेकंड में और अंडर- 19 ब्यॉज में अश्रित कच्छप ने 200 मीटर रेस को मात्र 22 .2 सेकंड में पूरी कर कीर्तिमान स्थापित किया। ब्यॉज (अंडर -14) 80 मीटर हर्डल्स में रांची जोन के अंकुर उरांव ने केवल 12 .3 सेकंड में सभी बाधाओं को पार कर सबको हैरत में डाल दिया। अंडर 19 गर्ल्स 100 मीटर हर्डल्स में रांची जोन की अराधना पूर्ति ने 18 .8 सेकंड में जीत हासिल की। सभी विजेताओं को सेंट एंथोनी स्कूल डोरंडा के प्राचार्य सीए फ्रांसिस, सेंट जेवियर्स स्कूल, डोरंडा के प्राचार्य फादर फूलदेव और बिशप स्कूल, बहूबाजार के प्राचार्य आईए जैकब ने पुरस्कृत किया। खेलगांव में चल रहे इस एथलेटिक मीट का समापन सात अगस्त को होगा। इसमें रांची, धनबाद, जमशेदपुर, देवघर,भागलपुर और पटना जोन (बिहार - झारखंड रिजन) के लगभग 900 सौ प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम में बिशप वेस्टकॉट गर्ल्स स्कूल, डोरंडा की प्राचार्या जे एडविन सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।

सेंगेल अभियान की बैठक में आदिवासी अस्मिता भाषा संरक्षण और सांस्कृतिक पुनर्जागरण पर मंथन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सेंगेल अभियान के तत्वावधान में आज चास प्रखंड अंतर्गत कनारी पश्चिम, बरुआटांड़ में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता सेंगेल बोकारो जिला अध्यक्ष एवं जोनल हेड सुखदेव मुर्मू ने की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विश्व आदिवासी दिवस की प्रासंगिकता, आदिवासी अस्मिता, भाषा संरक्षण और सांस्कृतिक पुनर्जागरण जैसे मुद्दों पर गहन विमर्श किया गया। मुर्मू ने कहा, संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1994 से विश्व आदिवासी दिवस की शुरूआत की, जिससे विश्व के मूलवासी समुदायों की पहचान, अस्तित्व और अधिकार सुनिश्चित हो सके। 13 सितंबर 2007 को 'विश्व आदिवासी अधिकार घोषणा-पत्र' भी जारी किया गया, जो आदिवासियों के अधिकारों की वैश्विक मान्यता है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया की लगभग 7,000 भाषाओं में से 40% भाषाएं विलुप्ति के कगार पर हैं, जिनमें अधिकांश आदिवासी भाषाएं हैं। इसी के मद्देनजर, संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2022 से 2032 तक आदिवासी भाषा दशक घोषित किया गया है, जो भाषाओं के संरक्षण पर केंद्रित है। बचेगी भाषा, तभी जीवित रहेगी संस्कृति को मूल मंत्र मानते हुए श्री मुर्मू ने यह सवाल उठाया कि क्या झारखंड के सांसद, विधायक, सामाजिक संगठन और युवा पीढ़ी सरकार पर संताली भाषा को झारखंड में प्रथम राजभाषा घोषित करने की मांग उठाएंगे उन्होंने मुंडारी, खड़िया और कुडुख जैसी अन्य आदिवासी भाषाओं को संरक्षित करने की भी आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि झारखंड आज शहीदों के सपनों से भटक चुका है और लुट का अड्डा बनता जा रहा है। उन्होंने राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, सांगठनिक और व्यक्तिगत स्वार्थों से ऊपर उठकर आदिवासी एजेंडा पर संगठित होकर काम करने की अपील की। मुर्मू ने आदिवासी समाज के समक्ष मौजूद कुछ प्रमुख चुनौतियाँ - जैसे- नशापान, डायन प्रथा, अंधविश्वास, महिला विरोधी सोच और वोट की खरीद-फरोख्त झ की भी खुलकर आलोचना की तथा इनके खिलाफ सामाजिक सुधार का आंदोलन छेड़ने का आह्वान किया। बैठक में चास प्रखंड सेंगेल युवा अध्यक्ष कालीचरण किस्कू, सेंगेल माझी उपेन्द्र हेम्ब्रम, विजय मरांडी, दिनेश सोरेन समेत अनेक स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अब देखें कि इस 9 अगस्त को झारखंड के आदिवासी समाज इस दिवस को नाच-गान और रस्म अदायगी तक सीमित रखते हैं या फिर इसे आत्मचिंतन और निर्णायक पहल का अवसर बनाते हैं।

एक नजर

जीएमआर पब्लिक स्कूल में रखी प्रतियोगिता का आयोजन

चास : प्रखंड स्थित जीएमआर पब्लिक स्कूल भागाबांध में बुधवार को राखी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा एक से लेकर नवम तक के विधार्थियो ने भाग लिया और विविध सामग्रियों से सुंदर राखियाँ का निर्माण किया। इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि अमित सय ने कहा की यह प्रतियोगिता भाई – बहन के प्रेम और पारंपरिक बंधन को दर्शता है। इस तरह की प्रतियोगिता से रचनात्मक और कलात्मक कौशल को बढ़ावा मिलता है। विद्यालय के सचिव मृत्युंजय महतो ने कहा कि राखी सिर्फ एक धागा नही है, यह प्यार सम्मान और सुरक्षा का प्रतिक है। विद्यालय की प्राचर्या यमुना कुमारी ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा की प्रतियोगिता में प्रतिभा निखरती है। सभी विजिताओ को पुरस्कार देकर संयुक्त रूप से सम्मानित किया गया। मौके पर ज्ञान रंजन, अजय कर्मकार, लाल गोपाल चौबे, मधुसूदन महतो, लीला कुमारी, मंटू महतो, आर्या मुक्ता, तिलका देवी, सुभाष सर, महतो सर आदि उपस्थिति थे।

सीबीएसई ईस्ट जोन बालिका फुटबॉल टूर्नामेंट का एमजीएम स्कूल में सफल आयोजन

बोकारो : एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल सेक्टर चार एफ बोकारो में तीन से छह अगस्त तक सीबीएसई इस्ट जोन बालिका फुटबाल टूनार्मेंट का आयोजन किया गया। इस टूनार्मेंट में उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड के अलावा अन्य राज्यों की विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं ने खिताबी जीत हासिल करने के लिए कौशल का प्रदर्शन किया। छात्राओं ने बेहतर तालमेल व कौशल का प्रदर्शन किया ।बुधवार को चौथे और अंतिम दिन अंडर 14 वर्ग के फाइनल मैच में विद्या ज्ञान स्कूल सीतापुर की खिलाड़ियों ने शानदार तालमेल का प्रदर्शन करते हुए आर्मी पब्लिक स्कूल एलबीएस मार्ग लखनऊ की टीम को दो–शून्य गोल से पराजित कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इस वर्ग में टूनार्मेंट में छह गोल करने वाली अनामिका को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। अंडर 17 वर्ग के फाइनल मैच में विद्या ज्ञान स्कूल सीतापुर की टीम की खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए आर्मी पब्लिक स्कूल नेहरु रोड लखनऊ की टीम को एकतरफा मुकाबले में चार–शून्य गोल से पराजित कर विजेता का गौरव हासिल किया। इस वर्ग में टूनार्मेंट में दस गोल करने वाली एकता गुप्ता को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया।

शादी का झांसा देकर नाबालिग से बनाया संबंध, नाबालिग ने दिया बच्ची को जन्म

कोडरमा : जिले की नाबालिग युवती ने एक बच्ची को जन्म दिया है। इस बाबत मिली जानकारी के अनुसार उक्त नाबालिग युवती का पड़ोस के ही रहने वाले एक युवक के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस दौरान दोनों ने शारीरिक संबंध बनाया। इस दौरान नाबालिग गर्भवती हो गई और उसने एक बच्ची को जन्म दिया है। मामले को लेकर पीड़िता के पिता ने कोडरमा थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। आवेदन में कहा है कि आरोपित लड़के ने मेरी बच्ची को धोखे से अपने प्रेम जाल में फंसा लिया और शादी के झांसा देकर इसके साथ शारिरिक संबंध बना लिया।

आदरणीय शिबू सोरेन एक जन नेता थे : सीटू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बुधवार को इस्पात मजदूर मोर्चा, सीटू कार्यालय में झारखंड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष व संस्थापक,राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री, केंद्र सरकार के पूर्व कोयलामंत्री और प्रख्यात आदिवासी नेता शिबू सोरेन के निधन पर गहरे शोक का इजहार करते हुए दो मिनट का मौन रखा गया। शोक व्यक्त करते हुए युनियन के संयुक्त महामंत्री के एन सिंह ने कहा कि वे 81 वर्ष के थे और पिछले कई दिनों से बीमार थे तथा दिल्ली के एक निजी अस्पताल में उनका ईलाज चल रहा था। वहीं उनका देहांत हुआ। वे सीटू की झारखंड राज्य कमिटी के भी मुख्य संरक्षक थे। उनके निधन की खबर मिलते ही युनियन कार्यालय का झंडा तीन दिन तक झुका दिया गया है। श्री शिबू सोरेन आदिवासी अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाले एक वरिष्ठ नेता थे जिन्होंने झारखंड में गरीबों और आदिवासियों के शोषकों और उनकी जमीन हड़पने वाले सूदखोर महाजनों के खिलाफ 70 के दशक में प्रभावी जन आंदोलन संगठित किया था। जिसके दौरान उन्होंने पुलिस की प्रताड़ना झेली, जेल गए और कई झूठे मुकदमों का सामना किया। इसी तरह की प्रतिबद्धता के चलते ही वे आदिवासी समुदाय में एक कवंदती के रुप में विख्यात थे। शिबू सोरेन झारखंड के एक जुझारू और लोकप्रिय जन नेता के रूप में हमेशा याद किए जायेंग। सीटू , बोकारो उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रेषित करता है।

ग्रिजली किड्स में 'ऑरेंज डे' का उल्लासपूर्ण आयोजन बच्चों की रचनात्मक प्रस्तुतियों ने बिखेरा रंगों का जादू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमो (सतपुलिया) : गुमो सतपुलिया स्थित ग्रिजली पब्लिक स्कूल के जूनियर विंग ग्रिजली किड्स में रंगों की सुंदरता और जीवन में उनके महत्व को उजागर करने हेतु 'ऑरेंज डे' का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। यह विशेष दिन नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए रंगों से खेल खेल में प्रकृति, फल और वस्तुओं से जुड़ी जानकारियों से भी अवगत कराने का एक रचनात्मक माध्यम बना। इस अवसर पर स्कूल परिसर को भी ऑरेंज थीम से सजाया गया झ दीवारों पर गाजर, बाघ, संतरा, फूलों और पतंगों की कलाकृतियाँ बच्चों की रचनात्मकता को दर्शा रही थीं। कार्यक्रम में बच्चे नारंगी रंग की विभिन्न वस्तुओं और जीवों का विशेष परिधानों में सजे-धजे स्कूल पहुंचे। अद्रित मोदी गाजर बनकर आए और गाजर के स्वास्थ्य लाभों को बड़ी ही मासूमियत से बताया। श्रवया सेठ एप्रीकोट की पोशाक में आईं और इसके पोषण गुणों को साझा किया। अपराजिता गुप्ता ने मछली की पोशाक पहनकर समुद्री जीवन के बारे में बताया, वहीं चिराग जैन, शानवी प्रिया नारंगी फल बनकर मंच पर आए और इस रसदार फल से जुड़ी जानकारी दी। कार्यक्रम की अगली कड़ी में बच्चों ने नारंगी रंग की जानकारी कविताओं के माध्यम से प्रस्तुत किया। आदया और प्रिशा ने नारंगी रंग पर सुंदर और सरल कविताएं सुनाईं। मायरा ने कद्दू पर रचना सुनाकर सभी को हँसाया। वहीं वैष्णवी ने बाघ पर एक कविता प्रस्तुत की, जिसमें उसने हमारे राष्ट्रीय पशु की विशेषताओं और उसकी रक्षा की आवश्यकता को सुंदर ढंग से दशार्या। मौके पर स्कूल में रैंप वॉक का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

झूला और कजरी गीतों पर झूमीं महिलाएं वसुंधरा गली में सावन मिलन उत्सव की धूम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : नगर के सेक्टर-3बी स्थित वसुंधरा गली में बुधवार शाम वसुंधरा परिवार की महिला मंडली ने सावन मिलन उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस खास मौके पर पूरा माहौल हरियाली और उत्साह से सराबोर बना रहा। महिलाएं हरी-हरी साड़ियों में सोलह श्रृंगार करके पहुंचीं और अपने हाथों पर मेहंदी रचाकर सावन के रंग में रंगी नजर आईं। इस मिलन समारोह में महिलाओं ने जमकर अपने हुनर का प्रदर्शन किया। एक के बाद एक महिलाओं ने गीत व नृत्य की शानदार प्रस्तुति की तथा पारंपरिक कजरी व झूला गीतों पर खूब झूमीं। उत्सव में मनोरंजन के लिए कई दिलचस्प खेलों का भी आयोजन किया गया। गुब्बारा फोड़ो प्रतियोगिता, म्यूजिकल चेयर और बूझो तो जानें जैसे खेलों में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान हंसी-मजाक और ठहाकों से पूरी वसुंधरा गली गूंजती रही।

कंचन बनीं सावन क्वीन

सभी प्रतियोगिताओं और प्रस्तुतियों के बाद कंचन को इस साल की सावन क्वीन घोषित किया गया। उनके नाम की घोषणा होते ही सभी ने तालियों से उनका अभिनंदन किया। इस सफल आयोजन में रूबी, रानू, अनामिका, पिंकी, खुशबू, मालती, वीणा, रूपा, प्रियंका, चंदा सिन्हा, अमर्ती देवी, मुन्नी देवी, सुलोचना देवी और मोनी आदि की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम के अंत में महिलाओं ने कहा कि सावन सिर्फ एक मौसम नहीं, बल्कि खुशहाली और हरियाली का प्रतीक है। उन्होंने सभी के लिए सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। यह उत्सव महिलाओं को एक साथ आने और अपनी संस्कृति से जुड़ने का एक बेहतरीन मौका रहा।

जैप-4 में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर आयोजित हुई शोक सभा, दी गई भावपूर्ण श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झारखण्ड सशस्त्र पुलिस-4, बोकारो में झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री-सह-राज्यसभा सदस्य, दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन जी के आकस्मिक निधन पर शोक सभा आयोजित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर शम्भु कुमार सिंह, समादेष्टा (जैप), झारखण्ड सशस्त्र पुलिस-4, बोकारो-सह-राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वाहिनी और अन्य जिलों में प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मियों द्वारा भी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्रद्धांजलि सभा में पुलिस एसोसिएशन, पुलिस मेन्स एसोसिएशन, चतुर्थवर्गीय कर्मचारी संघ के सदस्यगण, राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल के अधिकारी/कर्मी सहित सभी मौजूद रहे। उपस्थित सभी ने स्व० शिबू सोरेन को पुष्प एवं माला अर्पण कर उनके योगदान को याद किया एवं शोक संवेदना प्रकट की। यह सभा झारखण्ड के लोकप्रिय नेता की स्मृति में गहरी संवेदना के साथ संपन्न हुई, जिनका झारखण्ड राज्य के संघर्ष, जल-जंगल-जमीन व आदिवासी अस्मिता के लिए किया गया कार्य सदैव याद किया जाएगा।

दो विद्यालयों में तंबाकू के दुष्प्रभाव पर जागरूकता सेमिनार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बुधवार को सिविल सर्जन बोकारो के आदेशानुसार +2 हाईस्कूल चिकसिया एवं उच्च विद्यालय ब्राहमन द्वारिका चास बोकारो में तम्बाकू के दुष्प्रभाव एवं तम्बाकू उद्योग के आकर्षण के पीछे का खतरनाक सच के प्रति बच्चों को जागरूक करने हेतु सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों को तम्बाकू से होने वाले जनित रोगों से अवगत कराया गया। जिला परामर्शी ने बच्चों को बताया कि तम्बाकू के अन्दर चार हजार से अधिक जहरीले तत्व होते हैं। इसमें ऐसे रसायन होते हैं जो फिनायल, टायलेट क्लीनर, कार की बैटरी में पाये जाने वाला आर्सेनिक जोकि जहर है, इसके अलावा एसीटोन, टार आदि रसायन मिलते हैं जोकि धीरे धीरे मौत का कारण बनते हैं। जिला परामर्शी ने बताया कि स्मोककर्ता द्वारा छोडे गये धुएं को यदि कोई भी युवा उसको अपने सांस में लेता है तो उसको भी नुकसान करता है। बच्चों को बताया गया कि यदि कोई भी आपका साथी आपको धूम्रपान के लिये अपने साथ लेकर जाता है भले ही आप स्मोकिंग नही करते हैं पर अपने साथी का साथ देते हैं । तो आपको भी नुकसान करेगा। जिला परामर्शी ने बताया कि यदि आपको तम्बाकू छोडना है तो सरकार की तरफ से तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र खुला हुआ है आप वहां सम्पर्क कर सकते हैं इसके अलावा टाल फ्री नं0 1800.11.2356 पर भी काल कर सकते हैं। साथ अपने से बडों को भी परामर्शी सेवा का लाभ दिला सकते है मिस काल करके-मिसकाल नम्बर 011-22901701 पर। कार्यक्रम में +2 हाईस्कूल चिकसिया के प्राचार्य अपर्णा मिश्रा एवं उच्च विद्यालय ब्राहमन द्वारिका चास के प्राचार्य मिथलेश चन्द्र कुमार के प्राचार्य स्वास्थ्य विभाग से जिला परामर्शी मो0 असलम तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम, सोशल वर्कर छोटेलाल दास, विद्यालय के शिक्षक, स्टाफ व बच्चे उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

बोकारो के चित्रकार सरोज मिश्रा को 64वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में मिला सम्मान

बोकारो : बोकारो के चित्रकार सरोज मिश्रा को भारत सरकार की राष्ट्रीय ललित कला अकादमी द्वारा 64वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें 5 अगस्त 2025 को नई दिल्ली के रविंद्र भवन में आयोजित समारोह में केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने प्रदान किया। इस वर्ष ललित कला अकादमी ने अपनी 70वीं वर्षगांठ पर देशभर के 6000 कलाकारों के आवेदन में से 286 कलाकारों की कृतियों को प्रदर्शनी के लिए आमंत्रित किया और 20 कलाकारों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया। सरोज मिश्रा की कलाकृति का चयन भी देशभर की चुनिंदा पेंटिंग्स में हुआ और उन्हें पट्टिका, शॉल तथा 2 लाख रुपये पुरस्कृत किए गए। सरोज मिश्रा वर्तमान में श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल, बोकारो में कला शिक्षक हैं और झारखंड की कला–संस्कृति को अपनी चित्रकृतियों के माध्यम से प्रस्तुत करते रहते हैं। इस उपलब्धि पर बोकारो एवं राज्यभर के कलाकारों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। पुरस्कार समारोह में संस्कृति मंत्रालय के सचिव श्री विवेक अग्रवाल, अतिरिक्त सचिव अमिता प्रसाद सरभाई एवं ललित कला अकादमी के उपाध्यक्ष डॉ. नंद लाल ठाकुर भी उपस्थित रहे।

मरकच्चो में चलाया गया वाहन चेकिंग अभियान

मरकच्चो : पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह के निदेर्शानुसार थाना क्षेत्र में बुधवार को थाना भवन के सामने यातायत प्रभारी सलाउद्दीन खान व ए एस आई बलिराम सिंह ने वाहन चेकिंग अभियान चलाया। यह अभियान मुख्य रूप से ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध चलाया गया। जिसमें बिना हेलमेट, बिना लाइसेंस, बीमा व अन्य आवश्यक दस्तावेजों के बिना चला रहे दो पहिया और चार पहिया वाहनों की जांच की गयी। थाना प्रभारी ने बताया कि यह अभियान सड़क सुरक्षा को लेकर चलाया गया है और आगे भी यह अभियान नियमित रूप से जारी रहेगा । उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि वे सभी वैध दस्तावेजों के साथ वाहन चलाएं और सुरक्षा नियमों का पालन करें।

समाहरणालय में योजनाओं की समीक्षा बैठक उपायुक्त ने दिए कार्य में तेजी लाने के निर्देश

कोडरमा : समाहरणालय सभागार में उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें योजना/विकास शाखा एवं सभी इंजीनियरिंग विंग के साथ अनाबद्ध निधि, डीएमएफटी, सांसद व विधायक निधि से संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में ग्रामीण विकास विभाग विशेष प्रमंडल, भवन प्रमंडल, लघु सिंचाई विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, जिला परिषद्, नगर परिषद्/नगर पंचायत कोडरमा डोमचांच समेत अन्य विभागों में संचालित योजनाओं की समीक्षा किया।
बैठक में वित्तीय वर्ष 2024–25 से क्रियान्वित की जा रही अपूर्ण योजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई। उपायुक्त ने सभी कार्यपालक अभियंताओं को निर्देशित किया कि लंबित योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर यथाशीघ्र पूर्ण किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी योजना का कार्य पूर्ण करने के पश्चात उसका सत्यापन भली–भांति सुनिश्चित किया जाए, ताकि हैंडओवर की प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता बनी रहे। उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि योजनाओं के कार्यान्वयन में गति लाई जाए तथा निर्धारित समय–सीमा में लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित की जाए, जिससे जिले के समग्र विकास में अपेक्षित परिणाम प्राप्त हो सके।

पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर चिन्मय विद्यालय में श्रद्धांजलि अर्पित

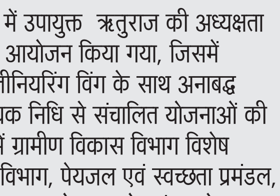

कोडरमा : चिन्मय विद्यालय बोकारो में पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के निधन पर एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विद्यालय के सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा, उप प्राचार्य नरमेंद कुमार, हेड मास्टर गोपालचंद मुंशी, अकादमिक समन्यक राहुल राय सहित अन्य वरीय शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने भी दिवंगत नेता को श्रद्धासुमन अर्पित किए। सभा में सभी ने शिबू सोरेन जी के समाज के प्रति योगदान को याद किया और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

पत्रकारों ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन व वरिष्ठ पत्रकार हरिनारायण को दी श्रद्धांजलि

बोकारो : झारखंड निर्माण के महानायक, पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन और झारखंड के वरिष्ठ पत्रकार हरिनारायण सिंह के निधन पर बुधवार को बोकारो परिसदन में शोक सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा में शामिल होकर पत्रकारों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। पत्रकारों ने दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से दोनों दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। शोक संवेदना प्रकट करने वालों में कृष्णा चौधरी, संजीव ओझा, सुरेन्द्र सावंत, सुरेन्द्र कुमार, अरविंद सिंह, राणा रंजीत कैलाश गोस्वामी, योगो पूर्ति, नितेश वर्मा, दिलीप वैराग्य, राममूर्ति प्रसाद, रिपु सूदन पाठक, अनिल चंदा, दिनेश पांडेय,मृत्युंजय मिश्रा, मनोज कुमार शर्मा, सत्या पाल, चुमन, महेंद्र प्रसाद, सुबीर कुमार सिंह, विश्वजीत झा, अरविंद कुमार, परमेश्वर मंडल, राजेश कुमार, पंकज सिंह, धर्मनाथ, राजेश राज, सुजीत कुमार, सुनील कुमार महतो, कैलाश कुमार, सुजीत कुमार, संजय कुमार, नरेश कुमार, चंदन सिंह, राहुल कुमार बासु, अमरनाथ पोद्दार, सुनील पूर्ति सहित अन्य पत्रकार शामिल हैं।

एक नजर

शहीद निर्मल महतो की आदमकद प्रतिमा का अनावरण कल

रांची : आठ अगस्त को झारखंड अलग आंदोलन के मसीहा शहीद निर्मल महतो का पुण्यतिथि मनाया जाएगा। पूरे प्रदेश में इसकी भव्य रूप से तैयारी चल रही है। 'झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा' के द्वारा सोनाहातु के जाडेया मोड़ में शहीद निर्मल महतो जी का आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा। डुमरी विधायक जयराम कुमार महतो जी के द्वारा (शुक्रवार को) अनावरण किया जाएगा। संगठन के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्रनाथ महतो के नेतृत्व में झारखंड मेला मैदान सोनाहातु से बाइक रैली निकाला जाएगा। यह बाइक रैली पुराना ब्लॉक ऑफिस, थाना मैदान, जमुदाग मोड एवं तेलवारी मोड से होते हुए कार्यक्रम स्थल कार्यक्रम जाडेया मोड़ पहुंचेंगे। बताते चले कि शहीद निर्मल महतो जी के आदमकद विधिवत अनावरण के टाइगर जयराम महतो श्रद्धांजलि जन संबोधन प्रस्तुत करेंगे। संगठन रांची जिला अध्यक्ष ने जानकारी देते हुए कहा कि कार्यक्रम की संपूर्ण तैयारी संपन्न कर लिया गया है।

कमलपुर थाना क्षेत्र में सोना दुकानदार से लाखों की छिनतई

पटमदा : कमलपुर थाना क्षेत्र के कटीन चौक में स्थित मानिक स्वर्णकार की श्री श्याम ज्वेलरी शॉप को लुटेरो ने निशाना बनाया।मंगलवार की रात करीब साढ़े आठ बजे अपनी सोना दुकान के बंद करके घर के लिए निकले।इस दौरान प्रतिदिन की भांति करीब पांच से छह लाख का सोना अपने बैग में भरकर घर जाने को तैयार था।इसी दौरान घर का कुछ सामान लेने के लिए पास के श्याम भंडार में राशन लेने के लिए आगे बढ़ा उसी समय पलक झपकते ही बाइक सवार दो युवक जेवरों से भरा बैग लेकर फरार हो गए।उनके बाद सोनार दुकानदार मानिक स्वर्णकार ने हल्ला मचाया। आसपास के लोगों ने बाईक का का पीछा किया। लेकिन सभी बेरंग लौटे। वही पीड़ित मानिक स्वर्णकार ने कमलपुर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। कमलपुर पुलिस भी मामले को लेकर गंभीर बना हुआ हैं। वही रास्ते में आने वाले सभी दुकानों और अन्य संस्थानों के सीसी टीबी का फुटेज की जांच कर सुबूत इक्कठा करने में जुट गई हैं। वही कमलपुर थाना प्रभारी अशोक कुमार ने बताया कि मामले के सभी पहलुओं को देखकर जांच जारी है। अपराधियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा हैं।

नवपदस्थापित डीआरएम का मेंस कांग्रेस ने किया स्वागत

मुरी : दक्षिण दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस, रांची मंडल के एक प्रतिनिधि मंडल अपने सक्रिय सदस्यों एवं पदाधिकारियों के साथ आज दिनांक 6 अगस्त को नवनियुक्त मंडल रेल प्रबंधक रांची रेल मंडल करुणा निधि सिंह जी के पदभार ग्रहण करने पर गर्मजोशी के साथ झारखंड के राजधानी भगवान बिरसा मुंडा की धरती पर स्वागत किया गया। पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र से सम्मानपूर्वक अभिनंदन करते हुए संगठन के और से कर्मचारियों के हितों की रक्षा करने एवं उचित सुविधा प्रदान करने की बाते रखी गई। इस मौके पर दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस, के और से प्रतिनिधि नित्यलाल कुमार, मनोज कुमार राय, नील कुसुम खलखो, पी.ए.कुजूर, बरिया कच्छप, प्रियदर्शी तिवारी, सच्चिदानंद शर्मा, बैद्यनाथ मंडल, दिनेश कुमार, धनंजय कुमार, रुस्तम कुमार, धर्मेंद्र कुमार, मुनील कुमार, विजय कुमार, रूपक कुमार के साथ अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

झारखंड के कण-कण में बसे हैं गुरुजी उनका संघर्ष प्रेरणा स्रोत : विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : झारखंड आंदोलन के प्रणेता, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिशुम गुरु शिबू सोरेन की आत्मा की शांति के लिए बुधवार को तोरपा प्रखंड परिसर में श्रद्धांजलि सह सर्व धर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। ईसाई, सरना, मुस्लिम और हिंदू रीति रिवाज से गुरुजी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। ब्लॉक मैदान में विधायक सुदीप गुड़िया की ओर से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा में गुरुजी को श्रद्धांजलि देने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। झामुमो, कांग्रेस, भाजपा सहित

विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता, विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक और विद्यार्थी, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने गुरूजी को श्रद्धांजलि अर्पित की और दो मिनट का मौन रखकर आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। मौके पर विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि गुरुजी हमारे मार्गदर्शक थे, वे पूरे झारखंड के अभिभावक थे। उनके बताये मार्ग पर आगे चलकर झारखंड को आगे ले जाना है। विधायक ने कहा कि गुरुजी झारखंड के कण-कण में बसे हैं। उन्होंने कहा कि गुरुजी कहा करते थे लोगों की आवाज बनो। आज उनकी बताई एक एक बात याद आती है। उनका संघर्ष प्रेरणा स्रोत है। झामुमो जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद ने कहा कि गुरुजी झारखंड के निमार्ता थे। उनके संघर्ष और अलग राज्य के लिए उनकी लंबी लड़ाई की बदौलत झारखंड अलग राज्य बना। श्रद्धांजलि सभा में सर्वधर्म संभाव की मिसाल देखने को मिली। विभिन्न धर्म के पुजारी, धर्म गुरुओं ने एक मंच पर आकर गुरुजी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। पुजारी अनिल मिश्रा, पादरी अमृत भेंगरा, पाहन डुंडा तोपनो, फादर हीरालाल हुनी पूर्ति, मौलाना मो. आबिद हुसैन और मो.बजुल्फीकर अली ने प्रार्थना अपने अपने धर्म की रीति के अनुसार प्रार्थना की। मौके पर एएसपी क्रिस्तोफर केरकेट्टा, बीडीओ नवीन चंद्र झा, पुलिस इंस्पेक्टर फ्रांसिस जेवियर बाड़ा, सीओ पूजा बिन्हा, तोरपा थाना प्रभारी मुकेश हेमरोम, तपकारा थाना प्रभारी नितेश कुमार गुप्ता, जिप सदस्य सुशांति कोनगाडी, वीरेन कंडुलना, फादर तेजकुमार लिंडा, सिस्टर अलमा बिलूंग, सुशील पाहन, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष रुबेन तोपनो, अमृत हेमरोम, प्रदीप केशरी सहित अन्य उपस्थित थे।

अंजुमन इस्लाहे मुआसरा कमेटी का पुनर्गठन, परवेज खान बने सदर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : अनगड़ा प्रखंड में अंजुमन एस्लाहे मुआसरा कमिटी का का बैठक चिल दाग जामें मस्जिद में जनाब हासिम अंसारी की अध्यक्षता में बैठक अध्यक्षता में बैठक रखा गया। बैठक में प्रखंड के सभी अंजुमन कमिटी के लोग बैठक में सामिल हुए और सभी के सर्व सहमति से कमिटी का पुनर्गठन किया गया। सदर जनाब परवेज खान (महेशपुर) सचिव जनाब साकीर अंसारी हेसल मासु नईप सेक्रेट्री एजाज अंसारी खजांची जमील अख्तर चिलदग को चुना गया। नाईप सदर युनूस अंसारी, मासु अब्बास अंसारी, हेसल सिकेंदर अंसारी, सालहन इमरान अंसारी, चिलदाग रजाक अंसारी, तुरुप आलम अंसारी, नयाटोली सिरका सफीक अंसारी, कुचू सरफराज अंसारी, फारुक खान, बक्सी डी मुख्य संरक्षक (जनाब मुस्तफा अंसारी) संरक्षक मौलाना असजद, मदनी अनवर खान, सरूफ खान, जाकिर खान, मुमताज खान, सलीम अंसारी, शमसाद अनारी सिद्दीक मीडिया प्रभारी मिन्हाज आलम को बनाया गया।

मुरी डीएवी स्कूल में नए कक्षाओं, प्रयोगशालाओं और पुस्तकालय निर्माण का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : मुरी डीएवी महात्मा आनंद स्वामी पब्लिक स्कूल, सिल्ली में भवन निर्माण कार्य के दूसरे चरण की शुरूआत विधिवत पूजा-अर्चना के साथ की गई। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या बी. शरण, समन्वयक शशांक शेखर, विद्यालय के सहयोगी बलवंत झा, इंजीनियर, भवन निमार्ता, उनके सहयोगी गण तथा स्कूल के संस्कृत शिक्षक दिलीप कुमार पांडेय ने मंत्रोच्चारण के साथ नारियल फोड़कर पूजा-अर्चना की। पूजा-अर्चना के पश्चात निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया, जो विद्यालय के अधोसंरचना (इंफ्रास्ट्रक्चर) के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस भवन निर्माण के अंतर्गत नए कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, आधुनिक शौचालय सुविधाएं, और बच्चों के लिए अतिरिक्त गतिविधियों हेतु विशेष कक्षों का निर्माण किया जाएगा। इन सुविधाओं के विकसित होने से छात्रों को बेहतर और आरामदायक शिक्षण वातावरण मिलेगा। साथ ही, खेल-कूद, विज्ञान, कंप्यूटर शिक्षा तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए भी पर्याप्त स्थान उपलब्ध होगा। इससे विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता में वृद्धि होगी और बच्चों को संपूर्ण विकास के अवसर प्राप्त होंगे। विद्यालय प्रबंधन ने विश्वास व्यक्त किया कि यह कदम न केवल वर्तमान विद्यार्थियों बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी शिक्षा का स्तर ऊँचा उठाने में मील का पत्थर साबित होगा।

स्वदेशी जागरण मंच बोकारो ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : स्वदेशी जागरण मंच बोकारो के द्वारा दिवंगत शिबू सोरेन जी को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। श्रद्धांजलि सभा का आयोजन प्रभात कालोनी, चास में किया गया क श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए मंच के क्षेत्रीय संयोजक अमरेंद्र सिंह ने कहा कि उन का जीवन संघर्ष पूर्ण रहा महाजनी प्रथा के बलि चढ़े उनके पिता की हत्या के बाद मानो उन्होंने विद्रोह कर दिया और महाजनी प्रथा का विरोध और समाज को जागरूक करने के लिए अपने आप को अर्पित कर दिए पढ़ाई छोड़ समाज सेवा की तरफ मुड़ गऐ। उन्होंने समाज की बुराई दूर करने का संकल्प लिया और महुआ माडी के नशे में डूबा आदिवासी समाज को जागरूक करने एवं समाज को आगे बढ़ाने के लिए पढ़ो और लड़ो का नारा बुलंद किया आंदोलन का गुंज न केवल पटना में बल्कि दिल्ली तक सुनाई पड़ा। एक समय तो ऐसा था कि उन्हें पुलिस के भय से पारसनाथ पहाड़ी के जंगलों में भी शरण लेना

पड़ा। बागी बनकर नेमरा से निकले गुरुजी का मंजिल कहीं और था राजनीतिक क्षेत्र में लाने लाने में मित्रों का बहुत सहयोग रहा। सन् 1972 में उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा का गठन किये फिर पीछे मुड़कर नहीं देखे विधायक मुख्यमंत्री सांसद केंद्रीय मंत्री दायित्व निभाते हुए आज हमसब के बीच नहीं रहे। उद्योगपति एवं समाजसेवी जगन्नाथ शाही जी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा की राजनीति से लेकर समाज के हर वर्ग में शिबू सोरेन जी का पैठ था उनके निधन एक अपूरणीय क्षति है। वे न केवल झारखंड आंदोलन के जनक एंव मार्गदर्शक थे, बल्कि आदिवासी अधिकारों के लिए आजीवन संघर्षरत रहे। उन्हें झारखंडी अस्मिता का प्रतीक, आदिवासी चेतना की आवाज और सामाजिक न्याय का प्रहरी माना जाता है। उनकी संघर्षगाथा आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी, दिशोम गुरु शिबू सोरेन अब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी विचारधारा, आदर्श और बलिदान झारखंड की आत्मा में सदैव जीवित रहेंगे। सभा में प्रांत के मेला प्रमुख दिलीप वर्मा, अजय कुमार चौधरी, जिला संयोजक प्रमोद कुमार सिन्हा, प्रेम कुमार एवं नवीन कुमार सिन्हा कार्यालय प्रमुख ददन प्रसाद, जयशंकर प्रसाद सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित होकर श्रद्धांजलि अर्पित किए।

भारतीय जनता पार्टी के प्रधान कार्यालय में कार्यशाला का हुआ आयोजन

सिल्ली : सिल्ली प्रखंड अंतर्गत बुधवार के दिन भारतीय जनता पार्टी के प्रधान कार्यालय में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि रांची जिला ग्रामीण उपाध्यक्ष मनोज चौधरी जी उपस्थित हुए। कार्यशाला की अध्यक्षता सिल्ली मंडल अध्यक्ष अम्बुज रजक ने किया। आगामी 12 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा यात्रा के विषय में विचार-विमर्श किया गया। इस बैठक में रांची जिला उपाध्यक्ष ने हर घर तिरंगा यात्रा के विषय को लेकर सभी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस बैठक में भारतीय जनता पार्टी के महामंत्री हरिहर महतो, ललित प्रसाद, राजेंद्र प्रसाद साई, कंचन सोनार, शिबू हजाम, राजेंद्र हजाम, बसंत सुंडी हरे राम लोहार, कृष्णा रविदास, राम चरण बेदिया, करण महतो, श्रीपद महली समेत दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

श्रद्धांजलि-सभा के साथ सीबीएसई क्लस्टर-3 टेबल टेनिस प्रतियोगिता का हुआ समापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), बोकारो की मेजबानी में चल रही सीबीएसई क्लस्टर 3 अंतर विद्यालय टेबल टेनिस प्रतियोगिता का समापन दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुआ। शोक व सादगी भरे माहौल में केवल पुरस्कार वितरण की औपचारिकता पूरी की गई। इसके पूर्व, आरंभ में सभी प्रतिभागी टीमों के खिलाड़ियों, उनके शिक्षकों, अभ्यागत विशिष्टजनों एवं डीपीएस बोकारो परिवार के सभी सदस्यों ने

दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत हुतात्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। विद्यालय के प्राचार्य एवं प्रतियोगिता आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. ए. एस. गंगवार ने शिबू सोरेन के निधन को झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया। उनके लोकप्रिय व्यक्तित्व, जनमैत्री व्यवहार, झारखंड-निर्माण तथा राज्य व जनहित में उनके योगदान की चर्चा करते हुए उन्हें नमन किया। इसके बाद उन्होंने प्रतियोगिता की विजेता एवं उपविजेता टीमों को इसी प्रकार आगे भी खेल-भावना एवं जोशो-खरोश से खेलने की प्रेरणा दी। साथ ही, आगामी 03-08 अक्टूबर को गुजरात के सूरत में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं। प्राचार्य डॉ. गंगवार के साथ-साथ समारोह में खास तौर से मौजूद बोकारो जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष राजेश रंजन, सीबीएसई के प्रतिनियुक्त प्रतियोगिता-पर्यवेक्षक असीम प्रियदर्शी एवं चीफ रेफरी संदीप साहा ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को मेडल व ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया। प्राचार्य ने तकनीकी दल के सभी सदस्यों एवं विशिष्ट अभ्यागतों को स्मृतिचिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

संक्षिप्त खबरें

सरिया में आवागमन बाधित, जनप्रतिनिधि ने जेसीबी से हटवाया पेड़

सरिया : रांची दुमका मुख्य मार्ग पर सरिया के पोखरयाडीह गांव में सोनू पांडे के घर के सामने एक विशालकाय पेड़ सड़क पर गिर गया, जिससे करीब दो घंटे तक यातायात पूरी तरह ठप रहा। स्थानीय लोगों ने वन विभाग को सूचना दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होने पर जिला परिषद सदस्य अनूप पांडे ने पहल की। उन्होंने निजी खर्च पर जेसीबी मंगवाकर पेड़ को हटवाया, जिसके बाद मार्ग पर आवागमन पुनः बहाल हो सका। स्थानीय लोगों ने अनूप पांडे के इस प्रयास की सराहना की।

बेहतर जीवन जीने के लिए शिवजी की शिक्षाएं प्रासंगिक हैं : पंडित प्रमोद कुमार

सरिया : श्रावण मास समाप्ति की ओर है। मंदिरों में विशेष पूजा,प्रवचन, भजन-कीर्तन, झूलन का आयोजन हो रहा है। श्रद्धालुओं में अधिक उत्साह है। गांव से शहर तक प्रतिदिन देवाधिदेव महादेव के मंदिरों में श्रद्धालु अपनी हाजिरी लगाकर भगवान से आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। इसी दौरान मंगलवार की शाम पुत्रदा एकादशी के मौके पर सनातन मंदिर सरिया में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी पड़ी। श्रद्धालु दिनभर उपवास में रहकर राधा कृष्ण की मूर्ति के पास शरणागत हुए, विधिवत पूजा की। उक्त स्थल पर बीते 11 दिनों से चल रहे प्रवचन का लाभ लेने कथा पंडाल में पहुंचे। मंदिर के पुरोहित पंडित प्रमोद कुमार पांडेय ने अपने प्रवचन में कहा कि एकादशी व्रत भगवान श्री विष्णु को समर्पित है। वर्ष में 24 एकादशी होते हैं। जिसमें श्रावण शुक्ल पक्ष की एकादशी को पुत्रदा एकादशी के नाम से जाना जाता है। इस व्रत को संतान की लंबी आयु,सुख, समृद्धि तथा अक्षय फल प्राप्ति के लिए किया जाता है। संतान प्राप्ति के इच्छुक लोग खासकर इस व्रत को करते हैं। इसमें भगवान श्री विष्णु तथा लक्ष्मी की पूजा कर अन्न,वस्त्र तथा सोने-चांदी दान करने के नियम बताए गए हैं। उन्होंने भगवान शिव के बारे में बताया कि भगवान शिव त्रिदेवों में से एक हैं।

कार्यालय, विद्युत कार्यपालक अभियंता
विद्युत कार्यप्रमंडल, इन्जीनियर्स हॉस्टल धुर्वा, रॉची।
शुद्धि पत्र

एतत् द्वारा इस कार्यालय के पत्रांक– 2555 दिनांक– 25.07.2025 से प्रेषित तथा पी0 आर0–358238 Energy(25-26) D द्वारा समाचार पत्रों में प्रकाशित अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– 38/2025–26 में अंकित तिथियों को अपरिहार्य कारणवश संशोधित करते हुए परिमाण विपत्र बिक्री की अंतिम तिथि –07.08.2025 (2.00 बजे अपराह्न तक) एवं निविदा प्राप्ति की तिथि– 08.08.2025 को 2.00 बजे अपराह्न तक एवं निविदा खोलने की तिथिः–08.08. 2025 को 3.00 बजे अपराह्न निर्धारित की जाती है।

शेष अंश यथावत रहेगा।

विद्युत कार्यपालक अभियन्ता
विद्युत कार्य प्रमण्डल, रॉची।

PR 358948 Energy(25-26)D

कार्यालय प्रखण्ड विकास पदाधिकारी–बसिया, गुमला।

आम सूचना

गुमला जिले के बसिया प्रखंड अंतर्गत कोनबीर पंचायत के जनमानस को सूचित किया जाता है कि प्रखंड कार्यालय के तरफ से सुनहरी शुभोदय कार्यक्रम के तहत 18 से 70 वर्ष के सभी लोंगो का PM - SBY और PM - JJBY से जोड़ा गया है। कोनबीर पंचायत के सभी आंगनबाड़ी सेविका और JSLPS के द्वारा सभी लोगों को जोड़े जाने का पुष्टि की गई है।

पुनः इस संबंध में कोनबीर पंचायत में रहने वाले सभी लोगों को सूचित किया जाता है कि अभी भी कोई ग्रामीण का बीमा नहीं हुआ है तो इस सूचना के प्रकाशन के सात दिनों के अंदर अपने पंचायत भवन में जा कर इस योजना से जुड़ जाएं।

कृप्या से आवश्यक समझें ताकि कोनबीर पंचायत को शत प्रतिशत बीमित पंचायत घोषित किया जा सके।

नोट– अधिक जानकारी के लिए प्रखण्ड के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी से सम्पर्क करें।
प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, बसिया(मो0 नं0 8860726454)

प्रखण्ड विकास पदाधिकारी
बसिया।

PR 358910 (Rural Development) 25-26 (D)

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
लघु सिंचाई प्रमंडल, गुमला

अति अल्पकालीन ई० निविदा आमंत्रण सूचना

ई० निविदा संख्या MID/GUMLA/ F_2-10 /2025-26(2nd Call) दिनांक –06.08.2025

1. ई– निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का नाम एवं पता– कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, गुमला।
2. ई निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का मोबाईल नं0 :– 0651–2214784 मो0 8986890345
3. वेबसाईट में ई–निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय :– 11.08.2025 (अपराह्न 02:00 बजे से)
4. वेबसाईट में ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 18.08.2025 (अपराह्न 05:00 बजे तक)
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 20.08.2025 (अपराह्न 02:00 बजे)

क0	योजना का नाम	प्रखण्ड	मद	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	अग्रधन की राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य समाप्ति की अवधी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Construction of Drain With Steel Post With Chain Link At (War Memorial) in Birsa Munda Agro Park, At-Gumla	गुमला	पर्यटन	999800.00	20000.00	1250.00	03 माह

नोटः– (1) केवल ई० निविदा ही स्वीकार की जायेगी।
(2) निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा ही स्वीकार्य होगी।
(3) निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो सारी जबावदेही संबंधित निविदादाता की होगी।
(4) प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है। अग्रधन की राशि परिमाण विपत्र की राशि के अनुसार होगी।
(5) राज्य सरकार के द्वारा निर्गत सभी अद्यतन आदेश/परिपत्र लागु होगें।
(6) विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट– http://jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियन्ता,
लघु सिंचाई प्रमंडल,गुमला।

PR.NO.359025 Minor Irrigation(25-26):D

कार्यालय : असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, रामगढ़।
मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना
जिला – रामगढ़

अहर्ताएँ

1. आवासीय प्रमाण पत्र की छाया प्रति अभिप्रमाणित।
2. वार्षिक आय लगातार तीन वर्षों तक 08 (आठ लाख) से कम हो का प्रमाण पत्र संबंधित सी0ओ0/एस0डी0ओ0 द्वारा विहित प्रपत्र में निर्गत प्रति।
3. योजना में सूचीबद्ध बीमारी के ईलाज हेतु आयुष्मान योजना अंतर्गत निर्धारित पैकेज के आधार पर चिकित्सा प्राक्कलन एवं सी0जी0एच0 एस0 दर का प्राक्कलन।
4. ईलाज कराये जाने वाले अस्पताल सरकार के द्वारा अनुमोदित चिकित्सा संस्थान/रोग की सूची में हो, अस्पताल के द्वारा प्राक्कलन की मूल प्रति जो सी0जी0एच0एस0 दर की सूची के साथ संलग्न।
5. वोटर आई कार्ड/आधार कार्ड/ आयुष्मान कार्ड की छाया प्रति अभिप्रमाणित।
6. पासपोर्ट साईज की तीन फोटो(मरीज का) सक्षम पदाधिकारी के द्वारा अभिप्रमाणित हो।
7. शपथ पत्र की मेरे द्वारा आयुष्मान भारत के तहत ईलाज नहीं कराया गया/मोबाईल नम्बर।
8. ईलाज कराये जाने वाले अस्पताल का बैंक खाता विवरणी।
9. डॉक्टर/चिकित्सा संस्थान का OPD पूर्जा का मूल प्रति एवं मरीज का जाँच संबंधित अन्य कागजात एक आवेदन पत्र के साथ संलग्न करना है।
10. मरीज/अभिभावक को चिकित्सा बोर्ड के समक्ष उपस्थित होना अनिवार्य है। चिकित्सा बोर्ड की बैठक प्रत्येक सोमवार को अद्योहस्ताक्षरी कार्यालय की जाती है। सोमवार को अवकाश रहने पर अगले कार्य दिवस को बैठक की जाती है।
11. आपके अभ्यावेदन के साथ उपरोक्त सभी कागजात संलग्न कर अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपलब्ध कराना सुनिष्चित करेंगे ताकि आपके अभ्यावेदन पर नियमानुसार अग्रेतर कारवाई की जा सके।

अनुमोदित रोगो की सूची

1. सभी प्रकार के कैंसर रोग
2. किडनी प्रत्यारोपण
3. गंभीर लीवर रोग
4. एसिड अटैक
5. Wiskott Aldrich Syndrome
6. Thalassemia, Blood dyscrasia
7. Bone Marrow Transplant
8. Plastic Surgery in case of post trauma deformity & Burn cases
9. Retinal Detachment
10. Serious Head Injury with Craniotomy + Critical care
11. Coronary Artery Bypass Grafting/Intra aortic Balloon Pump (CABG+IABP)
12. Continuous renal replacement therapy in acute failure in ICU patient
13. Proliferative diabetic retinopathy
14. Operation of trachea oesophageal fistula
15. Meningoencephalcoel surgery
16. Penetrating keratoplasty
17. Brain hemorrhage
18. Congenital deformities including facial clefts, microstia hem facial, micro somia, teacher Collins syndrome, cronion synostosis, ectopia vasia
19. Cochlear implant
20. Duchenne Muscular dystrophy
21. Juvenile Nasapharyngeal Angiofibroma
22. उपर्युक्त के अतिरिक्त समय–समय पर विभाग के द्वारा निर्धारित अन्य रोगों का ईलाज भी इस योजना अन्तर्गत नियमानुसार अनुमान्य होगा।

असैनिक शल्य चिकित्सक
सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी,रामगढ़।

PR 359003 Health Med Edu and Family Welfare(25-26)D

धराली आपदा के सबक

उत्तराखंड की ताजा आपदा की गंभीरता को समझना हो तो 12 साल पहले की केदारनाथ त्रासदी को याद करना होगा। उत्तरकाशी जिले में कम से कम तीन जगहों पर बहुत कम अवधि में बादल फटे हैं और उनका परिणाम धराली गांव के एक बड़े हिस्से के गायब होने के रूप में सामने आया है। कितने लोगों ने अपनी जान गंवाई है, इसका अभी अनुमान लगाना संभव नहीं लेकिन, यह संख्या बड़ी होगी, यह तय है। उत्तराखंड में (पड़ोसी हिमाचल प्रदेश में भी) बादल फटना, भूस्खलन, पहाड़ दरकना-धंसना, नदियों का विकराल रूप धर लेना और अचानक ग्लेशियर फटना बेहद आम घटनाएं हो गई हैं। जो एक डरावना संकेत है। ऐसी हर एक घटना के बाद आमतौर पर प्रकृति को दोष दिया जाता है और भगवान से बचाने की गुहार लगाई जाती है, लेकिन इन दोनों से बात नहीं बनती। उत्तराखंड गठन के 25 साल में पहाड़ों में जितने व्यापक पैमाने पर निर्माण कार्य हुए हैं, हो रहे हैं और लोगों की आवाजाही बढ़ी है, वह चौंकाने वाली है। ये त्रासदियां संकेत दे रही हैं कि विकास के नाम पर प्रकृति के साथ जो खिलवाड़ हुआ है, उसकी कीमत अब लगातार चुकानी होगी। पहाड़ के आम जीवन में यह मान्यता है कि नदी अपने खोए हुए (बल्कि बिल्डरों द्वारा कब्जाए गए) रास्ते पर वापस जरूर आती है, भले ही 100 साल के अंतराल पर आए। धराली में नदी के प्रचंड वेग और उसके साथ बड़ी-बड़ी इमारतों, होटलों, घरों के बहने का दृश्य भयावह था लेकिन इसके लिए नदी बिल्कुल दोषी नहीं है। पहाड़ में प्राकृतिक आपदाएं नई नहीं हैं, ना ही इन्हें पूरी तरह रोका जा सकता है, लेकिन उनकी आवृत्ति और तीव्रता में बढ़ोतरी स्वाभाविक नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से मानवीय हस्तक्षेप का परिणाम है। अगर मोटे तौर पर देखें तो वैश्विक तापमान वृद्धि के कारण भी हिमालयी क्षेत्र के मौसम में असामान्य परिवर्तन दिख रहे हैं। वर्षा का पैटर्न असंतुलित हो गया है। कभी महीनों तक सबकुछ सामान्य रहता है और फिर कुछ ही घंटों में मौसम तांडव करने लगता है। बादल फटना, जो पहले कभी कभार की घटना थी, अब हर बारिश में बार-बार सामने आ रही है। प्रदेश में विगत दशकों में अनियंत्रित और अनियोजित विकास ने भी परेशानी बढ़ाई है। केदारनाथ आपदा, नाचनी गांव आपदा, रैनी गांव आपदा, जोशीमठ का नीचे धंसना और धराली की आपदा एक भयावह संकेत कर रही है कि कुछ दशकों बाद उत्तराखंड में कई रूपकुंड (जहां आज भी नरकंकाल बिखरे हुए हैं) होंगे। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के नाम पर जो ऑल वेदर रोड बनाई जा रही है, वह यहां के पहाड़ों के मिजाज के अनुरूप नहीं है। कच्चे पर्वतीय ढलानों को काटकर बनाई गई चौड़ी सड़कों ने पहाड़ों की आंतरिक संरचना को कमजोर किया है। इससे भूस्खलन की घटनाएं बढ़ी हैं। सरकार यहां आने वाले लोगों के लिए सुविधाएं विकसित करने पर जोर दे रही है, लेकिन यह समझने की जरूरत महसूस नहीं की जा रही है कि उत्तराखंड और यहां का पहाड़ी इलाका बाहरी लोगों की अनियंत्रित आवाजाही के लायक नहीं है। लोग इतने बेपरवाह हैं कि वे इन दिनों भी बड़ी संख्या में चारधाम यात्रा पर आ रहे हैं। पिछले सप्ताह ही सरकार ने करीब 5 हजार लोगों को केदारनाथ के रास्ते बमुश्किल सुरक्षित निकाला है। पर्यटकों की हर साल बढ़ती संख्या यहां के बुनियादी ढांचे पर दबाव पैदा कर रही है। नदी किनारे बसाहट और अवैज्ञानिक निर्माण ने भागीरथी, मंदाकिनी, अलकनंदा जैसी बड़ी नदियों से लेकर छोटी बरसाती नदियों तक के किनारों को होटलों, होमस्टे और बाजारों से ढक दिया है। यह निर्माण आर्थिक दृष्टि से भले लाभदायक लगे, लेकिन ये आपदा प्रबंधन के मानदंडों पर खरे नहीं उतरते। बाढ़, भूस्खलन या मलबे की घटना इन्हें पूरी तरह नष्ट कर देती है, जैसा धराली में देखने को मिला। इस परिप्रेक्ष्य में बड़ा सवाल यह कि क्या सरकार, प्रशासन और लोगों ने इन संकेतों से कुछ सीखा है? हर त्रासदी के बाद राहत और पुनर्निर्माण की प्रक्रिया तो आरंभ होती है, लेकिन दीर्घकालिक समाधान और नीतिगत परिवर्तन नदारद रहते हैं। कई बार तो ऐसा लगता है कि आपदाएं कुछ ठेकेदारों और परियोजना संचालकों के लिए लाभ का माध्यम बन जाती हैं। इन सभी घटनाओं ने यह भी स्पष्ट किया है कि उत्तराखंड की आपदा प्रबंधन प्रणाली में खामियां हैं।

रक्षाबंधन : नारी रक्षा का संकल्प, एक सामाजिक चेतना

ललित गर्ग

भारत की सांस्कृतिक परंपराओं और त्योहारों की भूमि पर रक्षाबंधन एक ऐसा पर्व है जो केवल भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज में आत्मीयता, कर्तव्यबोध, और नैतिक मूल्यों के पुनर्संवेदन का पर्व है। यह पर्व नारी अस्मिता, समानता, सुरक्षा और प्रेम की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है। राखी का धागा जितना कोमल दिखता है, उतनी ही उसमें गहराई और दृढ़ता होती है, यह एक ऐसा लौकिक बंधन है, जो प्रेम, आदर्शों और जिम्मेदारियों से बंधा होता है। रक्षाबंधन कोई साधारण पर्व नहीं, यह आदर्शों का हिमालय है, संकल्पों का सोपान है। यह पर्व सिर्फ भाई-बहन के प्रेम की रस्म नहीं, बल्कि पुरुष समाज द्वारा नारी को आश्वस्त करने, उसका मान-सम्मान बनाए रखने की शपथ का दिन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि नारी केवल स्नेह की पात्र नहीं, वह शक्ति, श्रद्धा और समाज की दिशा तय करने वाली एक सशक्त प्रेरणा भी है।

आज जब महिलाएं समाज के हर क्षेत्र में बुलंदियों को छू रही हैं, सेना से लेकर विज्ञान, शिक्षा से लेकर खेल तक तब रक्षाबंधन उन्हें केवल भावनात्मक सुरक्षा नहीं, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक सम्मान दिलाने का भी माध्यम बनता है। रक्षाबंधन की महत्ता को समझने के लिए उसके ऐतिहासिक संदर्भों को जानना आवश्यक है। भविष्य पुराण में उल्लिखित कथा के अनुसार जब देव-दानव युद्ध में दानव भारी पड़ने लगे, तब इंद्राणी ने अपने पति इन्द्र की रक्षा हेतु रेशम का धागा मंत्रों के साथ उनके हाथ पर बांधा, जिससे इंद्र विजयी हुए।

मुगल काल में रानी कर्मवती ने जब चितौड़ पर संकट देखा, तो बादशाह हुमायूं को राखी भेजकर रक्षा की याचना की। हुमायूं ने धर्म, संप्रदाय और सत्ता से ऊपर उठकर उस धागे की लाज रखी और चितौड़ की रक्षा में अपनी ताकत झोंक दी। महाभारत में जब भगवान श्रीकृष्ण की उंगली से रक्त बहा, द्रौपदी ने अपनी साड़ी का पल्लू फाड़कर पट्टी बांध दी। श्रीकृष्ण ने उस प्रेम को जीवन भर निभाया और चीरहरण के समय द्रोपदी की रक्षा की। यह केवल ऋण चुकता नहीं था, यह आदर्शों की प्रतिज्ञा थी। इसी तरह सिकंदर और पुरू की कथा इस बात को दर्शाती है कि राखी का एक धागा युद्ध भूमि में भी जीवनदान का कारण बन सकता है। ये प्रसंग हमें बताते हैं कि राखी केवल प्रेम का प्रतीक नहीं, बल्कि रक्षा, आदर्श और सम्मान की जीवंत प्रतिमा है।

रक्षाबंधन आज सिर्फ पारंपरिक पर्व नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक आंदोलन जैसा है। लेकिन दुख इस बात का है कि इस पर्व की आत्मा धीरे-धीरे खोती जा रही है। आज बहनों के लिए यह पर्व सजने-संवरने और उपहार पाने का माध्यम बनता जा रहा है, जबकि भाइयों के लिए यह केवल एक औपचारिकता बनकर रह गया है। राखी के धागों की वह पवित्रता, भावनाओं की वह गहराई, अब कम होती जा रही है। यह पर्व अब बाजारवाद और दिखावे के जाल में उलझता नजर आ रहा है। इस बदलती सोच को थामना और मूल भावनाओं को पुनः प्रतिष्ठित करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस पर्व का मूल उद्देश्य नारी के प्रति श्रद्धा, सुरक्षा और कर्तव्य का निर्वहन है, न कि केवल उपहार और दिखावे का आदान-प्रदान। भाइयों को चाहिए कि वे बहन की रक्षा की शपथ केवल शब्दों में नहीं, जीवन के प्रत्येक व्यवहार में निभाएं। बहनें भी राखी को केवल संबंध या औपचारिकता न समझें, बल्कि इस पर्व को नारी स्वाभिमान और सामाजिक बदलाव के एक माध्यम के रूप में लें।

आज जब समाज में महिलाओं के साथ अपराध बढ़ रहे हैं, जब बच्चियों से लेकर वृद्धाओं तक को भय और असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है, तब रक्षाबंधन एक ऐसा अवसर है जब हम केवल बहन नहीं, संपूर्ण नारी समाज की रक्षा का संकल्प लें। एक ऐसा संकल्प जो केवल राखी तक सीमित न हो, बल्कि जीवन भर के आचरण में झलके। यह पर्व हमें यह संदेश देता है कि नारी केवल स्नेह की नहीं, सम्मान की अधिकारिणी है। रक्षाबंधन भारत के विभिन्न अंचलों में अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। उत्तर भारत में यह भाई-बहन के रिश्ते का पर्व है, वहीं महाराष्ट्र में नारली पूर्णिमा के रूप में समुद्र देवता को नारियल अर्पण कर मछुआरे समुद्र से अपने रिश्ते की रक्षा की प्रार्थना करते हैं। दक्षिण भारत में ह्यअवनी अविट्टमह्ल के रूप में यह ब्राह्मणों का यज्ञोपवीत संकल्प का पर्व है। वहीं स्कन्द पुराण और श्रीमद्भागवत में उल्लिखित वामन अवतार की कथा में रक्षाबंधन को ह्यबलेवह्ल के रूप में जाना जाता है, जब भगवान विष्णु ने तीन पग भूमि मांगकर राजा बलि का अभिमान तोड़ा था। इन सब कथाओं में एक ही संदेश है - अहंकार के स्थान पर समर्पण, दंभ के स्थान पर रक्षा, और स्वार्थ के स्थान पर सेवा।

आज रक्षाबंधन जैसे भावनात्मक और सांस्कृतिक पर्व भी कृत्रिम बुद्धिमता एवं संचार-क्रांति की आंधी में अपनी मूल आत्मा और संवेदना खोते जा रहे हैं। उपहारों की होड़, ब्रांडेड राखियों का प्रदर्शन, सोशल मीडिया पर दिखावे की होड़ ने इस पर्व को एक उपभोक्तावादी उत्सव में बदल दिया है। जहाँ पहले राखी एक भावनात्मक संबंध का प्रतीक थी, वहीं आज यह अधिकतर लेन-देन और औपचारिकता का माध्यम बनती जा रही है। इस प्रवृत्ति से पर्व की आत्मा, जिसमें बहन के प्रेम और भाई की जिम्मेदारी का गहन बोध निहित था, वह पीछे छूटता जा रहा है। इसलिए आवश्यक है कि हम रक्षाबंधन की प्रासंगिकता को केवल उपहारों और खर्च की दृष्टि से नहीं, बल्कि नारी सम्मान, आत्मीय रिश्तों और सामाजिक जिम्मेदारियों के दृष्टिकोण से समझें और मनाएं। राखी का पर्व हमें मानवीय रिश्तों की फिर से व्याख्या करने का अवसर देता है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि हर स्त्री हमारी बहन है, समाज की, संस्कृति की, मानवता की। उसकी रक्षा केवल सामाजिक कर्तव्य नहीं, बल्कि मानवीय धर्म है। जब हर पुरुष स्त्री के प्रति अपने कर्तव्य को राखी की तरह पवित्र समझेगा, जब हर बहन अपने भाई में केवल उपहार देने वाला नहीं, बल्कि एक मूल्य-धारी रक्षक देखेगी, तब रक्षाबंधन केवल एक पर्व नहीं, एक क्रांति का आरंभ बनेगा। रक्षाबंधन कोई मंच या मंचन नहीं है। यह प्रदर्शन का नहीं, आत्मचिंतन का पर्व है। हमें इस पर्व को बाजारवाद और औपचारिकता से निकालकर पुनः उसकी असली पहचान देना होगा। यह प्रेम और कर्तव्य के बीच की एक खूबसूरत कड़ी है। इस बार राखी के धागों को केवल कलाई तक न सीमित रखें, इन्हें हृदय से बाँधें, ताकि यह पर्व भाई-बहन के रिश्तों से आगे बढ़कर पूरे समाज में एक सशक्त और सुरक्षित वातावरण का निर्माण कर सके। तभी राखी के ये धागे सच्चे अर्थों में आदर्श बनेंगे और संकल्पों का सोपान।

भारतीय हथकरघा : स्थायित्व के लिए परंपरा और नवाचार दोनों की आवश्यकता

गिरिराज सिंह

हथकरघा क्षेत्र भारत में सबसे बड़ा कुटीर उद्योग है, जो देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और 3.5 मिलियन से अधिक लोगों को आजीविका प्रदान करता है। स्थानीय बुनकरों द्वारा नैतिक रूप से निर्मित हथकरघा और दस्तकारी वस्त्र, बड़े पैमाने पर उत्पादित फास्ट फैशन का एक सार्थक विकल्प प्रस्तुत करते हैं। ऐसा करके, वे भारत की समृद्ध विरासत को आधुनिक विश्व के लिए एक व्यापक स्थिरता की कहानी में शामिल करते हैं।

टिकाऊ वस्त्र इको-सिस्टम के निर्माण के लिए ग्रामीण हथकरघा और हस्तशिल्प क्लस्टरों को सहायता देना महत्वपूर्ण है। ये क्लस्टर भारतीय शिल्पकला की उन जीवंत परम्पराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्हें परिवारों और समुदायों द्वारा पीढ़ियों से कायम रखा गया है। निजी क्षेत्र और सामाजिक उद्यमों ने इस क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में सराहनीय भूमिका निभाई है। उनका कार्य पर्यावरण अनुकूल सामग्रियों के साथ नवाचार, स्थानीय स्रोत, रि-साइक्लिंग और अप-साइक्लिंग तथा पारंपरिक प्रथाओं के साथ प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने तक फैला हुआ है। ये प्रयास सहयोग के माध्यम से कारीगर समुदायों को सशक्त बनाने, शिल्पकारों और डिजाइनरों के बीच साझेदारी बनाने, उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाने और कारीगरों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं। जापान के ओसाका में आयोजित विश्व एक्सपो 2025 और अमेरिका के सांता फे में आयोजित अंतरराष्ट्रीय लोक कला बाजार जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर भारतीय शिल्पकारों की हालिया भागीदारी उनकी अनुकूलनशीलता और वैश्विक अपील को दर्शाती है।

भारत सरकार अनेक योजनाओं और पहलों के माध्यम से वस्त्र पारिस्थितिकी तंत्र (टेक्सटाइल इको-सिस्टम) का समर्थन करती है। इनमें कच्चे माल की खरीद, करघों और सहायक उपकरणों आदि की खरीद के लिए वित्तीय सहायता, महिला सशक्तिकरण के लिए प्रोत्साहन, कौशल विकास कार्यक्रम तथा पारंपरिक हथकरघों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु मार्केटिंग प्रयास शामिल हैं। पर्यावरण-अनुकूल और सर्कुलर प्रोडक्ट्स को बढ़ावा देने, जैविक कच्चे माल तक पहुँच में सुधार लाने और नैतिक प्रथाओं के माध्यम से प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी पहलों ने हथकरघा बुनकरों के लिए अवसरों का काफी विस्तार किया है। 'कौशल भारत' और 'डिजिटल भारत' जैसे अन्य कार्यक्रम कारीगरों को अपने कौशल को अपग्रेड करने और अपने कार्यस्थलों से सीधे बड़े बाजारों तक पहुंचने में सक्षम बना रहे हैं। इस क्षेत्र के विकास को बनाए रखने के लिए हथकरघा परंपराओं का दस्तावेजीकरण और संरक्षण भी समान रूप से आवश्यक है। वस्त्र मंत्रालय के नेतृत्व में डिजिटल संग्रह, भारतीय वस्त्र एवं शिल्प कोष, पारंपरिक और समकालीन ज्ञान दोनों को संग्रहित करके इस उद्देश्य की पूर्ति करता है। यह मंच अनुसंधान डेटा, डिजाइनर और कारीगर प्रोफाइल, एक वर्चुअल संग्रहालय और डिजिटल प्रदर्शनियां उपलब्ध कराता है, जिससे यह विद्वानों, शिक्षार्थियों और शिल्प उत्साही लोगों के लिए एक मूल्यवान संसाधन बन जाता है।

हथकरघा क्षेत्र को अधिक लक्ष्य-उन्मुख और लाभदायक बनाने के लिए व्यवसाय-केंद्रित रणनीति आवश्यक है। को-ऑप्टेक्स, बोयानिका अथवा टाटा ट्रस्ट द्वारा अन्तरान जैसे हथकरघा मार्केटिंग संगठनों की केस स्टडी से पता चलता है कि व्यवस्थित योजना, चाहे वह समितियों, सहकारी समितियों के प्रोत्साहन के माध्यम से हो अथवा गैर-लाभकारी संस्थाओं के साथ सहयोग के माध्यम से हो, हथकरघा बुनकरों की आय और आजीविका में महत्वपूर्ण सुधार ला सकती है।

इसे हासिल करने के कई तरीके हैं। पारंपरिक और आधुनिक, दोनों बाजारों के लिए नए डिजाइन विकसित करने के साथ-साथ पारंपरिक डिजाइनों को पुनर्जीवित करना, खासकर थीम-आधारित प्रदर्शनियों के जरिए, ग्राहकों को शिक्षित करने और माँग बढ़ाने में मदद कर सकता है। अंगवस्त्रम, वेष्टी और मुंडू जैसे उत्पादों को भी प्रासंगिक बने रहने के लिए विचारशील डिजाइन नवाचार की आवश्यकता होती है। वर्तमान आंकड़ों से पता चलता है कि केवल 22% हथकरघा बुनकर साड़ियां बनाते हैं और 19% अंगवस्त्रम और इसी तरह के उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे 59% ऐसे बुनकर बचते हैं जिन्हें घरेलू साज-सज्जा और वस्त्र सामग्री की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित और सक्रिय किया जा सकता है। आधुनिक रुचियों के अनुरूप ढलते हुए, भारतीय हथकरघा को परिभाषित करने वाले अद्वितीय क्षेत्रीय कौशल और तकनीकों को संरक्षित करना महत्वपूर्ण है। जैविक फाइबर, प्राकृतिक रंगों और टिकाऊ सामग्रियों के उपयोग से हथकरघा उत्पादों का मूल्य और आकर्षण और अधिक बढ़ सकता है।

वस्त्र मंत्रालय संत कबीर और राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार जैसे पुरस्कारों के माध्यम से बुनकरों के योगदान को सक्रिय रूप से मान्यता प्रदान कर रहा है और उन्हें पुरस्कृत कर रहा है। हाल के वर्षों में, नई श्रेणियां शुरू की गई हैं, जैसे कि महिला बुनकरों, जनजातीय कारीगरों, दिव्यांग बुनकरों, नवोन्मेषी उत्पादक समूहों और हथकरघा के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने वाले डिजाइनरों के लिए पुरस्कार। उल्लेखनीय है कि युवाओं को युवा बुनकर पुरस्कार भी दिया जाता है, जो 30 वर्ष से कम आयु के ऐसे कारीगरों को दिया जाता है, जिन्होंने पारंपरिक तकनीकों में निपुणता प्राप्त कर ली है तथा नवाचार अथवा उद्यमिता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हैं। ये पुरस्कार न केवल प्रतिष्ठित हैं बल्कि पारदर्शी और लोकतांत्रिक भी हैं, तथा इनके साथ नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र भी दिए जाते हैं। संत कबीर, राष्ट्रीय एवं राज्य पुरस्कार विजेताओं को आजीवन 8,000 रुपये मासिक पेंशन दी जाती है। इसका उद्देश्य हथकरघा के क्षेत्र में नवाचार, विशेष रूप से ऐसी तकनीकों और सौंदर्यबोध को बढ़ावा देना है, जिनकी मशीनों अथवा पावरलूमों द्वारा नकल नहीं की जा सकती है।

भारतीय हथकरघा उद्योग का स्थायित्व बनाए रखने के लिए परंपरा और नवाचार दोनों को अपनाने की आवश्यकता है। भारत कपास, रेशम, ऊन, जूट और नारियल के रेशों जैसे प्राकृतिक फाइबर से समृद्ध है, और यहाँ बाँस, केले के फाइबर, हेम्प और मिल्कवीड जैसी नई सामग्रियों की खोज तेजी से हो रही है। कृषि अपशिष्ट की एक बड़ी मात्रा भी अभी तक पूरी तरह से उपयोग में नहीं आ पाई है। इस प्रचुरता के बावजूद, वास्तव में टिकाऊ उत्पादन के लिए बड़े पैमाने पर यार्न और वस्त्र प्रसंस्करण को मजबूत करने की अभी भी आवश्यकता है। वस्त्र क्षेत्र में उद्यमों के सर्कुलर उत्पादन में तेजी आ रही है। वर्तमान समय में भारत की गहन भौतिक संस्कृति के बारे में जागरूकता बढ़ रही है, यह केवल यार्न और फैब्रिक में ही नहीं, बल्कि परिधानों के सहायक उपकरणों में भी बढ रही है, जिनका पर्यावरणीय प्रभाव के लिए मूल्यांकन किया जा रहा है। बचे हुए कपड़ों और धागों का उपयोग करके बनाए गए पुनर्चक्रित संग्रह लोकप्रिय हो रहे हैं, जो पारंपरिक, टिकाऊ प्रथाओं के पुनरुद्धार में योगदान दे रहे हैं। यह आंदोलन पर्यावरण के प्रति जागरूक फैशन की ओर एक व्यापक वैश्विक बदलाव को दर्शाता है।

आज, तेजी से बढ़ते शहरी प्रवास और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे के साथ, पारंपरिक बुनकर की अपने करघे पर भूमिका प्रतीकात्मक से कहीं ज्यादा बढ़ गई है, अब यह हरित तकनीक और सांस्कृतिक संरक्षण का एक सशक्त उदाहरण बन गई है। भारत की हथकरघा विरासत एक ऐसा मार्ग प्रशस्त करती है जो पर्यावरण और शिल्प से जुड़े लोगों का सम्मान करती है और देश को ज़िम्मेदार एवं नैतिक फैशन के क्षेत्र में अग्रणी बनाती है।

सूडोकु नवताल- 7514 ★★★★★ कठिनतम

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7513 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

धराली आपदा : यह हम सभी के चेत जाने का समय है

डॉ. प्रियंका सौरभ

यह अजीब विडंबना है कि जब कोई प्राकृतिक आपदा आती है, तो हम सिर्फ मरने वालों पर शोक प्रकट करते हैं जबकि जिनके लालच, उपेक्षा और मूर्खता से वह आपदा आई, उन पर सवाल उठाने का साहस नहीं करते। एक नदी के बहाव में बहे मकानों और दुकानों को देखकर हम आंसू तो बहाते हैं, लेकिन क्या हम उस कुकर्म पर विचार करते हैं जिसने नदी की गोद में घर बनवा दिए? आज भारत के पहाड़ों से लेकर मैदानों तक, हर जगह मनुष्य का प्रलोभन ही विनाश का बीज बन चुका है। हाल की घटनाएं- उत्तरकाशी, जोशीमठ, केदारनाथ, किन्नौर या हिमाचल की तबाही- सभी हमें याद दिलाती हैं कि जब मनुष्य अपने हित में प्रकृति की रेखाएं मिटा देता है, तो नदी, पहाड़, बादल और धरती एक दिन सबकुछ वापस ले लेते हैं।

मेरे घर के पास एक छोटा-सा रेस्तरां है। उसके नल से दिन-रात पानी टपकता रहता है। मैंने कई बार कहा, लेकिन उन्हें फर्क नहीं पड़ा। एक ढीला वॉशर बदलने से समस्या हल हो सकती है, लेकिन सौ-पचास रुपये की मरम्मत उनके लिए बेमतलब है। पानी बहता है, तो बहता रहे। क्या यह एक रेस्तरां तक सीमित लापरवाही है? बिल्कुल नहीं। यह प्रतीक है उस मानसिकता का जो कहती है- "जो हो रहा है, होने दो। हमें क्या फर्क पड़ता है?" इस सोच के कारण हर दिन लाखों लीटर पानी व्यर्थ जाता है, गाड़ियों से निकलती धुआं-संस्कृति जारी रहती है, कचरे में दम तोड़ती गायें खड़ी रहती हैं और हिमालय की छाती पर रिसॉर्ट्स उगते रहते हैं।

भारत का हिमालय क्षेत्र न सिर्फ. भौगोलिक, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी हमारी धरोहर है परंतु अब वह पर्यटन का बाजार बन चुका है। पहाड़ों की आत्मा शांति थी, अब वह शोर में डूब चुकी है। दो दिन की छुट्टी मिलते ही लाखों लोग सेल्फी, शराब और शोरगुल की भूख लिए हिमालय पर टूट पड़ते हैं। वे वहां शांति खोजने नहीं जाते, बल्कि वहां भी उसी बाजार को बसाना चाहते हैं जिससे भागने का दावा करते हैं। रिसॉर्ट, होटल, रेस्टोरेंट, पार्किंग, रोड- हर जगह अतिक्रमण है। पहाड़ की सीमित सहन शक्ति की कोई चिंता नहीं। जिस जमीन को सदियों से पेड़ों ने थामा हुआ था, वहां अब कंक्रीट की मोटी परतें बिछ गई हैं। जब बरसात आती है, तो वह जमीन अपने भीतर पानी को नहीं समेट पाती- परिणामस्वरूप, वही जल वेग बनकर जान लेता है। बादल फटते हैं, बाढ़ आती है और हम सोशल मीडिया पर दुख प्रकट करके आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन क्या हम पूछते हैं कि उस बाढ़ ने रास्ता क्यों बदला? क्या वह प्राकृतिक था या उसे रोका गया था? नदियाँ सदियों से बहती आई हैं, उन्होंने अपने लिए रास्ता बनाया है। लेकिन जब हम घाटी में मकान बना लेते हैं, नदी के किनारे होटल ठोक देते हैं, तो वह नदी अपने रास्ते पर दोबारा लौटेगी ही। उत्तरकाशी की हालिया त्रासदी में पूरा गांव बह गया। लेकिन वह गांव पहाड़ों की गोद में नहीं था- वह नदी के पाट में बना था। यह कोई आस्था नहीं थी, यह लालच था। लालच कभी सुरक्षित नहीं रहता।

कठोर शब्द हैं, लेकिन सच यही है कि हम एक संवेदनहीन समाज में तब्दील हो चुके हैं। हम आपदाओं को रोकने के बजाय उनका इंतजार करते हैं ताकि मीडिया को दृश्य मिलें और सरकारें मुआवजे का तमाशा कर सकें। हमने पर्यावरण को सिर्फ. एक 'डॉक्युमेंट' बना दिया है। नीति आयोग से लेकर नगर पंचायत तक, हर स्तर पर विकास का मतलब अतिक्रमण हो गया है। क्या यह दुखद नहीं कि पहाड़ों पर हो रही तबाही के बीच भी लोग 'डील' खोज रहे हैं- 'इस सीजन होटल सस्ते मिल जाएंगे'? क्या हमने चेतना खो दी है? दिल्ली के डीएनडी फ्लाईओवर पर एक ऑटो चालक ने मुझे बताया कि उसने किसी को यमुना में प्लास्टिक की बोतल फेंकते देखा और बहुत दुखी हुआ। एक छोटे इंसान की बड़ी भावना! लेकिन क्या उस भीड़ को कोई समझा सकता है जो हर नदी, हर घाट, हर पहाड़ को बस 'घूमने की जगह' समझती है? हमारी आंतरिक यात्रा कभी शुरू ही नहीं होती। हम गाड़ी में बैठकर पहाड़ तक तो पहुंच जाते हैं लेकिन हमारे अंदर का इंसान वहीं के वहीं मैदान में पड़ा रहता है- लालची, उपभोगी और शोरगुल में डूबा।

रेस्तरां का टपकता नल भले ही प्रतीकात्मक हो लेकिन यह उसी उपेक्षा का प्रतीक है जो हमने हिमालय और पर्यावरण के साथ बरती है। हम जिस संसाधन को रोज टपकने देते हैं- पानी, हवा, हरियाली, मिट्टी, हिमनद- वे एक दिन सूख जाएँगे। फिर नल नहीं टपकेगा, तब शायद उसमें से हवा भी न निकले। हम गाय को कचरा खिला कर भी उससे दूध की उम्मीद रखते हैं। हम पेड़ काट कर भी चाहते हैं कि बारिश हो। हम नदी को नाला बनाकर भी उससे आचमन की कामना करते हैं। क्या यह पाखंड नहीं है?

अब समय मौन शोक का नहीं, चेतने का है। अगर हम नहीं चेते, तो अगली बार कोई नदी, कोई पहाड़, कोई हवा, कोई भूचाल हमें बख्शेगा नहीं। हमें पुनर्विचार करना होगा कि क्या हम अपने छोटे-छोटे प्रलोभनों को तिलांजलि देने को तैयार हैं? क्या हम पर्यावरणीय संतुलन को विकास की नींव बना सकते हैं? क्या हम 'घूमने' की जगह 'जुड़ने' की भावना से प्रकृति के पास जा सकते हैं?

मैं हिमालय नहीं जाती, न ही अपनी यात्राओं को पहाड़ों पर थोपती हूँ। यह कोई त्याग नहीं, सिर्फ.समझदारी है। मैं विंध्याचल और अरावली की छोटी पहाड़ियों से संतुष्ट हूँ, क्योंकि मुझे लगता है कि हिमालय की छाती पहले ही विदीर्ण है- उसे और कष्ट देना अब पाप है। जब तक हम विकास को सिर्फ.भवनों और दुकानों में मापते रहेंगे, तब तक विनाश हमारा पीछा नहीं छोड़ेगा। हर बहता नल एक आपदा की दस्तक है। हर रिसता पहाड़, हर-भरा हुआ नदी का पाट, हर टूटता पुल हमें चेतावनी देता है कि प्रलोभन का परिणाम बहुत गहरा होता है। नदियाँ जब निगलने लगती हैं, तबतक देर हो चुकी होती है।

दैनिक पंचांग

7 अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

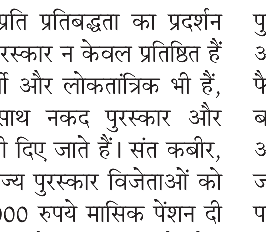

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.19 बजे से
चंद्र	धनु में	कन्या	08.31 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	10.42 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.57 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	15.13 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.18 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.04 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.37 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.08 बजे से
राहुकाल		वृष	23.48 बजे से
1.30 से 3.00 बजे तक		मिथुन	01.46 बजे से
		कर्क	03.59 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 219 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ला
तिथि त्रयोदशी 14.28 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाषाढ़ा 14.01 बजे को समाप्त।
योग विष्कुम्भ 06.42 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 14.28 बजे तदनन्तर गर 02.25 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 13.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 16° 24'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872429
जूलियन दिन 2460894.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सफर
तारीख 12

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से 07.22	बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11	बजे तक
रोग	07.22 से 08.51	बजे तक	चर	07.11 से 08.43	बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19	बजे तक	रोग	08.43 से 10.15	बजे तक
चर	10.19 से 11.47	बजे तक	काल	10.15 से 11.47	बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15	बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19	बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43	बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51	बजे तक
काल	02.43 से 04.11	बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23	बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40	बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर हैं अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन को दी गयी श्रद्धाजंलि

झुमरी तिलैया : झारखण्ड शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में दिन बुधवार को दिशोम गुरू राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य दिवंगत राज्य के पूर्व मुख्यंमत्री दिवंगत शिबू सोरेन को भावभीनी श्रद्धाजंलि दी गयी साथ ही उनके जीवनी पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय के सचिव शिक्षाविद्य एवं समाजसेवी डॉ. डी एन. मिश्रा ने उनके झारखण्ड के स्वतंत्र राज्य के निर्माण में योगदान एवं आदिवासी समाज के लिये उनके संघर्ष एवं समर्पण को याद किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मी तथा अध्ययनरत प्रशिक्षुगण ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नम आंखों से भावभीनी श्रद्धाजंलि अर्पित किये।

बीमारी से आजीज आकर युवक ने तालाब में कूद कर दी जान

दुमका : बीमारी और आर्थिक तंगी से तंग आकर फूलो-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाजरत युवक (35) ने शहर के बड़ा बांध तालाब में कूदकर जान दे दी है। यह घटना मंगलवार की देर रात में घटी। बुधवार की सुबह में नगर थाना की पुलिस ने शव को तालाब से निकाला और उसकी पहचान की। मृतक दीपक दास शहर के रसिकपुर दासपाड़ा का निवासी था। वह कई दिनों से बीमार चल रहा था और इलाज के लिए फुलो-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती था। अस्पताल में उसके साथ उसकी बुढ़ी मां भी साथ में थी। रात को वह अचानक अस्पताल के वार्ड से निकल गया। बुढ़ी मां को नींद लग गई थी। सुबह में जब बुढ़ी मां की नींद खुली तो देखा कि बेड में बेटा सोया हुआ नहीं है। खोजबीन करने पर कुछ पता नहीं चला। कुछ देर के बाद स्थानीय लोगों की नजर तालाब में छपलाए शव को देखा और नगर थाना की पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस शव को तालाब से निकलवाया। शव तालाब में निकालने के बाद मृतक के परिजन भी वहां पहुंचे तो देखा कि दीपक का ही शव पड़ा हुआ है। यह देख परिजन दंग रह गए। पुलिस ने परिजनों का फर्द बयान लेकर शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने बताया कि युवक की शादी नहीं हुई थी। वह जूते-चप्पल की मरम्मति कर किसी तरह से अपना और बुढ़ी मां का पेट पाला करता था। युवक की मौत से बुढ़ी मां अकेली हो गई। परिजनों का कहना है कि अब उसकी बुढ़ी मां का देखभाल कौन करेगा और उसकी जिंदगी कैसे कटेगी।

प्लास्टिक पाउडर लदा ट्रक चुटूपालू घाटी में पलटा, मौत

रामगढ़ : रांची-पटना मुख्यमार्ग अंतर्गत फोरलेन के चुटूपालू घाटी में बुधवार को चट्टान से टकराते हुए एक ट्रक पलट गई। इस घटना में खलासी की मौत मौके पर ही हो गई। जबकि, चालक फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार हल्दिया से कानपुर जा रही प्लास्टिक पाउडर लदा ट्रक संख्या ओडी (29एल 3912) का अचानक घाटी में ब्रेक फेल हो जाने के कारण ट्रक अनियंत्रित हो गई। इस दौरान चलाक कूद कर फरार हो गया। तेज रफ्तार के कारण ट्रक अनियंत्रित होकर चट्टान से टकराते हुए पलट गई। घटना में खलासी ट्रक के केबिन में फंस गया, जिससे उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई। इधर, घटना की सूचना पाकर पहुंचे रामगढ़ थाना के सब इंस्पेक्टर जॉनी और पुलिसकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद केबिन में फंसे खलासी का शव निकलवा कर सदर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान सुभाष चंद्र बोस के रूप में की गई है।

विश्व आदिवासी दिवस समारोह इस बार दिशुम गुरु को होगा समर्पित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिम सिंहभूम : इस वर्ष का विश्व आदिवासी दिवस समारोह को आदिवासी समाज के महान नेता और झारखंड के निर्माता दिशोम गुरु शिबु सोरेन को समर्पित किया गया है। यह जानकारी विश्व आदिवासी दिवस आयोजन समिति कोल्हान, चाईबासा के अध्यक्ष इपिल सामड ने बुधवार को आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि समारोह की तैयारियां कई दिनों से चल रही थीं, लेकिन इसी बीच दिशुम गुरु के निधन से पूरा आदिवासी समाज शोक में डूब गया। ऐसे में इस बार का कार्यक्रम उन्हें समर्पित करते हुए श्रद्धांजलि के तौर पर आयोजित किया जाएगा। समारोह स्थल पर बिरसा मुंडा, पोटो हो, दिशुम गुरु और अन्य आंदोलनकारियों को भी श्रद्धा से याद किया जाएगा। इस बार का

आयोजन चाईबासा के सिंहभूम स्पोर्ट्स एसोसिएशन मैदान में किया जाएगा। इसमें 20 हजार से अधिक लोगों के शामिल होने की संभावना है। ओडिशा, पश्चिम बंगाल, सरायकेला-खरसावां, पूर्वी सिंहभूम, किरीबुरु, गुवा, मनोहरपुर सहित आसपास के क्षेत्रों से हो, उरांव, संथाल, मुंडा, लोहरा, भूमिज, बिरहोर, मानकी-मुंडा सहित 40 से अधिक आदिवासी संगठनों के लोग शिरकत करेंगे। कार्यक्रम की शुरूआत समाज के पारंपरिक पहान और दिउरी की ओर से सामूहिक पूजा से होगी। इसमें सुख, समृद्धि और शांति की कामना की जाएगी। आयोजन स्थल पर आदिवासी पारंपरिक वेशभूषा और सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ आदिवासी अस्मिता को सहेजने का संदेश दिया जाएगा। कार्यक्रम में शहीदों को श्रद्धांजलि, आदिवासी परंपरा और संस्कृति की झलक प्रस्तुत करने वाले जनजातीय कलाकारों का समागम और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वालों का सम्मान समारोह भी शामिल रहेगा। इसमें खेल, शिक्षा, कृषि, पर्यावरण, स्वास्थ्य और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले आदिवासियों को मंच पर सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर झारखंड लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सफल हुए अभ्यर्थियों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। आयोजन स्थल पर आदिवासी व्यंजन और परिधान के 100 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे। पूरे कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी किया जाएगा। साथ ही सुबह 11 बजे से अंतिम व्यक्ति तक भोजन की व्यवस्था भी रहेगी। वहीं इस दौरान आदिवासी समाज के आधुनिक युग में भविष्य और चुनौतियां, भाषा और लिपि का संरक्षण, स्थानीय नीति और नियोजन नीति, धर्मांतरण, पारंपरिक व्यवस्था जैसे विषयों पर भी वक्ता अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। पूरे चाईबासा शहर में सरना झंडा फहराया जाएगा।

ग्रामीण युवाओं ने श्रमदान कर खराब रास्ते का किया मरम्मत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : चंदवारा थाना क्षेत्र के थाम पंचायत अंतर्गत पुरनाडीह के युवा ने खराब रास्ते को श्रमदान कर डस्ट डाल कर मरम्मत कर दिया। गौरतलब हो कि पुरनाडीह से थाम जाने वाले रास्ते पूरे तरह से जर्जर और खराब हो चुकी थी. जिससे बरसात के मौसम में लोगों को आने जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था है। बुधवार की शाम पुरनाडीह के ग्रामीण युवाओं ने इसे संज्ञान में लेते हुए खराब रास्ते को डस्ट डाल कर मरम्मत किया। आपको बता दें कि इस रास्ते से रोजाना ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे साइकल से स्कूल आने जाने करते है। लेकिन रास्ते में गड्ढे होने के कारण स्कूल बच्चे को आने जाने में मुश्किल हो रहा था इस रास्ते से बड़ी- बड़ी गाड़िया गुजरती है जिससे रास्ते में बहुत सारे गड्ढे और डामर कई जगह से उखड़ चुकी है जिससे,दो पहिया वाहन से लोग सड़क पर गिरकर चोटिल हो रहे थे हैं। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, रात होते ही बड़ी- बड़ी गाड़िया इस रास्ते से गुजरते हैं, जिससे घरों के पास गड्ढे हो गए है और उसमें भरा बारिश का पानी डबरी तालाब की तरह नजर आते है। इस रास्ते पर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया था कम यातायात के दबाव की क्षमता वाले इस सड़क पर भारी गाड़ियों के लगातार चलने से सड़क के डामर पूरी तरह से उखड़ गया हैं। पक्की सड़क अब फिर से कच्ची सड़क में तब्दील हो रही है।

तिरंगा लहराने को तैयार डोमचांच मंडल 13 अगस्त को निकलेगी बाइक रैली

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

डोमचांच : भाजपा डोमचांच ग्रामीण मंडल की तिरंगा यात्रा को लेकर दिन बुधवार को शिव शक्ति धाम नावाडीह में रखी गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष महेश वर्मा वहीं संचालन महामंत्री पारिजात सिंह ने किया। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित पूर्व जिला मंत्री सुनील सिन्हा ने बतौर मंडल प्रभारी कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। बैठक में आगामी स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में मंडल में होने वाले तिरंगा यात्रा तथा हर घर तिरंगा, घर- घर तिरंगा कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई। जिसमें मंडल कमिटी ने यह निर्णय लिया कि 13 अगस्त 2025 दिन बुधवार समय 8: 30 बजे जेरुआडीह पेट्रोल पम्प से मंडल कमिटी के कार्यकर्तागण अपने-

अपने दो पहिया वाहन पर तिरंगा झंडा लगाकर मंडल अध्यक्ष के नेतृत्व में यात्रा का शुरूआत करेंगे। जो पूरे मंडल क्षेत्र का भ्रमण करेंगे और इस दौरान क्षेत्र में अपने कार्यकर्ताओं से मिलते हुए उन्हें अपने घर पर तथा उनके अपने समर्थक कार्यकताओं के घरों पर तिरंगा झंडा लगाने के लिए प्रेरित करेंगे। भारत का पहचान माना जाने वाला तिरंगा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर कार्यकर्ता के घर पर भव्य रूप से शान से लहराता दिखे। इस कार्यक्रम में कार्यकताओं का उत्साह बढ़ाने के लिये भाजपा जिलाध्यक्ष अनूप जोशी मंडल भ्रमण के दौरान साथ- साथ रहेंगे। इस महत्वपूर्ण बैठक में निमेष सिंह, नवीन कुमार, प्रदीप यादव, महेश मेहता, जगदीश मेहता, कृष्ण कुमार निराला, महेश कुमार, पंकज कुमार, राजकुमार सहित दर्जनों कार्यकर्त्ता उपस्थित थे।

सरकारी डॉक्टरों के नाम पर संचालित क्लिनिकों का लाइसेंस रद करने की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : सूचना अधिकार मंच सचिव आरके बसंत ने जिले में क्लिनिकल इस्टैब्लिशमेंट एक्ट का उलंघन कर कई निजी अस्पताल एवं क्लिनिक का लाइसेंस सरकारी चिकित्सक के नाम देने पर आश्चर्य जताया है। नियमानुसार निजी अस्पताल एवं क्लिनिक के इंचार्ज सरकारी डॉक्टर नहीं हो सकते एवं अपनी सेवा अवधि के बाद ही निजी क्लीनिक में सेवा दे सकते हैं, वहीं नियम विरुद्ध उनके नाम पर लाइसेंस निर्गत किया गया है। यहां तक कि जिले के बाहर पदस्थापित चिकित्सकों के नाम पर भी लाइसेंस दिया गया है, जैसे सीएचसी चौपारण के चिकित्सक फरहाना महफूज ग्लोबल नर्सिंग

होम एवं लाइफलाइन अस्पताल के पर्सन इंचार्ज हैं, लातेहार में पदस्थापित डॉ सुरेन्द्र कुमार मां इंदा नर्सिंग होम के इंचार्ज हैं। इसी प्रकार कोडरमा जिले के जयनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डा दिवाकर यादव पीजी अस्पताल के इंचार्ज हैं, कोडरमा प्रखंड के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ आर पी शर्मा कामेश्वरी क्लिनिक के इंचार्ज हैं, डीवीसी में पदस्थापित डॉ कुमारी अर्चना श्री साईं अस्पताल की इंचार्ज हैं, गुमो स्वास्थ्य केंद्र के डॉ सुनील कुमार यादव आरोग्यम क्लिनिक के इंचार्ज हैं, सदर अस्पताल के डॉ संदीप कुमार सिंह विशुनपुर तिलैया में संचालित सुधा क्लिनिक के इंचार्ज हैं, रेफरल अस्पताल डोमचांच के डॉ आशीष राज शफीक मेमोरियल एवं कुमार क्लिनिक मरकच्चो के इंचार्ज हैं। इसी तरह इस जिले में संचालित 59 क्लिनिकों में और भी इंचार्ज हो सकते हैं. जिन्हें नियम विरुद्ध लाइसेंस निर्गत किया गया होगा। आर के बसंत ने इस विषय से सिविल सर्जन, उपायुक्त के साथ ही अपर मुख्य सचिव को अवगत कराते हुए सरकारी डॉक्टरों के नाम पर संचालित क्लिनिकों का लाइसेंस रद्द करने की मांग की है।

पौधारोपण के साथ समुचित देखभाल पर भी ध्यान रखने की आवश्यकता : कृष्णानंदन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सतगावां : प्रखंड अंतर्गत टेहरो पंचायत के दुर्गा माता मंदिर परिसर में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए संत सरस्वती आवासीय विद्यालय, कलीडीह के निदेशक कृष्णनंदन प्रसाद ने अशोक,बेल और उड़हूल जैसे फलदार, छायादार एवं फूल के पौधे लगाए गए हैं। इस अवसर स्कूल के निदेशक कृष्णनंदन प्रसाद नें बताया की पेड़ ही जीवन है,पेड़ पौधों के बिना जीवन की परिकल्पना भी नहीं की जा सकती है,यदि पेड़ पौधे ना हो तो हम सब सांस नहीं ले सकते हैं, पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण बहुत ही जरूरी है। जीवनदायनी आक्सीजन का एकमात्र स्त्रोत वृक्ष है, इसकी आवश्यकता सभी को समझनी होगी। मानव जीवन वृक्षों पर ही निर्भर है। यदि वृक्ष नहीं रहेंगे तो धरती पर जीवन संकट में पड़ जाएगा। जीवन की दृष्टि से पर्यावरण मानव के लिए सर्वोच्च जरूरत है। इसलिए जीवन के लिए हम सब को संकल्प लेना चाहिए की पेड़ लगाने के साथ-साथ वृक्षारोपण कर उनका संरक्षण करना भी बहुत जरुरी है।

झुमरी तिलैया में 'एक शाम बाबा के नाम' कार्यक्रम में भक्ति, कला और श्रद्धा का संगम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : शहर के बाईपास स्थित होटल पीजी विराज मे नंदी बाबा सेवा ट्रस्ट की ओर से आयोजित एक शाम बाबा के नाम कार्यक्रम श्रद्धा, संस्कृति और सौंदर्य का अनुपम संगम बन गया। कार्यक्रम स्थल को भव्य दरबार का स्वरूप दिया गया, जहां भगवान शिव की मूर्ति, शिवलिंग, भगवान गणेश, भगवान राम-लक्ष्मण-सीता, भगवान हनुमान, मां दुर्गा के चित्रों और नंदी बाबा की भव्य स्थापना की गई थी। आकर्षक सजावट ने श्रद्धालुओं को अध्यात्म से सराबोर कर दिया।कार्यक्रम में यजमान के रूप में मदन साव अपनी पत्नी रूबी देवी, बेटिया खुशी कुमारी और मुस्कान कुमारी, एवं पुत्र ओम कुमार और

जय कुमार के साथ विराजमान रहे। पूजन-अर्चन का कार्य गौतम पांडेय द्वारा वैदिक विधि से सम्पन्न कराया गया। धार्मिक वातावरण में शांति और भक्ति का अद्भुत समावेश देखने को मिला। विशेष अतिथि के रूप में पधारे ध्वजाधारी धाम के महामंडलेश्वर देव जी महाराज को ट्रस्ट समिति की ओर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भंडारे मे दानदाताओं को भी सम्मानित किया गया, जिससे समारोह की गरिमा और भी बढ़ गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम में भक्ति रस की गंगा बहती रही। राकेश राजपूत एंड समूह के कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को झूमने पर विवश कर दिया। राकेश राजपूत ने बाबा कृपा लुटाने लगा है... से उद्घोष किया। शशि राज सिंह ने मेरे शम्भू जटा धारी ये कमाल हो गया... गाकर समां बांधा। महावीर गुप्ता ने आओ अंगना पधारो गणेश जी... तथा राम राम सिया राम... की मधुर प्रस्तुति दी। रजनी कौर ने मेरा भोला है भंडारी... व पीस पीस भंगिया पियाएव ए पिया...से रंग जमाया।स्वेता कुमारी ने सांचा तेरा नाम... और नाँच कावरिया शिव के नगरिया...गाकर तालियां बटोरी। प्रवीण ठाकुर ने चल रे कावरिया शिव के धाम... की शानदार प्रस्तुति दी। प्रीतम कोलकाता नृत्य समूह द्वारा प्रस्तुत भव्य झांकियों ने दर्शकों को अभिभूत कर दिया। समापति साव, काकुल चक्रवर्ती, तोमाल राय, संदीप कोयल और अलोक डे नेगोपेश्वर धाम, भगवान कृष्ण की रास लीला, मां गंगा की उत्पत्ति, तिरुपति बालाजी का दर्शन, शिव-पार्वती विवाह, नंदी बाबा की कथा आदि को जीवंत रूप में मंचित किया। तीन दिव्य स्वरूपों में शिव महाकाल, नरेश्वर और नील नागेश्वर की भस्म आरती ने मंच को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। यह दृश्य देखने योग्य था, जिसने हर श्रद्धालु को रोमांचित कर दिया।कार्यक्रम के आयोजन में नगर के प्रमुख जनों की सक्रिय सहभागिता रही। इस आयोजन में उदय सिंह, संजय शर्मा, ग्रिजली निदेशक अविनाश सेठ, बिल्लू शर्मा, राजू अठघरा, नविन गुप्ता, प्रीतम सोनकर दीपक साव समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

भुरकुंडा में वंदना कंप्यूटर कोचिंग सेंटर का सादगीपूर्ण विदाई समारोह संपन्न

भुरकुंडा : वंदना कंप्यूटर कोचिंग सेंटर द्वारा आज सयाल अंबेडकर भवन में सादगीपूर्ण तरीके से विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बड़कागांव के भाजपा विधायक रोशन लाल चौधरी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद उपस्थित सभी लोगों ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की और 2 मिनट का मौन रखकर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम के दौरान कोचिंग सेंटर के छात्रों ने भावपूर्ण तरीके से अपने गुरुजनों को विदाई दी। इस मौके पर स्थानीय गणमान्य लोग और छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ए ला एंग्लाइज विद्यालय में बालिकाओं को दिया गया ताइक्वांडो व जूडो का प्रशिक्षण

भुरकुंडा : ए ला एंग्लाइज सीनियर सेकेंडरी विद्यालय में बुधवार को कराटे प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बालिकाओं को आत्मरक्षा हेतु ताइक्वांडो एवं जूडो का विशेष प्रशिक्षण दिया गया।यह प्रशिक्षण सेंसाई कंचन दास के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मौके पर विद्यालय के प्राचार्य विजयंत कुमार ने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ शरीर को स्वस्थ और मानसिक रूप से मजबूत बनाने के लिए मार्शल आर्ट और योग जैसे गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में बालिकाएं स्वेच्छा से नि:शुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्राप्त कर सकती हैं। सेंसाई कंचन दास ने कहा कि बालिकाओं में आत्मविश्वास और सुरक्षा की भावना जागरूक करने हेतु यह प्रशिक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है। विद्यालय की शिक्षिकाओं ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आज के समय में हर बालिका को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण लेना चाहिए। विद्यालय प्रशासन ने आगे भी ऐसे शिविरों के आयोजन की बात कही है, जिससे छात्राओं का मनोबल और आत्मविश्वास दोनों मजबूत हो सके। मौके पर बबीता सिंह, ललिता यादव, शबाना खातून, प्रिया सिंह आदि शिक्षिकाएं उपस्थित थीं। शिविर में वर्षा कुमारी, स्मृति, साक्षी गुप्ता, साक्षी कुमारी, आराध्या, महिमा, गुंजन, श्रेया, रानी, रिया पम्मी, अंकित, पलक, परिधि, अंशिका, पूर्णिमा, हर्षिता सहित कई छात्राओं ने भाग लिया और आत्मरक्षा के विभिन्न गुर सीखे।

शिक्षा विभाग ने समावेशी शिक्षा के अंतर्गत विशिष्ट विद्यालय का किया भ्रमण

रामगढ़ : राधा गोविन्द विश्वविद्यालय अंतर्गत शिक्षा विभाग के छात्र-छात्राओं ने चितरपुर प्रखंड के आवासीय विकलांग विद्यालय, सुकरीगढ़ा का भ्रमण किया । इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विशेष शिक्षा और समवेशी शिक्षा के माध्यम से दिव्यांग विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना था । प्रशिक्षुओं से विद्यालय के शिक्षकों के साथ मिलकर विशिष्ट छात्रों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की साथ ही भ्रमण के दौरान प्रशिक्षुओं ने विद्यार्थियों के साथ कई गतिविधियों में भाग लिया जैसे गीत-संगीत, खेल-कूद आदि प्रशिक्षुओं ने इस अनुभव को बेहद शिक्षाप्रद बताया और इसे भविष्य के शिक्षण में शामिल करने हेतु संकल्प लिया । शिक्षा विभाग के शिक्षकों एवं प्रशिक्षुओं द्वारा खाद्य सामग्री एवं विभिन्न प्रकार के उपहार का वितरण किया गया। विद्यालय के प्राचार्य नीलमोहन महतो ने इस भ्रमण की सराहना की एवं विश्वविद्यालय परिवार को धन्यवाद दिया। इस आयोजन पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी एन साह ने हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग कि यह यात्रा समावेशी शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सचिव प्रियंका कुमारी ने हार्दिक बधाई दी। कुलसचिव प्रो (डॉ) निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो (डॉ) अशोक कुमार, प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार ने शैक्षणिक भ्रमण की प्रशंसा किए। मौके पर शिक्षा विभाग के डॉ. अंजू तिवारी, डॉ. रंजना पाण्डेय, डॉ. अरबिंद कुमार, डॉ. उमेश चंद्र महतो, डॉ. अमरेश कुमार पाण्डेय, डॉ. अनामिका कुमारी, डॉ. राकेश रंजन एवं अर्चना राणा उपस्थित थे।

रामगढ़ जिला केशरवानी वैश्य सभा ने उल्लासपूर्वक मनाया सावन महोत्सव

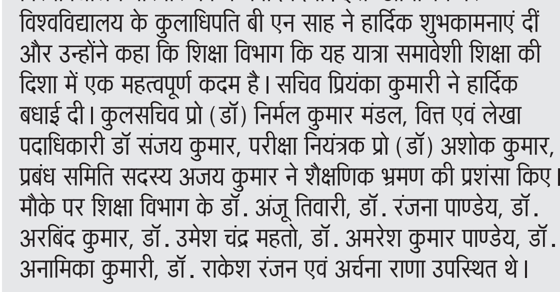

रामगढ़ : बुधवार को केशरवानी वैश्य सभा द्वारा सावन महोत्सव का आयोजन प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी अक्षत वेंकट हॉल कुजू में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम की शुभारंभ दीप प्रज्वलित एवं कुलगोत्राचार्य महर्षि कश्यप ऋषि के चित्रों पर पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम में रामगढ़ जिला केशवानी वैश्य सभा के तमाम पदाधिकारीगण, सदस्यगण एवं बड़ी संख्या में परिवार के महिलाएं उपस्थित रहे। रामगढ़ जिला केशरवानी वैश्य सभा के अध्यक्ष श्री किशोरी लाल केशरी ने सावन महोत्सव कार्यक्रम की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उन्होंने सभी महिलाओं को समाज में आगे बढ़-चढ कर हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। महिलाएं समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। समाज के महामंत्री उमेश केशरी ने अपने संबोधन में पूरे समाज को शिक्षित होने के लिए प्रेरित किए। कार्यक्रम को उत्साह एवं जोश बढ़ाने में अनुराग म्यूजिकल ग्रुप रामगढ़ में सभी आगंतुकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस आयोजन में परिवार के बच्चों के द्वारा गीत -संगीत, नृत्य से सभी को उत्साहित किया। साथ ही महिलाओं ने भी चेयर रेस में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों को मोमेंटो देकर समाज सम्मानित किया।

एक नजर

ट्रैक्टर ने पीछे से टेंपो को मारा टक्कर, दो लोग घायल, रेफर

साहिबगंज/बरहेट : थाना क्षेत्र के बरहेट लिट्टीपाड़ा मुख्य सड़क अंतर्गत तलबाडिया चौक समीप एक खड़ी टेंपो को ट्रैक्टर ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे टेंपो में सवार दो लोग घायल हो गए। घटना से तलबाडीया गांव की साजिद अंसारी 10 वर्ष, जितेन सोरेन 25 वर्ष, गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार टेंपो तलबाडिया चौक पर खड़ी थी,इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रैक्टर बरहेट कि ओर जाने के क्रम में पीछे से जोरदार टक्कर मारी,जिससे टेंपो में सवार दो लोग घायल हो गए। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से इलाज के लिए समुदाय स्वास्थ्य केंद्र बरहेट में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार किया।

जहरीले सांप के काटने से किशोर हुआ मूर्छित

साहिबगंज : जिले के राजमहल थाना क्षेत्र के फुलवरिया गांव में मंगलवार की रात एक किशोर को जहरीले सांप ने काट लिया जिससे वह मूर्छित हो गया। मिली जानकारी के अनुसार फुलवरिया निवासी सद्दाम शेख का 15 वर्षीय पुत्र शकील शेख रात में खाना खाने के बाद घर के बाहर टहल रहा था, इसी दौरान उसके पैर में एक जहरीले सांप ने काट लिया। परिजनों ने शकील को तुरंत अनुमंडल अस्पताल राजमहल इलाज के लिए लाया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने इलाज किया। चिकित्सक कलीमुद्दीन ने बताया कि किशोर को गंभीर स्थिति में लाया गया था, लेकिन समय पर उपचार मिलने से उसकी हालत में सुधार है। फिलहाल उक्त किशोर खतरे से बाहर है और अनुमंडल अस्पताल में चिकित्सकों के निगरानी में इलाज चल रहा है।

पंचायत के सड़क की बदतर हालत पर ग्रामीणों में आक्रोश

साहिबगंज/बोरियो : प्रखंड के खैरवा पंचायत में सड़क की बदतर स्थिति पर ग्रामीणों ने नाराजगी जताया है। ग्रामीणों ने बीडियो को आवेदन देकर पीसीसी सड़क एवं पुलिया निर्माण की मांग किया है। ग्रामीणों ने बीडियो को प्रेषित आवेदन में मांग किया है कि खैरवा मारीडीह जटलू टोला फुटबॉल मैदान के पास विकास ठाकुर के घर से लगभग प्रभु मुर्मू के घर के समीप तक सड़क की स्थिति बरसात में खराब है। बरसात में कीचड़ हो जाने के कारण सड़क पर चलना मुश्किल है। पुलिया भी क्षतिग्रस्त है। दैनिक कार्यों से आम जनता परेशान हैं। ग्रामीणों ने बीडियो को आवेदन देकर पीसीसी सड़क एवं पुलिया निर्माण की मांग की है। आवेदन में प्रभु मुर्मू, शिवलाल ठाकुर, लखु मुर्मू आदि ने मांग किया हैं।

प्रधानमंत्री जनमन योजना की समीक्षा बैठक संपन्न

साहिबगंज : हेमंत सती की अध्यक्षता में आज कार्यालय प्रकोष्ठ में ग्रामीण कार्य विभाग एवं एनआरईपी अन्तर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। डीसी ने विभागीय पदाधिकारियों से प्रगति रिपोर्ट प्राप्त करते हुए कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए पारदर्शिता के साथ योजनाओं के क्रियान्वयन पर बल दिया। एनआरईपी योजना के तहत जिले के सभी प्रखंडों में निमार्णाधीन मल्टी पर्पस भवन, आंगनबाड़ी केन्द्र तथा अन्य निर्माण कार्यों की अद्यतन जानकारी ली गई।

पश्चिम सिंहभूम में 15 अगस्त तक 98 हजार 655 पौधे लगाने का है लक्ष्य : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिम सिंहभूम : समाहरणालय स्थित एनआईसी सभागार से बुधवार को उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दो विषयों पर जिला स्तरीय बैठक हुई। यह बैठक एक पेड़ मां के नाम अभियान-2.0 से जुड़ी जिला स्तरीय वृक्षारोपण समिति और विद्युत स्पशार्घात से हाथियों और अन्य वन्य जीवों की मृत्यु की रोकथाम के लिए गठित अनुश्रवण समिति के साथ की गई। बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुरेन ने भाग लिया। बैठक में बताया गया कि एक पेड़ मां के नाम अभियान-2.0 का द्वितीय चरण पांच जून से 30 सितंबर 2025 तक संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत जिलेभर में कुल एक लाख 97 हजार 310 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभी तक सरकारी विद्यालयों के माध्यम से 46 हजार 120 पौधे लगाए जा चुके हैं और 15 अगस्त तक 98 हजार 655 पौधे लगाए जाने का लक्ष्य है। इस अभियान के लिए करीब 98 हजार पौधे जिले के विभिन्न वन प्रमंडलों से निःशुल्क प्राप्त किए जाएंगे। उपायुक्त चंदन कुमार ने अधिकारियों से इस अभियान को मिशन मोड में चलाने को कहा। उन्होंने कहा कि पौधारोपण की प्रत्येक गतिविधि का दस्तावेजीकरण कर संबंधित फोटोग्राफ विभागीय वेबसाइट पर अनिवार्य रूप से अपलोड करें। इसके साथ ही उन्होंने सभी निजी विद्यालयों को भी इस अभियान में शामिल करने और संबंधित वन प्रमंडलों से समन्वय कर पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। डीसी ने कहा कि जिले के सभी 2064 विद्यालयों में इको क्लब का गठन अनिवार्य रूप से हो। फिलहाल 1159 विद्यालयों में ही इको क्लब गठित हो पाए हैं, जिसे शेष विद्यालयों में भी शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश उपायुक्त ने दिया।

रेल लाइन के किनारे बिजली तार की उंचाई बढाए विभाग

बैठक के क्रम में वन्य जीवों विशेषकर हाथियों की विद्युत स्पशार्घात से हो रही मौतों की रोकथाम पर भी चर्चा हुई। उपायुक्त ने ऊर्जा विभाग के कार्यपालक अभियंता को निर्देशित किया कि विशेष रूप से वन क्षेत्रों और हाथी मार्गों में विद्युत संचरण तारों की ऊंचाई की समय-समय पर निगरानी करें और यह सुनिश्चित करें कि सभी तार निर्धारित गाइडलाइन के अनुरूप ऊंचाई पर ही हों, जिससे किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके। बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी, अपर उपायुक्त, सभी एसडीओ, जिला शिक्षा पदाधिकारी, विद्युत प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी और सी-3 प्रतिनिधियों सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी व प्रतिनिधि मौजूद रहे।

डीपीआरओ ने पाकुड़िया पंचायत व लागडुम पंचायत भवन का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू ने पाकुड़िया प्रखंड अंतर्गत पाकुड़िया पंचायत एवं लागडुम पंचायत भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीपीआरओ के द्वारा सभा भवन, प्रज्ञा केंद्र, मंईया कक्ष, स्वास्थ्य कक्ष एवं ऊर्जा कक्ष, सेग्रीगेशन बिन एवं भस्मक का अवलोकन किया गया। वही लागडुम पंचायत भवन के प्रज्ञा केंद्र में आधार अपडेशन का काम सुचारू रूप से चल रहा था। साथ ही ज्ञान केन्द्र, जन्म-मृत्यु पंजी और पंचायत सुदृढ़ीकरण की जांच की गई। निरीक्षण में डीपीआरओ ने पंचायत भवन और उसके संसाधनों की स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।

गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर के मद्देनजर उपायुक्त ने किया छोटा रामपुर दियारा का निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : गंगा नदी में लगातार बढ़ते जलस्तर और संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए आज डीसी हेमंत सती द्वारा साहेबगंज जिला अंतर्गत रामपुर दियारा क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दियारा क्षेत्र में हो रहे कटाव तथा जलस्तर में हो रही तीव्र बढ़ोतरी का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में पाया गया कि रामपुर दियारा क्षेत्र में वर्तमान में लगभग संभावित बाढ़ के गंभीर खतरे की जद में हैं। उक्त परिस्थिति को गंभीरता से लेते हुए डीसी ने स्थानीय निवासियों से अपील की कि वे शीघ्रातिशीघ्र प्रशासन द्वारा बनाए गए सुरक्षित आश्रय स्थलो–विशेष रूप से आश्रम गिरी राहत शिविर–में जाकर शरण लें। उन्होंने बताया कि राहत शिविर में सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं जैसे भोजन, पेयजल, चिकित्सा सुविधा एवं बच्चों व वृद्धों के लिए विशेष व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। डीसी ने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और प्रशासन द्वारा दिए गए निदेर्शों का पालन करें। जिला प्रशासन के द्वारा बाढ़ प्रभावित संभावित क्षेत्रों की निरंतर निगरानी की जाए तथा किसी भी आपात स्थिति के लिए आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था तत्परता से सुनिश्चित की जाए। डीसी ने निरक्षण के क्रम में फेवरेट वॉटर ट्रीटमेंटप्लांट के किनारे मिट्टी कटाव का जायजा लिया गया एवं कटावरोधी उपकरण के लगाने को लेकर विचार व्यक्त की जिससे कटाव ना हो। प्रशासन की ओर से आमजन से यह अपील की गई है कि वे सतर्क रहें, अनावश्यक जोखिम न लें और किसी भी आवश्यकता या समस्या के लिए नजदीकी नियंत्रण कक्ष से संपर्क करें।

डीसी हेमंत सती की अध्यक्षता में भूमि संरक्षण योजनाओं की समीक्षा बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : डीसी हेमंत सती की अध्यक्षता में आज कार्यालय प्रकोष्ठ में भूमि संरक्षण विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के अंतर्गत क्रियान्वित विभिन्न योजनाओं की प्रगति एवं क्रियान्वयन की समीक्षा की गई।बैठक में बंजर भूमि/राइस फेलो विकास उपयोजना अंतर्गत तालाब जीर्णोद्धार कार्यों की स्थिति, जलनिधि उपयोजना के अंतर्गत परकोलेशन टैंक निर्माण एवं डीप बोरिंग निर्माण कार्यों की अद्यतन स्थिति पर चर्चा हुई। डीसी ने इन योजनाओं के धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन पर बल देते हुए समयबद्ध निष्पादन के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त कृषि यांत्रिकीकरण योजना अंतर्गत पम्प सेट वितरण एवं मिनी ट्रैक्टर वितरण कार्यों की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजना के तहत बड़े ट्रैक्टर एवं सहायक कृषि यंत्रों के वितरण की प्रगति पर भी चर्चा हुई। एसएमएएम योजना के तहत दिए जा रहे मिनी ट्रैक्टर एवं अन्य कृषि यंत्रों की स्थिति की जानकारी ली गई। डीसी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी योजनाओं के लाभार्थियों का चयन पारदर्शी ढंग से किया जाए और योजना के उद्देश्य की पूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने, नियमित मॉनिटरिंग करने एवं रिपोर्टिंग प्रक्रिया को मजबूत बनाने के निर्देश दिए। बैठक में जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी राहुल गुप्ता सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वच्छता अभियान के अंतर्गत रेलवे कॉलोनी में स्वच्छता अभियान चलाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : पूर्वी रेलवे के मालदा मंडल द्वारा चलाए जा रहे 'स्वच्छता अभियान - 2025' अभियान के तहत साहिबगंज रेलवे कॉलोनी में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान में स्काउट और गाइड टीम, रेलवे अधिकारियों और हाउसकीपिंग कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिन्होंने कॉलोनी के आवासीय ब्लॉकों, आंतरिक सड़कों और आसपास के सार्वजनिक क्षेत्रों की सफाई के लिए एक साथ काम किया। इस पहल का उद्देश्य रेलवे कर्मचारियों और उनके परिवारों के बीच स्वच्छता, सफाई के प्रति जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना था। साहिबगंज रेलवे कॉलोनी में यह स्थानीय गतिविधि मालदा मंडल की स्वच्छ भारत मिशन के प्रति प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जो यह सुनिश्चित करती है कि न केवल स्टेशन, बल्कि रेलवे कॉलोनियाँ भी स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाए रखें। इस प्रयास ने निवासियों को अपने दैनिक जीवन में स्थायी स्वच्छता प्रथाओं को अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया। मालदा डिवीजन जमीनी स्तर पर ऐसे प्रभावशाली कार्यक्रमों का आयोजन जारी रखता है, जिससे स्वच्छ और हरित रेलवे पारिस्थितिकी तंत्र के दृष्टिकोण को बल मिलता है।

महान योद्धा राज्य के निमार्ता शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झारखंड राज्य के निमार्ता, पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक, दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी का 4 अगस्त, 2025 को निधन हो गया। उनके निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए, बोकारो जिला समिति और बोकारो महानगर समिति द्वारा एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस शोक सभा में झामुमो के नेताओं और कार्यकताओं ने शिबू सोरेन जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। झामुमो के जिला अध्यक्ष रतन लाल मांझी ने कहा, शिबू सोरेन जी आदिवासी और मूलवासी के दिलों में बसते हैं। उन्होंने महाजन प्रथा के खिलाफ एक लंबी लड़ाई लड़ी, जिससे आज आदिवासियों का अस्तित्व बचा हुआ है। झामुमो बोकारो महानगर के अध्यक्ष मंटू यादव ने कहा, शिबू सोरेन केवल एक नाम नहीं बल्कि वे झारखंड के जल, जंगल, नदी, पहाड़ और यहां के लोगों के दिलों में राज करने वाले नेता थे। मंटू यादव ने बताया कि सोरेन जी ने हमेशा आदिवासी, दलित, पिछड़े वर्ग और शोषित, पीड़ित, मजदूरों के लिए लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा कि उनके लंबे संघर्ष के बाद ही झारखंड राज्य का निर्माण संभव हो पाया। मंटू यादव ने बोकारो के साथ शिबू सोरेन जी के विशेष लगाव को याद करते हुए कहा, उन्होंने बोकारो के मजदूरों, झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोगों और विस्थापितों को अधिकार दिलाने के लिए सेल प्रबंधन के खिलाफ कई आंदोलन किए थे। उन्हीं के आंदोलनों के कारण लेवाटांड़ गांव और छुरछुरिया बस्ती आज भी सुरक्षित हैं। सभा में उपस्थित सभी नेताओं ने कहा कि शिबू सोरेन जी का जीवन राज्य निर्माण की आकांक्षा और सामाजिक न्याय की लड़ाई का प्रतीक रहा है। उनका निधन राज्य, राष्ट्र और समाज के लिए एक अपूर्णीय क्षति है। सभी उपस्थित लोगों ने उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से केंद्रीय सदस्य संतोष रजवार, हीरालाल मांझी, जयनारायण महतो, अशोक मुर्मू, बीके चौधरी, मुकेश महतो, संजय केजरीवाल, मोहन मुर्मू, घूनू हसदा, हसन अंसारी, विजय रजवार, फिरदोस अंसारी, फैयाज खान,आलोक सिंह, रामदयाल सिंह, प्रमोद तापड़िया, भागीरथ शर्मा, चंदू सिंह मुंडा, आकाश टुडू, अमित सोरेन,सोहन मुर्मू, अजय किस्कू, राकेश सिन्हा, रणधीर रजक, पंकज मरांडी, कृष्णा महतो, अर्जुन महतो, अशोक हेंब्रम, लालमोहन हेंब्रम, जगदीश हेंब्रम, सलीम अंसारी , मस्तान अंसारी, सुमन वर्मा, कन्हैया सिंह,कलीम बाबू अंसारी, प्रदीप कुमार, महेश मुंडा, उदय कुंभकार, फारुख अंसारी, धर्मवीर गुप्ता, अमन सिंह, सुखविंदर सिंह, बद्री स्वर्णकार, पप्पू सरदार,मगाराम दे, दुर्गा दत्ता, दिलीप ठाकुर, पिंटू राजा, नीरज कुमार अंजू महतो इत्यादि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

झामुमो प्रखंड एवं नगर कमेटी ने शोक सभा आयोजित कर गुरुजी को दिया श्रद्धांजलि

साहिबगंज : झारखंड मुक्ति मोर्चा के संरक्षक एवं झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर राजमहल विधायक के कासिम बाजार स्थित कार्यालय में बुधवार को राजमहल प्रखंड, उधवा प्रखंड एवं नगर के कमेटी के माध्यम से शोकसभा आयोजित कर गुरुजी के तैल्य चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से झामुमो युवा जिला सचिव सह विधायक प्रतिनिधि मो मारूफ उर्फ गुड्डू, राजमहल प्रखंड अध्यक्ष अनिसुर रहमान, प्रखंड सचिव दुर्गा मंडल, उधवा प्रखंड अध्यक्ष अयूब अली उर्फ बाबू, नगर अध्यक्ष मो आजाद, नगर सचिव स्मित चौरसिया, प्रखंड उपाध्यक्ष मुर्शीद राजा, विकास यादव, सुदर्शन पासवान, अजय दास, आलमगीर आलम, राजीव बर्मन, पवन अग्रवाल, मो ताजदार शेख, मोहम्मद यासीन, समाउन कबीर, रमजान शेख, एखलाकुर रहमान, घीसू शेख, मो जहांगीर शेख सहित अन्य मौजूद थे। युवा जिला सचिव सह विधायक प्रतिनिधि ने कहा कि झारखंड शब्द आज अगर हमलोग बोल पा रहे हैं तो यह गुरु जी की देन है कि इस शब्द का उच्चारण भी हम लोग कर रहे हैं। झारखंड के जल जंगल जमीन की संरक्षण एवं सुरक्षा की लड़ाई गुरुजी लड़ते रहे। समाज के प्रति समर्पण और समाज सेवा की अलख गुरुजी ने जगाई है आज पार्टी के एक-एक कार्यकर्ता उनके बताएं मार्ग पर चलने का संकल्प लिए हैं। समाज सेवा और राजनीति में रुचि रखने वाले के लिए गुरु जी प्रेरणा है। दलित पिछड़े और अल्पसंख्यक की आवाज को गुरुजी ने बुलंद करने का काम किया था। उनके संकल्प के झारखंड को आज वर्तमान मुख्यमंत्री और पार्टी के अध्यक्ष हेमंत सोरेन विकसित झारखंड की परिकल्पना के साथ कार्य कर रहे हैं। वही पार्टी के अन्य पदाधिकारी ने भी गुरुजी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि यह अपूर्णीय क्षति है। पार्टी एवं झारखंड ने माटी पुत्र जननायक को खोया है। शोकसभा के दौरान राजमहल प्रखंड, उधवा प्रखंड एवं राजमहल नगर कमेटी के दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

पुलिस ने बाढ़ के पानी में डुबा व्यक्ति का शव किया बरामद

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के हबीबपुर मोहल्ला स्थित केंद्रीय विद्यालय के समीप बाढ़ के पानी में एक व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। घटनास्थल पर आसपास के लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। लोगों ने तुरंत ही इसकी सूचना नगर थाना पुलिस को दी। जहां नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंच शव को पानी से निकलवाया और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार नगर थाना क्षेत्र के हबीबपुर पाइप रोड निवासी 55 वर्षीय उमेश कुमार मोदी बुधवार के सुबह लगभग चार बजे अपने घर से निकला था। इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटा। परिजनों को बाद में पता चला कि नगर थाना क्षेत्र के केंद्रीय विद्यालय सेंट्रल स्कूल के समीप बाढ़ के पानी में वह मृत अवस्था में पड़ा है। नगर थाना की पुलिस शव को पानी से बाहर निकलवाने के बाद घर वालों को मामले की सूचना दी। सूचना मिलते ही घर वाले घटनास्थल पर पहुंचे। परिजनो ने बताया कि मृतक उमेश मोदी पूर्व में ऑटो चलाते थे। इधर पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। मृतक अपने पीछे अपनी पत्नी व दो पुत्र को छोड़ गए हैं।बड़ा पुत्र सुदर्शन कुमार व छोटा पुत्र विशाल कुमार है। परिवार वालो कि रो रो कर बुरा हाल है।

जिरवाबाड़ी थाना परिसर के सामने परिवहन विभाग ने सघन वाहन जांच अभियान चलाया

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना परिसर के सामने जिला परिवहन पदाधिकारी मिथलेश कुमार चौधरी के निर्देश पर मंगलवार को सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। जहां इस वाहन जांच अभियान के दौरान दो पहिया वाहन व तीन पहिया वाहन को बिना आवश्यक दस्तावेज के साथ पकड़ते हुए थाना के हवाले कर दिया गया। उधर मामले को लेकर अनुज कुमार ने बताया कि अक्सर देखा जा रहा है कि वाहन चालक सुरक्षा नियमों की अनदेखी करके वाहनों को तेज गति से चला रहे हैं जिसके कारण आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं और लोगों की जान जा रही हैं। जहां ऐसे ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए जिला प्रशासन के निर्देश पर जिला परिवहन विभाग के कर्मी अलग अलग स्थानों पर सघन वाहन जांच अभियान चलाते हुए आमजनों को जागरूक कर रहे हैं। इस वाहन जांच अभियान के मौके पर जिरवाबाड़ी थाना के कई पुलिस पदाधिकारी व कर्मी मौजूद थे।

स्वास्थ्य जागरूकता के लिए आयुष विभाग ने स्कूली बच्चों को दिया योग का प्रशिक्षण

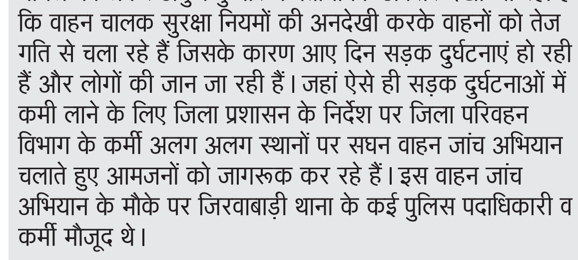

पाकुड़ : ज़िले में आयुष विभाग की ओर से योग और आयुष चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष कार्य योजना के तहत स्कूली बच्चों को नियमित रूप से योग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह पहल आयुर्विद्या कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित की जा रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और आयुष पद्धतियों को जन-जन तक पहुंचाना है। आज बुधवार को मध्य विद्यालय बहिरग्राम, मध्य विद्यालय मंगलापाड़ा, पाकुड़ सहित अन्य 28 विद्यालयों में योग प्रशिक्षकों द्वारा छात्रों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान तकनीक की शिक्षा दी गई।

पानी के तेज बहाव के बीच एबुंलेंस ने उतारी लाश

शव को कंधे पर 5 किमी. दूर गांव ले गए परिजन, ड्राइवर बोलाःआगे गया तो गाड़ी फंसेगी

भोजपुर। जिले का शाह प्रखंड इस समय बाढ़ की चपेट में है। यहां की सड़कों पर डेढ़ से दो फीट तक पानी का तेज बहाव है। इस बीच एक वीडियो सामने आया है, जिसमें कुछ लोग फोल्डिंग पर लाश रखकर 5 किलोमीटर दूर तक पैदल चलकर घर जाते दिखे। दरअसल, बीते दिन यानी मंगलवार को एंबुलेंस एक मरीज की लाश को दामोदरपुर गांव ले जा रही थी। इसी दौरान शाह प्रखंड में पानी के तेज बहाव को देखने के बाद एंबुलेंस ने लाश को बीच में ही रोक दिया। जिसके बाद परिजन लाश को पानी के तेज धारा के बीच गांव ले गए। इस दौरान विजय की पत्नी रेखा देवी भी रोते-बिलखते तेज बहाव में पति की लाश के पीछे-पीछे चलती दिखी। ग्रामीणों का आरोप है, 'कैंसर पेशेंट की मौत के बाद एंबुलेंस से लाश को घर ला रहे थे, लेकिन गैरा बाजार पुल पर ही ड्राइवर ने गाड़ी रोक दी और ये कहते हुए लाश को उतरवा दिया कि पानी का बहाव ज्यादा है, गाड़ी फंस जाएगी।' दामोदरपुर गांव के विजय कुमार (30) को अस्पताल में हाइड्रोसिल के ऑपरेशन के लिए एडमिट कराया गया था, लेकिन इलाज में डॉक्टरों की लापरवाही की वजह से इन्फेक्शन बढ़ गया और कैंसर हो गया। इलाज में लापरवाही के कारण विजय की हालत बिगड़ती गई। जब आरा सदर अस्पताल लाया गया, तब तक बहुत देर हो चुकी थी, अस्पताल में ही उसकी मौत हो गई। विजय के चचेरे भाई मुन्ना ने कहा, 'ये सिर्फ एक व्यक्ति की मौत नहीं है, यह सिस्टम की मौत है। जहां एम्बुलेंस तक गांव नहीं जा पा रही, वहां स्वास्थ्य, राहत और सुरक्षा की बात करना बेइमानी है।' 'विडंबना यह है कि ठीक उसी स्थान पर कुछ घंटे पहले भोजपुर के प्रभारी मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने निरीक्षण कर जिला प्रशासन को हरसंभव मदद देने का निर्देश दिया था।' 'SDRF की टीम मौके पर थी और लोगों को छलका पार करा भी रही थी, लेकिन विजय के शव को ले जाने के लिए कोई मदद नहीं मिली।' दरअसल, दो दिन पहले इसी जगह पर बिहार सरकार के मंत्री केदार गुप्ता ने कहा था कि प्रभावितों को हर मदद मिलनी चाहिए। इसके बाद पानी के बहाव वाली जगह पर SDRF की टीम को तैनात किया गया था। वो लोगों की मदद कर रहे थे, लेकिन लाश को एंबुलेंस से उतारे जाने के बाद मदद के बजाय टीम चुपचाप तमाशा देखती रही। प्रभारी मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने सोमवार को जवइनिया गांव के दौरे के दौरान कहा था कि 20 जुलाई को भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद की ओर से सूचना दी गई थी। जिसके बाद हमने जिला प्रशासन को निर्देश दिया कि राहत और बचाव कार्य तेजी से शुरू किया जाए। प्रशासन ने बेहतर तरीके से काम किया है। केदार गुप्ता ने कहा था कि हमारे लोकप्रिय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हमेशा कहते हैं कि बिहार के खजाने पर सबसे पहला हक आपदा और बाढ़ पीड़ितों का है। यही सोच हमारी एनडीए सरकार की कार्यशैली में दिखती है। जहां भी कोई समस्या होगी, प्रशासन तत्परता से कार्रवाई करेगा। केदार प्रसाद ने बताया, 'अब तक लगभग 135 परिवारों को बांध पर बनाए गए अस्थायी कैंपों में शिफ्ट किया गया है, जहां भोजन, स्वास्थ्य सेवा और पशुओं के लिए चारे की पूरी व्यवस्था की गई है। किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।'

पटना में उफान पर गंगा, दानापुर में कई गांव डूबे

पटना। मौसम विभाग ने आज बिहार के 17 जिलों में बारिश का अलर्ट किया है। इस दौरान 40 KM/H की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। आकाशीय बिजली गिरने को लेकर विशेष चेतावनी जारी की गई है। इस बीच सुपौल में झमाझम बारिश शुरू हो गई है। बेतिया, सहरसा में बादल छाए है। वहीं राजधानी पटना में बारिश के एक हफ्ते बाद तेज धूप निकली है। हालांकि 10 अगस्त तक पटना में बारिश का अलर्ट है। इधर, बिहार में गंगा और सोन नदियां उफान पर है। राज्य के कई गांव जलमग्न है। पटना में गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। पटना सिटी में भद्रघाट और महावीर घाट में सर्विस लेन पर गंगा का पानी आ गया है। मौसम विभाग ने अगले 7 दिन तक बिहार में भारी बारिश की संभावना जताई है। प्रदेश में अब तक 26% कम बारिश हुई है। पिछले 24 घंटे के दौरान कई जिलों में भारी बारिश गई है। सीवान में सबसे अधिक 90.4 मिमी, मधुबनी और पूर्वी चंपारण में 75.6 मिमी, नालंदा में 74.8 मिमी, कटिहार में 71.4 मिमी और पूर्णिया में 67.6 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। उत्तराखंड में हो रही बारिश की वजह से गंगा नदी का जलस्तर भी तेजी से बढ़ा है। निचले इलाकों में नदी का पानी घुस गया है। हालांकि, बाढ़ को लेकर जल संसाधन विभाग सतर्क है। मौसम वैज्ञानिक आशीष कुमार ने बताया, 'छपरा और वाल्मीकि नगर के ऊपर से मानसून ट्रफ लाइन गुजर रहा है। इसके अलावा उत्तर-पूर्व बिहार से एक अन्य ट्रफ गुजर रहा है। इस कारण अगले 7 दिनों तक प्रदेश में बारिश की संभावना है।' उन्होंने बताया कि मानसून का सीजन अभी आधा बचा हुआ है। जून और जुलाई में जिन क्षेत्रों में बारिश कम हुई है, वहां अगस्त में इसकी भरपाई की संभावना है। अभी प्रदेश में भारी बारिश के संकेत है। हालांकि, राज्य में अब तक सामान्य से 26% कम बारिश दर्ज की गई है। पटना मौसम विज्ञान केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, अब तक 545 मिमी बारिश होनी चाहिए थी, जबकि मात्र 403.1 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है'। पूर्णिया में 38 साल बाद रिकॉर्ड बारिश हुई है। रविवार से लेकर सोमवार तक 270.6 मिमी बारिश हुई, जो 1987 के बाद सबसे ज्यादा है। तब 294.9 मिमी बारिश हुई थी। वहीं, भोजपुर में बाढ़ जैसे हालात हैं। यहां 71 स्कूल 9 अगस्त तक के लिए बंद कर दिया गया है। बेतिया में सड़क पर 4 फीट तक गंडक का पानी भर गया है। मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा, 'बिहार में उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, झारखंड और नेपाल से नदियां आती है।

संक्षिप्त डायरी

नालंदा में बन रहा देश का दूसरा बहाई मंदिरः अगले साल बन कर तैयार होगा, दिल्ली के लोटस टेंपल की तरह दिखेगा

नालंदा। बिहारशरीफ प्रखंड के हरगांवा गांव में इतिहास रचा जा रहा है। यहां देश का दूसरा और बिहार का पहला बहाई मंदिर (उपासना गृह) बनकर तैयार हो रहा है, जो 2026 के अंत तक श्रद्धालुओं के लिए खुल जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का 30 प्रतिशत निर्माण काम पूरा हो चुका है। दिल्ली के प्रसिद्ध लोटस टेंपल की भांति इस उपासना गृह का डिजाइन तैयार किया गया है। दिल्ली की स्पेश मेटर्स संस्था की ओर से तैयार किए गए इस डिजाइन में स्थानीय संस्कृति और आध्यात्मिक पृष्ठभूमि का सुंदर समावेश किया गया है। गुंबदनुमा संरचना वाले इस मंदिर की सबसे आकर्षक विशेषता इसकी कलाकृति होगी। गुंबद पर न केवल आकर्षक नक्काशी होगी, बल्कि प्रसिद्ध मधुबनी कला भी देखने को मिलेगी। मेहरावों और छत की संरचना पंखों और पत्तियों के ताने-बाने जैसी होगी, जिसमें बने सुराखों से दिन में प्राकृतिक प्रकाश भीतर आएगा और रात में अंदर की रोशनी बाहर निकलेगी। यह जानना दिलचस्प है कि हरगांवा में बनने वाला यह मंदिर विश्व का छठा बहाई उपासना गृह होगा। वर्तमान में पूरी दुनिया में बहाई समुदाय के केवल पांच उपासना स्थल हैं। इस परियोजना की घोषणा 2012 में इजराइल के हाइफा स्थित बहाईयों की सर्वोच्च संस्था 'विश्व न्याय मंदिर' की ओर से की गई थी, जो अब मूर्त रूप ले रही है। इस उपासना गृह की सबसे बड़ी विशेषता इसका धर्मनिरपेक्ष चरित्र है। यहां सभी धर्मों, संप्रदायों और क्षेत्रों के लोग अपने-अपने इष्टदेव के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए प्रार्थना और इबादत कर सकेंगे। बहाई धर्म की मान्यता के अनुसार सभी धर्मों की नींव और उद्देश्य एक ही है - प्रेम, शांति, एकता और सद्भावना की स्थापना। यहां लोग जीवन, धर्म और अध्यात्म से जुड़े गहरे प्रश्नों के उत्तर तलाश सकेंगे। यह स्थल गौरव, शांति और बेहतर वातावरण का उत्कृष्ट आध्यात्मिक केंद्र बनेगा। लगभग आठ एकड़ क्षेत्र में फैले इस परिसर का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। तालाब और उद्यान के लिए अतिरिक्त भूमि भी अधिग्रहीत की जा रही है। उपासना गृह के निर्माण के बाद विकास के अगले चरण में कई लोकोपकारी संस्थाओं की स्थापना होगी। इनमें अस्पताल, औषधालय, वृद्धाश्रम, अनाथालय, विद्यालय और शिक्षा केंद्र शामिल हैं। जब ये सभी संस्थाएं पूरी रूप से कार्यशील हो जाएंगी, तो सेवा और उपासना की वास्तविक भावना साकार हो जाएगी।

पटना में मुठभेड़, फायरिंग कर भाग रहे कुख्यात को पुलिस ने मारी गोली

पटना। फुलवारीशरीफ में बुधवार की अहले सुबह पुलिस और कुख्यात अपराधी रौशन कुमार के बीच मुठभेड़ हुई। रौशन पुलिस पर फायरिंग कर भाग रहा था। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की तो एक गोली रौशन के पैर में लगी है। वह घायल हो गया। पुलिस ने उसे आननफानन में एम्स में भर्ती करवाया। यहां से उसे पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। वहां पर उसका इलाज चल रहा है। फुलवारीशरीफ थाना अध्यक्ष घटना की पुष्टि की। पुलिस का कहना है कि रौशन को गिरफ्तार कर पुलिस कुरकुरी के रास्ते फुलवारीशरीफ ला रही थी। इसी दौरान उसने भागने की कोशिश की। इतना ही नहीं सिपाही का हथियार छीनकर पुलिस पर फायरिंग भी किया। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की। इसमें रौश कुमार के पैर में गोली लगी। घटना के बाद मौके पर एफएसएल टीम द्वारा जांच की जा रही है। आसपास के कई थानों की पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंचकर छानबीन में जुटी है। पुलिस का कहना है कि रौशन पर हत्या, आर्म्स एक्ट जैसे मामले दर्ज हैं। इतना ही नहीं रामकृष्ण नगर इलाके कृपा शंकर नाम के युवक की हत्या के मामले में भी वह फरार चल रहा था। रौशन शर्मा पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस पूछताछ में उसने कई अहम खुलासे किए हैं। उसकी निशानदेही पर पटना पुलिस ने भारी मात्रा में हथियार और गोलियां बरामद और एक मिनी गन फैक्ट्री का भी भंडाफोड़ किया गया है। पुलिसिया पूछताछ में उसने अपने सहयोगी के बारे में भी जानकारी दी। पुलिस उसकी तलाश में छापेमारी कर रही है।

पटना में हवाला का 55 लाख बरामद

पटना। जक्कनपुर थाना क्षेत्र के मीठापुर बाईपास चेकपोस्ट से तीन संदिग्ध पकड़े गए हैं। इनके पास से 55 लाख मिले हैं। इसका स्पष्ट तौर पर जवाब नहीं दे पा रहे हैं। तीनों से जक्कनपुर थाने में पूछताछ हो रही है। तीनों आरोपी दर्शन, निलेश, कन्नू हैं, जो पाटन गुजरात के रहने वाले हैं। 70 फीट से ओला बुक कर बोरिंग रोड नेहरू नगर रोड नम्बर 4 में किसी व्यक्ति को हवाला के रुपए देने जा रहे थे। इसी दौरान वाहन चेकिंग के दौरान पकड़े गए। तीनों बोरिंग रोड में रेंट पर ठहरे थे। तीनों अलग अलग जवाब दे रहे हैं। कोई दो दिन पहले तो कोई 20 दिन पहले पटना आने की बात कह रहा है। सही जवाब नहीं दे रहे हैं। इन्होंने कहा है कि कोई सुरेश नाम के शख्स को डिलिवरी देने जा रहे थे। पुलिस की ओर से सनहा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस की ओर से इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को सूचित किया गया है। टीम इसकी जांच पड़ताल करेगी। पुलिस को इनके मोबाइल से हवाला के साक्ष्य मिले हैं। पुलिस इनसे रुपए का हिसाब मांग रही है।

राहुल, प्रियंका गांधी और बिहार प्रदेश अध्यक्ष पर हुई एफआईआर

पटना। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी, कांग्रेस के बिहार प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार, औरंगाबाद सदर विधायक आनंद शंकर सिंह एवं अन्य अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह प्राथमिकी भाजपा नेता मृत्युंजय कुमार सिंह ने औरंगाबाद नगर थाना में दर्ज कराई है। इस प्राथमिकी से औरंगाबाद समेत बिहार की राजनीति में भूचाल आ गया है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 352/79, 318(4) और आईटी एक्ट 2000 की धारा 67 के तहत दर्ज की गई प्राथमिकी संख्या-479/25 में भ्रामक और अपमानजनक भाषा के जरिए जनता को धोखा देने, चुनाव को प्रभावित करने का प्रयास और महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। प्राथमिकी के अनुसंधान का जिम्मा औरंगाबाद नगर थाना के पीएसआई समीर कुमार सिंह को सौंपा गया है। मामले की प्राथमिकी दर्ज कराने वाले भाजपा नेता और पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह के कार्यालय प्रतिनिधि मृत्युंजय कुमार सिंह ने बताया कि 4 अगस्त को उन्होंने अपने मोबाइल नंबर पर एक व्हाट्सएप स्टेटस में वीडियो देखा, जिसमें एक मस्जिद की तस्वीर, एक युवक की आवाज, और महिलाओं से 'योजना फार्म' भरने की अपील की गई थी। वीडियो में युवक कहता है कि औरंगाबाद की मां-बहनों को हर माह 2500 रूपया मिलेगा। चाहे गोरी हो या काली-कलूटी, हर लड़की इस फार्म को भर सकती है। मृत्युंजय कुमार सिंह ने कहा कि इस वीडियो में दिखाई देने वाले फॉर्म पर कांग्रेस नेताओं की तस्वीरें हैं और इस प्रकार की भ्रामक और अपमानजनक भाषा के जरिए जनता को धोखा, चुनाव को प्रभावित करने का प्रयास और महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाया जा रहा है। प्राथमिकी में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, कुटुम्बा के विधायक व कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार, औरंगाबाद सदर विधायक आनंद शंकर सिंह समेत उन सभी अज्ञात को अभियुक्त बनाया गया है, जो वीडियो में दिख रहे हैं तथा जिनकी आवाज में वीडियो रिकॉर्ड है। शिकायतकर्ता का कहना है कि इस वीडियो के जरिए महागठबंधन नेताओं की छवि का इस्तेमाल कर एक झूठी सरकारी योजना का प्रचार किया जा रहा है, जबकि वास्तव में ऐसी कोई योजना सरकार द्वारा नही चलाई जा रही है। मामले में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार ने कहा कि यह भाजपा वालों की कांग्रेस को बदनाम करने के लिए की गई करतूत है। उन्होंने कहा कि यह वीडियो न तो कांग्रेस पार्टी और न ही मेरे व्यक्तिगत सोशल मीडिया हैंडल से पोस्ट किया गया है। कांग्रेस पार्टी ही महिलाओं को सम्मान देती है। पार्टी इस वीडियो को पोस्ट करने वाले सोशल मीडिया हैंडल की जांच कराएगी और कार्रवाई भी सुनिश्चित करेगी। इस मामले में औरंगाबाद के सदर विधायक आनंद शंकर सिंह ने कहा कि जिस योजना की बात वीडियो और प्राथमिकी में की जा रही है, वह महागठबंधन के प्रस्तावित मेनिफेस्टो का हिस्सा जरूर है लेकिन इसे कांग्रेस पार्टी के किसी भी सोशल मीडिया हैंडल से पोस्ट नही किया गया है। यह कांग्रेस को बदनाम करने की करतूत है। सभी राजनीतिक दल अपने-अपने घोषणापत्र का प्रचार-प्रसार करते हैं।

भागलपुरः नवविवाहिता की फंदे से लटकी मिली लाश

भागलपुर। नवविवाहिता का फंदे से लटका हुआ शव मिला है। घटना, भवानीपुर थाना क्षेत्र के वीरबान्ना गांव की है। मृतका की पहचान पूर्णिया के रुपौली निवासी स्वेता कुमारी (20) के तौर पर हुई है। 8 महीने पहले (15 अगस्त) को उसकी शादी बीरबन्ना गांव निवासी जाधव मंडल से हुई थी। मृतका की मां के अनुसार शादी के बाद से लड़की मानसिक रूप से डिस्टर्ब रहती थी। पति जाधव मंडल का अवैध संबंध उनकी भाभी से था, जिसको लेकर बेटी परेशान रहती थी। घटना के बाद ससुराल वाले नवगछिया पहुंचे, उन्होंने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया है। मौके पर फोरेंसिक टीम बुलाकर घटनास्थल से साक्ष्य को एकत्रित किया है। मृतका की मां रंजू देवी ने बताया कि " पति शादी के बाद से प्रताड़ित करता था। उन्होंने अपने ही दामाद पर बेटी की हत्या का आरोप लगाया है। मृतका की मां ने कहा कि बेटी की हत्या कर शव को फंदे में टांग दिया। दरअसल, मृतिका श्वेता कुमारी का शव पंखे के हुक से दुपट्टे के सहारे लटका हुआ मिला था।

घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। फिलहाल पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया में भेज दिया है। मृतका की मां के लिखित आवेदन के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बिहार-झारखंड परमिट व्यवस्था में देरी से वाहन मालिक परेशान

पटना। बिहार और झारखंड के बीच अंतरराज्यीय बस परिचालन के लिए परमिट की स्वीकृति और नवीकरण की प्रक्रिया में हो रही देरी ने वाहन मालिकों की चिंता बढ़ा दी है। बिहार मोटर ट्रांसपोर्ट फेडरेशन ने राज्य परिवहन आयुक्त को पत्र भेजकर समस्याओं के समाधान की मांग की है। परिवहन विभाग को सौंपे ज्ञापन में बताया गया है कि परमिट की प्रक्रिया में छह माह से एक साल तक का समय लग रहा है, जिससे निजी बस मालिकों को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। ज्ञापन में कहा गया है कि परमिट की स्वीकृति के बाद भी संबंधित वाहन मालिकों तक मूल दस्तावेज नहीं पहुंच रहे हैं।इसके अलावा मुख्यालय से पत्र जारी होने के बावजूद वाहन मालिकों को इसकी जानकारी भी नहीं मिल रही है। फेडरेशन के अध्यक्ष उदय शंकर प्रसाद सिंह ने बताया कि चालकों की समस्याओं को लेकर 10 अगस्त को पटना में एक बड़ी बैठक आयोजित की गई है। बैठक में राज्यव्यापी चक्का जाम और अनिश्चितकालीन हड़ताल पर विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एक और बड़ी समस्या यह सामने आई है कि बिहार द्वारा हस्ताक्षरित परमिट को झारखंड में मान्यता नहीं मिल रही है, जिससे बसों को वहां सीमा पर खड़ा रखना पड़ रहा है और यात्री परेशान हैं। वाहन मालिकों का कहना है कि पहले की परमिट व्यवस्था में 0-5 साल पुराने वाहनों के लिए 600 किलोमीटर और 5-10 साल पुराने वाहनों के लिए 400 किलोमीटर तक की सीमा थी। अब नई बसों की गुणवत्ता में काफी सुधार हुआ है, लेकिन पुरानी व्यवस्था में अभी भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। महासंघ ने राज्य सरकार से माँग की है कि बिहार-झारखंड के बीच परमिट व्यवस्था को सरल और पारदर्शी बनाया जाए। साथ ही, दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित कर इस समस्या का शीघ्र समाधान किया जाए।

पटना एम्स में डॉक्टरों की हड़ताल जारी

ओपीडी और इमरजेंसी सेवाएं ठप

फुलवारीशरीफ। एम्स पटना में डॉक्टरों की हड़ताल पांचवें दिन मंगलवार को भी जारी रही। खत्म होने के बजाय स्थिति और गंभीर होती जा रही है। आइजीआइएमएस समेत अन्य मेडिकल कॉलेजों के जूनियर डॉक्टरों ने भी उनके समर्थन में प्रदर्शन शुरू कर दिया है और ओपीडी का बहिष्कार करने की धमकी दी है। हड़ताल के कारण मरीजों को हो रही परेशानी को देखते हुए आइजी और एसपी सिटी मंगलवार की दोपहर एम्स पहुंचे और डॉक्टरों से काम पर लौटने का आग्रह किया। डॉक्टरों ने दो टूक कहा कि जब तक विधायक उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी वापस नहीं ले लेते, तब तक वे इलाज शुरू नहीं करेंगे।वहीं, विधायक ने भी कहा है कि उनके साथ मारपीट की गई है और वे किसी भी कीमत पर माफी मांगकर समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने बताया कि इस मामले में उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से भी बात की है। एम्स निदेशक डॉ. सौरभ वार्ष्णेय ने कहा कि मरीजों की देखभाल उनकी प्राथमिकता है। रेजिडेंट डॉक्टर अस्पताल का अभिन्न अंग हैं और उनके बिना इलाज पूरी तरह ठप है। ओपीडी-इमरजेंसी ठप, सर्जरी कराने आए मरीज भी लौटेः एम्स पटना में डॉक्टरों की हड़ताल पीड़ित मानवता का दर्द बढ़ा रही है। राज्य और पड़ोसी राज्यों से औसतन चार हजार मरीज प्रतिदिन ओपीडी में इलाज के लिए आते हैं। वहीं दूर-दराज के जिलों से गंभीर मरीज इमरजेंसी-ट्रॉमा सेंटर आते हैं। मंगलवार को छोटे-बड़े करीब 80 ऑपरेशन टल गए। मरीजों ने बताया कि चार से छह घंटे इंतजार के बाद सर्जरी की तारीख आ गई, लेकिन हड़ताल के कारण डॉक्टर उन्हें देख भी नहीं रहे, भर्ती और ऑपरेशन करना तो दूर की बात है। अब मरीजों का दर्द खुलकर फूटने लगा है। वे कह रहे हैं कि गलती किसी की भी हो, उनके मरीज का क्या कसूर। बेहतर होगा कि एम्स बंद ही कर दिया जाए ताकि वे सुबह पांच बजे आकर रजिस्ट्रेशन के लिए कतार में न लगें। बता दें कि मंगलवार को भी रजिस्ट्रेशन काउंटर के बाहर सैकड़ों लोग सुबह से ही कतार में लगे थे, लेकिन जब खुलने का समय आया तो कर्मचारियों ने बताया कि सभी सीनियर और जूनियर डॉक्टर हड़ताल पर हैं, इसलिए रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाएगा। अच्छी बात यह है कि गार्ड और अन्य कर्मचारी इमरजेंसी और ट्रॉमा में आने वाले मरीजों को डॉक्टरों की हड़ताल की जानकारी दे रहे हैं और उन्हें दूसरे अस्पताल ले जाने की सलाह दे रहे हैं। वहीं, कुछ डॉक्टरों ने कहा कि वे मरीजों की परेशानी से व्यथित हैं, लेकिन जब तक सुरक्षा सुनिश्चित नहीं होती, तब तक सेवा नहीं दी जा सकती। 30 जुलाई की रात विधायक चेतन आनंद अपनी पत्नी के साथ किसी परिचित से मिलने पटना एम्स पहुँचे थे। आरोप है कि वहाँ उनके साथ मारपीट की गई और करीब आधे घंटे तक बंधक बनाकर रखा गया। वहीं, डॉक्टरों और सुरक्षाकर्मियों का दावा है कि विधायक के सुरक्षाकर्मी हथियार लेकर परिसर में घुसने की कोशिश कर रहे थे, जिसके चलते विवाद शुरू हुआ। डॉक्टर एकतरफा एफआईआर दर्ज करने और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगा रहे हैं।

दुनिया के इन जादुई झरनों को देखकर बन जाएगा आपका दिन, छूमंतर होगा सारा स्ट्रेस

दुनिया भर में प्राकृतिक सुंदरता का एक अनोखा अनुभव झरनों में देखने को मिलता है। ऊंचाई से गिरने हुए पानी का नजारा काफी मनमोहक होता है। ऊंचाई से गिरने हुए पानी का नजारा देखना लोगों के मन को सुकून पहुंचाने के साथ रोमांच का अनुभव कराता है। बता दें कि दुनिया में कई ऐसे झरने हैं, जिनकी ऊंचाई और सुंदरता उनको खास बनाती है। इन झरनों की ऊंचाई सुनकर कोई भी चौंक जाएगा, वहीं इनकी सुंदरता भी उतनी ही सुकूनदायक है।

पहाड़ों, गहरी घाटियों और हरियाली बीच बहते हुए यह झरने प्राकृतिक कला का अनूठा और अद्वितीय उदाहरण है। अगर आप भी प्रकृति प्रेमी है और घूमने के भी शौकीन हैं, तो आपको दुनिया के सबसे ऊंचे और खूबसूरत झरनों का दीदार करना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दुनिया के कुछ सबसे ऊंचे और खूबसूरत झरनों के बारे में बताने जा रहे हैं।

एंजेल फॉल्स , वेनेजुएला

वेनेजुएला दक्षिणी अमेरिकी महाद्वीप पर एक देश है। जहां पर एंजेल फॉल्स बहता है। वेनेजुएला का यह एंजेल फॉल्स दुनिया का सबसे ऊंचा झरना है। जोकि वेनेजुएला के केनैमा नेशनल पार्क में स्थित है। इस झरने की धारा इतनी ऊंचाई से गिरती है कि पानी नीचे तक पहुंचते-पहुंचते बारीक-बारीक बूंदों में बदल जाता है।

टुगेला फॉल्स, दक्षिण अफ्रीका

दक्षिण अफ्रीका में मौजूद टुगेला फॉल्स की ऊंचाई 3,110 फीट है। बारिश के मौसम में यहां का नजारा देखने लायक है। यह रॉयल नेटल नेशनल पार्क के ड्रेकेन्सबर्ग माउंटेन्स पर स्थित है।

थ्री सिस्टर्स फॉल्स, पेरू

पेरू एक बेहद खूबसूरत जगह है, जहां पर आपको थ्री सिस्टर्स फॉल्स नाम का शानदार जलप्रपात देखने को मिलेगा। यह अमेजन जंगल के बीच स्थित है और तीन स्तरों में बहता है। इसी वजह से इसका नाम %थ्री सिस्टर्स% पड़ा। ट्रैकिंग और रोमांच पसंद करने वालों के लिए यह जगह जन्नत से कम नहीं है।

ओलूपेना फॉल्स, हवाई

संयुक्त राज्य अमेरिका के हवाई में करीब 900 मीटर की ऊंचाई पर ओलूपेना फॉल्स है। ओलूपेना फॉल्स सीधे समंदर से लगती चट्टानों से गिरता है और सिर्फ बोट या हेलिकॉप्टर से ही देखा जा सकता है।

युंबिला फॉल्स, पेरू

बता दें कि युबिला फॉल्स सबसे ऊंचे झरनों में शामिल है, यह पेरू में है। हाल ही में खोज में यह झरना पाया गया है। जोकि पेरू के घने जंगलों में छिपा है और अब धीरे-धीरे फेमस हो रहा है। यहां पर आपको चारों ओर मनमोहक नजारा देखने को मिलेगा।

श्रीनगर सिर्फ एक शहर नहीं, एक ऐसा अनुभव जो आपकी रूह को छू जाए!

भारत के जम्मू और कश्मीर राज्य की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर को धरती का स्वर्ग यूं ही नहीं कहा जाता। हरे-भरे बाग़, बर्फ से ढकी पहाड़ियाँ, शांत झीलें और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत श्रीनगर को न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में एक अनूठा पर्यटन स्थल बनाते हैं।

प्राकृतिक सौंदर्य और झीलों का शहर

श्रीनगर की सबसे प्रसिद्ध पहचान डल झील है। इसमें हाउसबोट पर रहने का अनुभव जीवन भर याद रहता है। शिकारा की सवारी करते हुए झील के शांत पानी पर तैरते बाजार, कमल के फूल और आसपास के हिमालयी नज़ारे किसी स्वप्न से कम नहीं लगते। नगीन झील भी पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो शांति और एकांत की तलाश में होते हैं।

बाग-बग़ीचों की सौगात

मुग़ल बादशाहों ने श्रीनगर में कई खूबसूरत बाग़ बनवाए, जिनमें प्रमुख हैं:

शालीमार बाग़

निशात बाग़

चश्म-ए-शाही

ये बाग़ झेलम नदी के किनारे स्थित हैं और यहाँ से झील व पर्वतों का दृश्य अत्यंत मनोरम दिखाई देता है।

धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल

श्रीनगर में कई ऐतिहासिक मस्जिदें और मंदिर हैं। इनमें प्रमुख हैं:

हज़रतबल दरगाह- जहाँ पैगंबर मोहम्मद का एक पवित्र अवशेष रखा गया है।

शंकराचार्य मंदिर- जो एक पहाड़ी पर स्थित है और वहाँ से श्रीनगर का विहंगम दृश्य दिखाई देता है।

जामा मस्जिद- पुरानी कश्मीर वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण।

स्थानीय बाजार और हस्तशिल्प

श्रीनगर के बाज़ारों में कश्मीरी कालीन, पश्मीना शॉल, लकड़ी की नक़्क़ाशी और कागजी माछे की कला खरीदने लायक होती है। लाल चौक, बादशाह चौक और रेजिडेंसी रोड मुख्य शॉपिंग स्थान हैं।

खानपान की विशेषता - कश्मीरी व्यंजन विश्वविख्यात हैं। रोगनजोश, यखनी, दुम

आलू, और गुस्ताबा जैसे व्यंजन स्वादिष्ट और मसालेदार होते हैं। चाय प्रेमियों को कहवा ज़रूर आजमाना चाहिए - यह केसर और सूखे मेवों से बना एक पारंपरिक पेय है।

पर्यटन के लिए उपयुक्त समय

श्रीनगर जाने का सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर के बीच होता है, जब मौसम सुहावना रहता है। बर्फबारी का आनंद लेना हो तो दिसंबर से फरवरी का समय उपयुक्त है।

श्रीनगर केवल एक शहर नहीं, बल्कि एक अनुभव है- जहाँ हर मोड़ पर प्रकृति, संस्कृति और शांति एक साथ मिलती हैं। यदि आप प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक विरासत और मेहमाननवाज़ी का मिश्रण चाहते हैं, तो श्रीनगर आपकी अगली यात्रा सूची में अवश्य होना चाहिए।

मांडू पर्यटनः प्रेम, वास्तुकला और इतिहास की अद्भुत नगरी

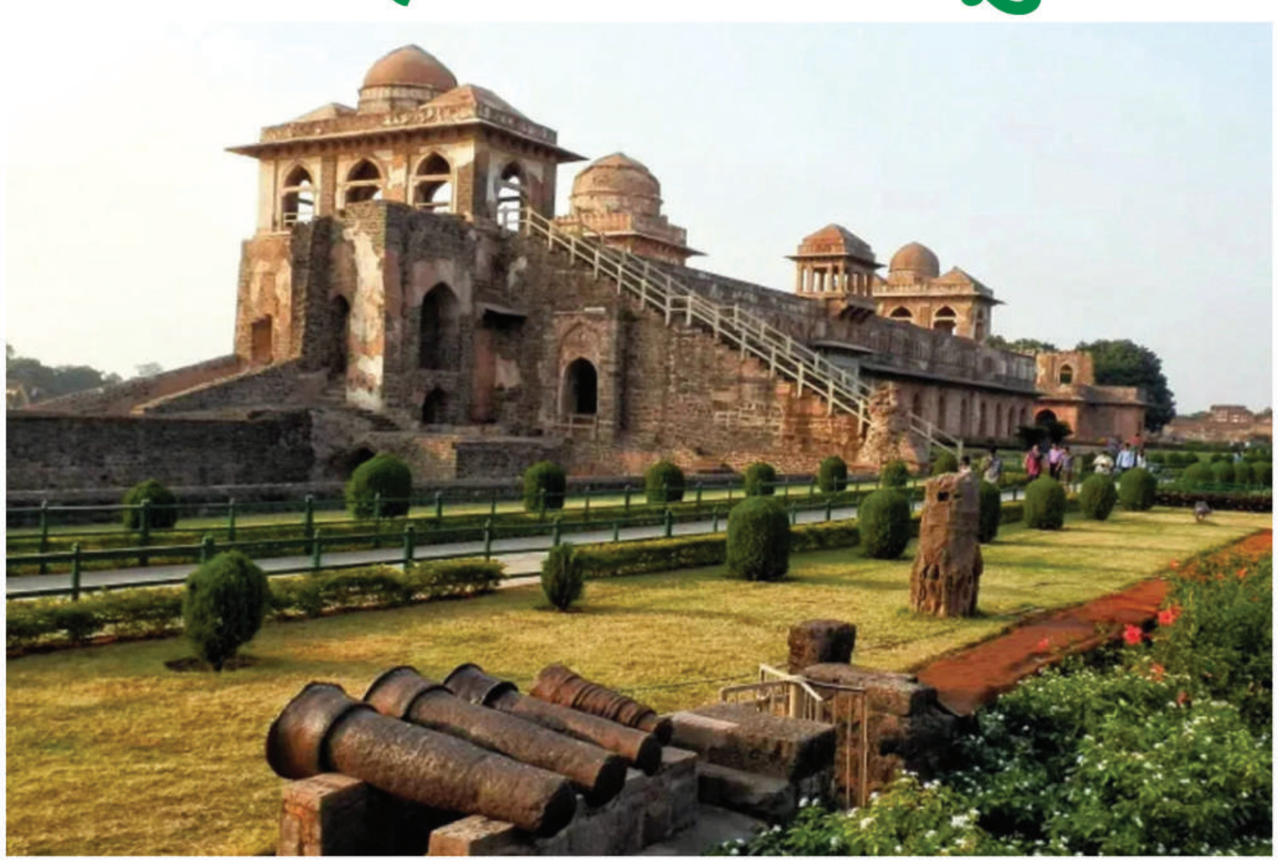

मध्य प्रदेश के धार ज़िले में स्थित मांडू जिसे मांडवगढ़ या शादीशुदा पत्थरों का शहर भी कहा जाता है, भारतीय पर्यटन मानचित्र पर एक अनूठा और ऐतिहासिक स्थल है। पहाड़ियों पर बसा यह नगर न केवल स्थापत्य कला और प्राचीन स्मारकों के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि रानी रूपमती और बाज बहादुर की अमर प्रेम कहानी के लिए भी मशहूर है। मांडू की हवाओं में इतिहास की गूंज, प्रेम की सरगम और स्थापत्य का सौंदर्य साथ-साथ बहता है।

मांडू का ऐतिहासिक परिचय

मांडू का इतिहास लगभग 6वीं शताब्दी से जुड़ा हुआ है, लेकिन इसका स्वर्ण युग मालवा सल्तनत (15वीं सदी) के दौरान आया। इस दौरान यहाँ कई भव्य महलों, मस्जिदों, बावड़ियों और दरवाजों का निर्माण हुआ। मांडू की भौगोलिक स्थिति— विंध्याचल की पहाड़ियों पर और नर्मदा घाटी के किनारे— इसे एक स्वाभाविक किला बनाती है।

मांडू के प्रमुख दर्शनीय स्थल

1.जहाज महल

यह महल दो झीलों— कपूर तालाब और मुंज तालाब— के बीच स्थित है, जिससे यह एक जहाज की तरह प्रतीत होता है। इसका निर्माण 15वीं सदी में सुल्तान ग़ियासुद्दीन खिलजी ने अपनी 15,000 रानियों के लिए करवाया था। रात्रि में इसका प्रतिबिंब जल में झलकता है, जो एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है।

2.हिंदोला महल

हिंदोला (झूला) महल अपनी झुकी हुई दीवारों के कारण प्रसिद्ध है। इसका उपयोग दरबारी सभाओं के लिए किया जाता था। इसकी स्थापत्य शैली वास्तुकला के चमत्कारों में गिनी जाती है।

3.रूपमती महल

यह वह स्थान है जहाँ से रानी रूपमती नर्मदा नदी को निहारती थीं। यह प्रेम कहानी का सबसे भावनात्मक स्थल है, जहाँ से मांडू की घाटी और नर्मदा के दर्शन होते हैं।

4.बाज बहादुर महल

यह महल मांडू के अंतिम स्वतंत्र शासक बाज बहादुर का निवास था। इसकी वास्तुकला में राजपूत और मुस्लिम शैलियों का संगम देखने को मिलता है।

5.जामा मस्जिद

यह मस्जिद दिल्ली की जामा मस्जिद से प्रेरित है और मांडू के स्थापत्य वैभव को दर्शाती है। इसके विशाल प्रांगण और सुंदर मेहराबें इसकी विशेषता हैं।

6.रेवा कुंड

यह पवित्र कुंड नर्मदा नदी को समर्पित है और माना जाता है कि रूपमती इसी से जल ग्रहण करती थीं।

मांडू उत्सव

प्रत्येक वर्ष दिसंबर-जनवरी के महीने में मांडू उत्सव का आयोजन होता है, जिसमें स्थानीय लोक-संगीत, नृत्य, कला प्रदर्शन, साइकिल टूर और हॉट एयर बलून जैसी गतिविधियाँ होती हैं। यह उत्सव मांडू को जीवंत रूप देता है।

कैसे पहुँचे?

निकटतम हवाई अड्डा: इंदौर (लगभग 100 किमी)

रेलवे स्टेशन: इंदौर और रतलाम दोनों से सड़क मार्ग उपलब्ध

सड़क मार्ग: इंदौर, धार और महेश्वर से मांडू के लिए बसें और टैक्सियाँ आसानी से मिलती हैं

ठहरने की व्यवस्था

मांडू में मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संचालित होटल और कुछ निजी रिसॉर्ट्स उपलब्ध हैं। प्राकृतिक सुंदरता के बीच रुकना अपने आप में एक अद्वितीय अनुभव होता है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

अक्टूबर से मार्च के बीच मांडू घूमने के लिए सबसे उपयुक्त समय होता है। खासकर मानसून के बाद (जुलाई-सितंबर) मांडू की हरियाली और झीलें इसे और भी सुंदर बना देती हैं।

मांडू केवल एक ऐतिहासिक नगर नहीं, बल्कि एक जीवित कथा है— प्रेम, कला और संस्कृति की। यहाँ की हवाएं रूपमती के सुरों को, दीवारें बाज बहादुर के प्रेम को और झीलें बीते समय की परछाइयों को संजोए हुए हैं। यदि आप एक शांत, सुंदर और ऐतिहासिक स्थल की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो मांडू अवश्य आपकी सूची में होना चाहिए।

मानसून में इन जगहों पर पास से महसूस कर पाएंगे प्रकृति की खूबसूरती

मानसून का मौसम आते ही बारिश की बूंदे पर धरती पर पड़ती हैं, तो प्रकृति अपनी खूबसूरती के चरम पर पहुंच जाती है। बारिश के मौसम में भारत के कुछ स्थलों पर अद्भुत नजारे देखने को मिलते हैं। हरे-भरे जंगल, पहाड़ों से गिरते झरने, घनघोर बादलों से ढकी घाटियां और ठंडी हवाएं मन को सुकून देने का काम करती हैं। बारिश आपको प्रकृति से जुड़ने का मौका देती है। इस मौसम में घूमना और प्रकृति की खूबसूरती को महसूस करना आपको एक अलग एक्सपीरियंस दे सकता है।

इस मानसून में आप एक छोटा सा ब्रेक लेकर भीगती वादियों की सैर पर निकल जाएं। फिर चाहे वह फैमिली आउटिंग, सोलो एडवेंचर या रोमांटिक ट्रिप हो। भारत की कुछ जगहें मानसून में आपके अनुभव को यागदार बना देंगी। ऐसे में अगर आप भी बारिश में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो भारत की इन जगहों को आपकी ट्रैवल लिस्ट में जरूर शामिल करें।

महाबलेश्वर, महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के महाबलेश्वर हिल स्टेशन की खूबसूरती मानसून में देखने लायक होती है। यहां के हरे-भरे पहाड़, शानदार घाटियां और स्ट्रॉबेरी फार्म काफी लोकप्रिय हैं। मानसून में बादलों से ढके रास्ते और बहते हुए झरने इस जगह की सुंदरता को बढ़ा देते हैं। आप यहां पर वेन्ना लेक, आर्थर सीट और प्रतापगढ़ किला घूम सकते हैं।

लोनावला-खंडाला, महाराष्ट्र

मुंबई और पुणे के पास स्थिति लोनावला और खंडाला हिल स्टेशन बेहद खूबसूरत नजर आता है। यह जगह मानसून में हरियाली से ढक जाता है। झरने, ट्रेकिंग और खूबसूरत घाटियों के लिए यह मौसम बेस्ट है। अगर आप खंडाला और लोनावला घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो कुछ जगहें आकर्षण का केंद्र रहती हैं। आप यहां पर टाइगर पॉइंट, भुशी डैम और राजमाची किले को एक्सप्लोर करें।

अलेप्पी, केरल

अगर आप भी मानसून में बैकवॉटर का अनुभव और हाउसबोट की अनोखी सैर करना चाहते हैं, तो आपको केरल के अलेप्पी की ट्रिप प्लान कर सकते हैं। बारिश की फुहारों के साथ शांत जल में हाउस बोट पर तैरते रहना आपको एक अलौकिक अनुभव देगा।

मुन्नार, केरल

केरल का मुन्नार चाय के बागानों के लिए काफी ज्यादा फेमस है। बारिश में इन्हीं चाय के बागानों की हरियाली दोगुनी हो जाती है और यह काफी खूबसूरत नजर आती है। यहां पर बादलों से घिरे पहाड़ और शांत झीलें मनमोहक अनुभव कराती हैं। मानसून में मुन्नार एक फोटो परफेक्ट हिल स्टेशन बन जाता है। यहां पर आप एराविकुलम नेशनल पार्क और मट्टुपेट्टी डैम आदि को एक्सप्लोर कर सकती हैं।

चेरापूंजी, मेघालय

दुनिया में सबसे अधिक बारिश वाले स्थानों में से एक मेघालय का चेरापूंजी है। यहां पर मानसून में सबसे ज्यादा बारिश होती है। लेकिन मानसून में चेरापूंजी का आकर्षण कई गुना बढ़ जाता है। यहां पर झरने, बारिश और लिविंग रूटब्रिज इस जगह को खास बनाती हैं। अगर आप मानसून में चेरापूंजी की यात्रा करने का प्लान कर रहे हैं, तो आपको सेवन सिस्टर्स फॉल्स और नोक्रेक बायोस्फीयर रिजर्व जरूरे एक्सप्लोर करना चाहिए।

शुभमन सहित तीन खिलाड़ी आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार की दौड़ में शामिल

दुबई (एजेंसी)। भारतीय कप्तान शुभमन गिल को बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के वियान मुल्डर और इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) के जुलाई महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामित किया गया। गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ हाल में समाप्त हुई पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में आगे बढ़कर नेतृत्व किया और बल्लेबाजी में कई रिकॉर्ड अपने नाम लिखे। भारत की युवा टीम ने यह श्रृंखला 2-2 से ड्रॉ की।

गिल ने श्रृंखला में 75.40 की औसत और चार शतकों की मदद से 754 रन बनाए। उन्होंने एक दोहरा शतक भी लगाया। इस 25 वर्षीय बल्लेबाज ने श्रृंखला में किसी भारतीय कप्तान द्वारा सर्वाधिक रन बनाने का सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड (732) तोड़ा। गिल का प्रदर्शन अब सर्वकालिक कप्तानों की सूची में सर डोनाल्ड ब्रैडमैन (810 रन) के बाद दूसरे स्थान पर है। आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर लिखा, 'शुभमन गिल के लिए यह महीना शानदार रहा। उन्होंने इस रोमांचक श्रृंखला के दौरान इस महीने में तीन टेस्ट मैचों में 94.50 की औसत से 567 रन बनाए।'

आईसीसी ने कहा, 'उन्होंने एजबेस्टन में भारत की रिकॉर्ड जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने इस मैच की पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन बनाए। इस तरह से उन्होंने मैच में कुल 430 रन बनाए जो किसी एक टेस्ट में ग्राहम गूच के 456 रन के बाद दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है।' आईसीसी ने कहा कि गिल ने नंबर चार पर 'सर्वकालिक महान' विराट कोहली की विरासत को आगे बढ़ाया।

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान के रूप में अपने पहले मैच में मुल्डर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ नाबाद 367 रन की विशाल पारी खेली। उन्होंने अपनी टीम की पारी उस समय घोषित कर दी, जब वह महान ब्रायन लारा के 2004 में इंग्लैंड के खिलाफ बनाए गए सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर नाबाद 400 के रिकॉर्ड को तोड़ सकते थे। उन्होंने दो मैचों में 265.50 की औसत से 531 रन बनाए।

आईसीसी ने कहा, 'मुल्डर ने गेंदबाजी में भी योगदान दिया तथा 15.28 की औसत से सात विकेट लिए, जिसमें पहले टेस्ट में लिए गए चार विकेट भी शामिल हैं।' आईसीसी ने भारत के खिलाफ स्टोक्स के हरफनमौला प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, 'उन्होंने 50.20 की औसत से 251 रन बनाए और 26.33 की औसत से 12 विकेट लिए। उन्होंने दबाव की परिस्थितियों में बल्ले और गेंद दोनों से अच्छा प्रदर्शन किया।'

संजू सैमसन छोड़ेंगे राजस्थान रॉयल्स का साथ? केकेआर/सीएसके में शामिल होने की सच्चाई आई सामने

मुम्बई (एजेंसी)। हाल ही में संजू सैमसन को लेकर कहा जा रहा था कि, वह अगले आईपीएल 2026 सीजन के लिए चेन्नई सुपर किंग्स का थामन थाम सकते हैं। हालांकि, अब कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, संजू इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सीजन में अपनी फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स का साथ नहीं छोड़ेंगे।

दरअसल, कहा जा रहा था कि, संजू सैमसन आईपीएल के नए सीजन के लिए सीएसके या केकेआर के साथ जा सकते हैं। लेकिन अब टाइम्स ऑफ इंडिया ने एक सूत्र के हवाले से कहा है कि, राजस्थान रॉयल्स ने फिलहाल सैमसन या अपने किसी भी अन्य खिलाड़ी को ट्रेड नहीं करने का फैसला किया है। सैमसन रॉयल्स टीम का अभिन्न अंग हैं और टीम के निर्विवाद कप्तान भी हैं।

30 वर्षीय संजू सैमसन का आरआर के साथ एक दशक से भी पुराना रिश्ता है। इस खिलाड़ी ने 2013 में पहली बार राजस्थान का हाथ थामा था और 2016 और 2017 सीजन को छोड़कर तब से वह आरआर के साथ हैं।

वहीं आईपीएल 2025 में सैमसन ने 9 पारियों में 35.62 की औसत और 140.39 की स्ट्राइक रेट से 285 रन बनाए। इस बीच उनके बल्ले से 1 अर्धशतक भी निकला था। आईपीएल 2024 में उन्होंने 16 मैच में 531 रन बनाए थे।

एशिया कप 2025 से पहले जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की होगी 'अग्नि' परिक्षा

मुम्बई (एजेंसी)। हाल ही में संपन्न एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में भारतीय टीम की सफलता के बाद जहां मेहमान टीम ने श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली थी, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) अब अपने प्रमुख खिलाड़ियों का ध्यान रखना चाहता है। खास बात यह है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह का एशिया कप से पहले परीक्षण किया जा सकता है।

हाल के दिनों में भारत के लिए सबसे खास श्रृंखलाओं में से एक में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने शानदार प्रदर्शन किया। बुमराह 5 में से केवल तीन मैचों में ही खेले, लेकिन सिराज ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और पांचों टेस्ट में हिस्सा लेते हुए 185 से ज़्यादा ओवर फेंके और 23 विकेट लिए। पिछले दो महीनों में इतने ज्यादा कार्यभार को देखते हुए BCCI अब 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप से पहले इन दोनों खिलाड़ियों पर ध्यान दे रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार BCCI अब यह सुनिश्चित करना चाहता है कि दोनों तेज गेंदबाज एक महीने के ब्रेक के दौरान पूरी तरह फिट रहें। उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए चयन बैठक से पहले उनकी फिटनेस का आकलन किया जाएगा, जो अगस्त के अंत में होनी है। गौरतलब है कि एशिया कप 9 सितंबर से शुरू होगा जबकि भारत अपना पहला मैच 10 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के खिलाफ खेलेगा, जबकि फाइनल 28 सितंबर को होना है।

केवल 6 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच होने हैं, लेकिन इसके बावजूद BCCI कोई जोखिम नहीं लेना चाहता, क्योंकि एशिया कप के तुरंत बाद भारतीय टीम 2 अक्टूबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलेगी।

'हम जानते हैं कि हमारी टीम में सुधार की गुंजाइश है' : ब्रेंडन मैकुलम

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम का कहना है कि उन्होंने उन क्षेत्रों की पहचान कर ली है जहां इंग्लैंड को एशेज से पहले सुधार करना होगा, जब भारत के खिलाफ एक रोमांचक सीरीज 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुई और मुख्य कोच का मानना है कि पांचवें टेस्ट में भारतीय टीम जीत की हकदार थी।

भारत ने इस एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी सीरीज के 25वें और आखिरी दिन 56 मिनट के शानदार खेल में 2-1 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 6 रन की जीत हासिल की, जो रनों के लिहाज से उनकी सबसे कम अंतर की जीत थी। इसका मतलब यह था कि इंग्लैंड 2018 के बाद से भारत के खिलाफ पहली सीरीज जीत से चूक गया। मैकुलम और बेन स्टोक्स के नेतृत्व में उन्होंने अभी तक भारत या ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कोई सीरीज जीत दर्ज नहीं की है। चूंकि इंग्लैंड अब सितंबर में दक्षिण अफ्रीका और आयरलैंड के खिलाफ सफ़ेद गेंद की सीरीज में उतरेगा, इसलिए खिलाड़ियों के पास आराम करने का समय है।

साल की शुरुआत से ही कोच के रूप में मैकुलम दोनों चुनौतियों में शामिल रहेंगे। लेकिन उनका तात्कालिक ध्यान, एक बार सब कुछ शांत हो जाने के बाद, पिछले सात हफ्तों पर रहेगा कि क्या काम आया और क्या नहीं। नवंबर में पर्थ में पहले एशेज टेस्ट से पहले तैयारी करना उनका प्राथमिक लक्ष्य होगा। मैकुलम ने कहा, 'हम पहले सब कुछ शांत होने देंगे और हम यह पता लगाएंगे कि क्या अच्छा रहा है और फिर यह तय करना शुरू करेंगे कि हम कैसे सुधार कर सकते हैं, ताकि जब हम ऑस्ट्रेलिया पहुंचें, तो हमारे पास एक बड़ा मौका हो। हम जानते हैं कि हमारे पास सुधार की कुछ गुंजाइश है।'

उन्होंने कहा, 'जब आप खिलाड़ियों को दबाव में अपनी सीमाओं से परे जाकर प्रदर्शन करते हुए देखते हैं, तो आप हमेशा कुछ न कुछ सीखते हैं। बहुत सी चीजें हैं जिन पर हमें ध्यान देना है क्योंकि हम इसे समझने और उन क्षेत्रों का पता लगाने के लिए समय देंगे जिनमें हम अपनी अगली चुनौती के लिए सुधार कर सकते हैं। कुल मिलाकर, मुझे लड़कों और उनके प्रयासों पर बहुत गर्व है। यह एक प्रतिस्पर्धी सीरीज रही है, जिसमें, कुछ खिलाड़ी चोटिल भी हुए। यह सीरीज़ ड्रॉ हो चुकी है। आप निराश हैं लेकिन आपको उनके प्रयासों पर गर्व है।' स्कोरलाइन 2023 के घरेलू एशेज की तरह है, और हालांकि इंग्लैंड ने दो साल पहले ड्रॉ हासिल करने के लिए वापसी की थी, लेकिन इस गर्मी में भारत के खिलाफ कुछ समानताएं थीं, जिनमें से कुछ ऐसे पल थे जिन्हें मेजबान टीम ने जाने दिया। एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे टेस्ट में, जो ड्रॉ पर समाप्त हुआ, और द ओवल में भी, छूटे हुए कैचों की कीमत उन्हें चुकानी पड़ी। लेकिन शायद सबसे दर्दनाक तब था जब 374 रनों का पीछा करते हुए जो रूट और हैरी ब्रूक ने इंग्लैंड को 301 पर 3 तक पहुंचा दिया था, जिसके बाद 66 रनों के भीतर सात विकेट गिर गए।

मैकुलम छूटे हुए मौकों पर ज्यादा ध्यान नहीं देना चाहते थे, जिसे वह एक उच्च-स्तर की टीम के खिलाफ खेलने की कीमत मानते हैं। इंग्लैंड ने भारत की दूसरी पारी के 396 रनों में छह कैच छोड़े, जिसकी कीमत उन्हें 152 रन पड़ी। उन्होंने कहा, 'हमने इस मैच में बहुत अच्छी कैचिंग नहीं की लेकिन पिछले कुछ सालों में हमने बहुत अच्छी कैचिंग की है। कभी-कभी एक कैच छूटने के बाद और ज्यादा कैच छूटते चले जाते हैं। अगर हमने अपने कैच पकड़े होते तो शायद हम नतीजे के दूसरी तरफ खड़े होते। यही जिंदगी है, खेल में बहुत सी छोटी-छोटी चीजें हैं जिन्हें हम चुन सकते हैं और जिनका बहुत बड़ा प्रभाव होता है। हम एक अच्छी फील्डिंग यूनिट हैं और इस टेस्ट में हमारा प्रदर्शन थोड़ा औसत था।'

उन्होंने कहा, 'हमने उन पर सब कुछ झोंक दिया। यह इस बात का प्रमाण था कि वे एक टीम के रूप में कितने मजबूत हैं। हम जानते थे कि जब वे इंग्लैंड में आएंगे तो यह एक बहुत ही कठिन चुनौती होगी और हमें वह नतीजा पाने के लिए शानदार क्रिकेट खेलना होगा जो हम चाहते थे। कुल मिलाकर मुझे लगा कि यह हिस्सा बनने के लिए एक पूरी तरह से अविश्वसनीय सीरीज थी। इसमें टकराव था, इसमें ठहराव था, इसमें जुनून था और दबाव में कुछ औसत से कम प्रदर्शन भी थे।' मैकुलम ने कहा, 'इस टेस्ट में भारत जिस तरह से अंत तक खेला, मोहम्मद सिराज में अपने 30वें ओवर में 90 मील प्रति घंटे की रफ़्तार से गेंदबाजी करने के लिए एक शेर का दिल दिखाया, जो उनके पांचवें टेस्ट मैच में एक अविश्वसनीय प्रयास था।''

हैरी ब्रूक ने प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने जाने पर असहमति जताई, यह सम्मान इस खिलाड़ी को मिलना चाहिए था

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने भारतीय कोच गौतम गंभीर द्वारा उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने जाने के फैसले पर असहमति जताते हुए कहा कि यह सम्मान 5 टेस्ट मैचों की सीरीज में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए जो रूट को मिलना चाहिए था। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज सीरीज 2-2 से बराबरी पर समाप्त होने के बाद प्रत्येक टीम के कोच ने विरोधी टीम से प्लेयर ऑफ द सीरीज पुरस्कार के लिए एक खिलाड़ी चुना। इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने जहां भारतीय कप्तान शुभमन गिल को चुना, वहीं गंभीर ने ब्रूक को इंग्लैंड का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी चुना। ब्रूक ने अंतिम टेस्ट के चौथे दिन 98 गेंदों पर 111 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिससे इंग्लैंड रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करने की कगार पर पहुंच गया, लेकिन मेहमान टीम 66 रन पर सात विकेट गंवाकर 6 रन से मैच हार गई। ब्रूक ने कहा, 'मैंने रूटी (जो रूट) जितने रन नहीं बनाए, इसलिए मुझे लगता है कि उन्हें मैन ऑफ द सीरीज और फिर से मैन ऑफ द समर चुना जाना चाहिए, जैसा कि वे कई सालों से करते आ रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हम एक बेहतरीन स्थिति में हैं। जाहिर है, यह एक शानदार सीरीज रही है। 2-2, सच कहूं तो मैंने नहीं सोचा था कि यह इस तरह होगी।' ब्रूक ने पांच मैचों की सीरीज में 53.44 की औसत से 481 रन बनाए। वहीं रूट ने 67.12 की औसत से 537 रन बनाए हैं।

शुभमन, सिराज सहित पूरी टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया : गंभीर

नई दिल्ली। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे में शानदार प्रदर्शन के बाद स्वदेश लौट आई है। दिल्ली पहुंचने पर टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कप्तान शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा की। इसके अलावा उन्होंने का कि इस दौरे में सभी ने अच्छा खेला इसलिए ये कहना संभव नहीं है कि किस खिलाड़ी ने सबसे अच्छा खेला। इस दौरे में शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने अंतिम टेस्ट जीतकर सीरीज 2-2 से बराबर कराई। शुभमन ने इस दौरे में 700 से अधिक रन बनाये। गंभीर ने कहा, मुझे लगता है कि शुभमन ने शानदार काम किया है, मैं यही कह सकता हूं और वह भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छा प्रदर्शन करते रहेंगे। उन्होंने साथ ही कहा, हम वाकई बहुत खुश हैं। मुझे लगता है कि हमारे खिलाड़ियों ने पिछले दो महीनों से पांचों टेस्ट मैचों में शानदार प्रदर्शन किया है। वे हर तरह की तारीफ के अधिककारी हैं। गंभीर ने साथ ही कहा कि किसी एक खिलाड़ी का नाम लेना मुश्किल है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मोहम्मद सिराज का प्रदर्शन शानदार रहा है पर केवल उन्होंने और शुभमन ने ही नहीं, बल्कि पूरी टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है। मुझे लगता है कि पिछले दो महीनों में सभी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। सिराज ने इस दौरे पर कुल 23 विकेट लिए। जसप्रीत बुमराह ने तीन मैचों में ही 14 विकेट ले लिए। इसके अलावा केएल राहुल और रविंद्र जडेजा ने भी काफी अच्छी बल्लेबाजी की।

मोहम्मद सिराज हैदराबाद पहुंचे, इंग्लैंड सीरीज के हीरो का स्वागत करने उमड़े प्रशंसक

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज इंग्लैंड के खिलाफ ड्रॉ हुई कड़ी टक्कर वाली टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद बुधवार को अपने गृहनगर हैदराबाद पहुंचे। हैदराबाद पहुंचने पर प्रशंसकों ने सिराज का जोरदार स्वागत किया। सिराज पांच मैचों की सीरीज में जसप्रीत बुमराह के साथ संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा 23 विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। उन्होंने सभी पांच मैच खेले और 185.3 ओवर फेंके।

सिराज टीम के फील्डिंग कोच टी दिलीप के साथ लंदन से मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे और फिर अपने गृहनगर रवाना हो गए। उन्होंने काले रंग के कैजुअल कपड़े पहने हुए थे और प्रशंसकों के एक समूह ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। सेल्फी और ऑटोग्राफ के लिए अनुरोध किए गए, लेकिन सिराज जल्दी से एक कार में सवार होकर हैदराबाद के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट पकड़ने के लिए घरेलू टर्मिनल के लिए रवाना हो गए, जहां एक बार फिर प्रशंसकों के एक समूह ने उनका स्वागत किया।

हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के एक अधिकारी ने बताया, 'हमने अभी तक उनसे बात नहीं की है। लेकिन हम निश्चित रूप से उनके लिए कुछ (सम्मान) योजना बनाएंगे, क्योंकि वह कुछ समय के लिए शहर में रह सकते हैं। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में देश के लिए इतना अच्छा प्रदर्शन किया।'

सिराज का सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन ओवल में अंतिम टेस्ट के 5वें दिन देखने को मिला, जब उनके साहस की बदौलत 374 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड को 367 रनों पर समेट दिया। सिराज ने पारी में 5 विकेट लेकर मैच में कुल 9 विकेट पूरे किए। भारत के टेस्ट इतिहास की सबसे कम रन से जीत (छह रन) के बाद मेहमान टीम ने श्रृंखला में 2-2 से बेहद सराहनीय ड्रॉ हासिल किया।

भारत के कप्तान शुभमन गिल, बुमराह की अनुपस्थिति में सिराज के योगदान से खुश थे, जिन्हें पूर्व-निर्धारित कार्यभार प्रबंधन योजना के अनुसार ओवल टेस्ट से आराम दिया गया था। गिल ने पांचवें टेस्ट के बाद कहा, 'वह (सिराज) एक कप्तान का सपना हैं, हर गेंद, हर स्पैल में उन्होंने पूरी ताकत झोंकी और टीम के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया।'

सिराज ने कहा कि उन्हें हमेशा ओवल में आखिरी दिन अपनी टीम को जीत दिलाने का भरोसा था। मेहमान टीम को महज 35 रनों का बचाव करते हुए चार विकेट लेने थे। उन्होंने कहा, 'मुझे हमेशा से लगता है कि मैं किसी भी मोड़ पर मैच जीत सकता हूं, और आज सुबह भी कुछ अलग नहीं था।'

आने वाले समय में बुमराह को एक ही प्रारुप में उतार सकता है बीसीसीआई

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आने वाले समय में केवल सीमित ओवरों में ही खेलते दिख सकते हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुमराह को फिट बनाये रखने के लिए ही उन्हें इंग्लैंड दौर में तीन टेस्ट मैचों में ही उतारा था। वही कई दिग्गजों का मानना है कि बुमराह के महत्व हो देखते हुए प्रबंधन और बोर्ड को तय करना होगा कि उनका बेहतर उपयोग किया प्रकार किया जाये। जिस प्रकार से इंग्लैंड दौरे में मोहम्मद सिराज, आकाशदीप और प्रसिद्ध कृष्णा ने अच्छा प्रदर्शन किया उससे तय है कि अब ये बुमराह के बिना भी भारतीय टीम को जीत दिला सकते हैं, ऐसे में अब एशिया कप, टी-20 और एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए बुमराह को तैयार रखने की जरुरत है। आने वाले समय में भारतीय टीम को वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज खेलनी है पर इसमें बुमराह की अधिक जरुरत नहीं है। ऐसे में उन्हें बड़े मुकाबलों के लिए बचाकर रखा जाएगा।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'ऐसे में ये संभव है कि बुमराह को अब आने वाले समय में सफेद गेंद प्रारुप ही ही अधिक ध्यान देने कहा जाये। अगले दो साल में उनके खेलने के लिए पर्याप्त टी-20 और एकदिवसीय मैचों के साथ ही आईपीएल भी है। ऐसे में सभी प्रारूपों में कुछ मैच खेलने की जगह उन्हें एक ही प्रारूप में सभी मैच खेलने देना चाहिये जिससे वह तरोताजा बने रहेंगे जिसका लाभ टीम को मिलेगा।'

पूर्व क्रिकेट कोच यौन दुराचार के आरोप में निलंबित, महिलाओं को भेजता था गलत तस्वीरें

लंदन। एक अज्ञात पूर्व काउंटी क्रिकेट कोच को यौन दुराचार के आरोप स्वीकार करने के बाद 9 महीने के लिए निलंबित कर दिया गया है। स्वतंत्र क्रिकेट अनुशासन पैनल ने पाया कि उस व्यक्ति ने 2023 और 2024 की गर्मियों में स्टाफ की दो महिला जूनियर सदस्यों को यौन रूप से स्पष्ट तस्वीरें भेजी थीं। उसने पेशेवर आचरण नियमों के पांच उल्लंघनों को स्वीकार किया, जिसमें दो सहकर्मियों को अनचाही यौन तस्वीरें भेजना भी शामिल है। पैनल ने 'असाधारण' स्वास्थ्य संबंधी परिस्थितियों और नाम सार्वजनिक करने पर 'गंभीर नुकसान' के खतरे के कारण व्यक्ति की पहचान बताने से इनकार कर दिया। पैनल की रिपोर्ट में कहा गया है कि दूसरी महिला 'प्रतिवादी से बहुत छोटी थी और वह क्रिकेट क्लब में उससे कहीं अधिक वरिष्ठ पद पर था।' उसके व्यवहार के कारण उसे बर्खास्त कर दिया गया और तब से वह खेल में कार्यरत नहीं है। पैनल को दिए गए आवेदनों में यह उल्लेख किया गया कि कोच ने 'अपने दुर्व्यवहार के लिए माफी मांगी है और पश्चाताप व्यक्त किया है।' रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने स्वेच्छा से एक शिक्षा पाठ्यक्रम लिया था और 'अवांछित स्पष्ट संदेशों के प्रभाव को समझने के लिए एक पूर्व पेशेवर खिलाड़ी के साथ काम किया था।' रिपोर्ट में कहा गया है, 'उन्हें उम्मीद थी कि अब वह एक बेहतर इंसान बन रहे हैं। उन्हें कार्यस्थल की सीमाओं, सोशल मीडिया के दुरुपयोग और यौन उत्पीड़न के बारे में बेहतर समझ थी।' यह प्रतिबंध आरोपों के दर्ज होने से छह महीने पहले लगाया गया है, साथ ही तीन महीने का निलंबन और एक अनिवार्य शिक्षा पाठ्यक्रम पूरा करना होगा। क्रिकेट नियामक के प्रबंध निदेशक क्रिस हावर्ड ने कहा, 'इस तरह का आचरण अस्वीकार्य है। जहां ऐसे मामले सामने आते हैं, उनकी जांच की जाएगी और जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। खेल से यौन दुर्व्यवहार को हटाना क्रिकेट नियामक की प्राथमिकता है। हम मानते हैं कि प्रभावित लोगों को आगे आने के लिए बहुत साहस की आवश्यकता होती है। हम प्रतिबद्ध हैं कि जब भी हमारे पास कोई आरोप लगाया जाता है, चाहे वह वर्तमान में हो या अतीत में, उसकी गहन और शीघ्रता से जांच की जाए।'

नाओमी ओसाका का बेहतरीन प्रदर्शन, स्वितोलिना को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

टोरंटो। दुनिया की पूर्व नंबर-1 खिलाड़ी नाओमी ओसाका पूर्व वर्ल्ड नंबर 3 एलीना स्वितोलिना को हराकर कनाडियन ओपन के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। ओसाका ने इस दौरान स्वितोलिना को 6-2. 6-2 से हराकर WTA 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। इस जीत के साथ ही उनकी रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। अब वह WTA रैंकिंग में 51 से ठीक 29वें स्थान पर आ गई हैं, और टाइटल जीतने पर नंबर 21 तक जा सकती है। बता दें कि, आखिरी बार 2021 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में डब्ल्यूटीए टूर का खिताब जीतने वाली ओसाका ने 10वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के खिलाफ पांच में से चार ब्रेक प्वाइंट बचाए और क्वार्टरफाइनल मुकाबला सिर्फ एक घंटे आठ मिनट में जीत लिया। वहीं यह ओसाका की स्वितोलिना के खिलाफ आठ मुकाबलों में पांचवीं जीत थी और इस जीत के साथ 27 वर्षीय खिलाड़ी अपने करियर में पहली बार कैनेडियन ओपन के सेमीफाइनल में भी पहुंची है। वहीं अब ओसाका का सामना 16वीं वरीयता प्राप्त क्लारा टॉसन से होगा। टॉसन ने क्वार्टर फाइनल में छठी वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज को 6-1, 6-4 से हराया। इस तरह से ओसाका ने 2022 में मियामी में फाइनल में पहुंचने के बाद से किसी डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखा। जापान की मूल निवासी ये खिलाड़ी अपने करियर का आठवां और 2021 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के बाद पहला खिलाब जीतने की कोशिश में हैं। कनाडा की किशोरी विक्टोरिया मबोको दूसरे सेमीफाइनल में कजाकिस्तान की नौवीं वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना से भिड़ेंगी।

'सिराज को वह श्रेय नहीं मिलता जिसके वह हकदार हैं', सचिन तेंदुलकर ने तेज गेंदबाज की तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने कहा कि उन्हें मोहम्मद सिराज का रवैया बहुत पसंद है, और साथ ही कहा कि इस तेज गेंदबाज को वह श्रेय नहीं मिलता जिसका वह हकदार है। ओवल के पांचवें दिन सिराज ने 104 रन देकर 5 विकेट चटकाए और भारत ने इंग्लैंड को 6 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर कर ली।

इंग्लैंड के पास सिराज की सटीकता का कोई जवाब नहीं था क्योंकि उन्होंने पांचवें दिन 25 गेंदों में केवल 9 रन देकर तीन विकेट चटकाकर निचले क्रम को तहस-नहस कर दिया। सिराज ने गस एटकिंसन का ऑफ स्टंप उखाड़कर भारत की जीत पक्की कर दी और भारतीय क्रिकेट की समृद्ध परंपरा में शामिल हो गए।

तेंदुलकर ना कहा, 'अविश्वसनीय। शानदार दृष्टिकोण। मुझे उनका रवैया बहुत पसंद है। मुझे उनके पैरों में स्प्रिंग बहुत पसंद है। एक तेज गेंदबाज का इस तरह लगातार आपके सामने रहना, किसी भी बल्लेबाज को पसंद नहीं आएगा। और आखिरी दिन अंत तक उन्होंने जो दृष्टिकोण बनाए रखा; मैं कमेंटेटरों को यह कहते हुए भी सुन सकता था कि उन्होंने सीरीज में 1,000 से ज़्यादा गेंदें फेंकने के बाद आखिरी दिन लगभग 90 मील प्रति घंटे (145 किमी प्रति घंटे) की रफ्तार से गेंदबाजी की। यह उनके साहस और बड़े दिल को दर्शाता है।'

सिराज 32.43 की औसत से 23 विकेट लेकर सीरीज में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी रहे, उन्होंने 1113 गेंदें फेंकी। तेंदुलकर ने आगे कहा, 'आखिरी दिन उन्होंने जिस तरह से शुरुआत की, वह काबिले तारीफ थी और उन्होंने हमेशा अहम भूमिका निभाई है। जब भी हमें उनकी जरूरत पड़ी, जब भी हम चाहते थे कि वे धमाकेदार प्रदर्शन करें, उन्होंने अहम भूमिका निभाई है। वह पहले भी लगातार ऐसा कर पाए हैं, और इस सीरीज में भी यही हुआ। जिस तरह से उन्होंने इतने विकेट लिए और अच्छा प्रदर्शन किया, उससे उन्हें वह श्रेय नहीं मिला जिसके वे हकदार हैं।'

सिराज उस सीरीज में सबसे बेहतरीन गेंदबाज बने, जिसमें जसप्रीत बुमराह कार्यभार प्रबंधन के कारण केवल तीन मैच ही खेल पाए थे, खासकर इस साल जनवरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट में पीठ में चोट लगने के बाद। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों में बुमराह ने 14 विकेट लिए, जिनमें दो बार पारी में 5 विकेट लेने का कारनामा भी शामिल है।

देश में एक समान कानून ही सच्ची एकता : अजित पवार

- सरकार की प्राथमिकता महाराष्ट्र का विकास है

मुंबई (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के छह साल पूरे होने पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने इसे देश की एकता के लिए जरूरी कदम बताया। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि जब हम एक ही देश में रहते हैं, तो जम्मू-कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक सभी के लिए एक समान कानून होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पहले अलग-अलग राज्यों के लिए अलग कानून होना कई लोगों को स्वीकार नहीं था। अब समय आ गया है कि पूरे देश में एक समान कानून लागू हो, यही सच्चे अर्थों में राष्ट्रीय एकता है। महायुति सरकार के प्रदर्शन को लेकर पूछे गए सवाल पर पवार ने कहा कि राज्य की मौजूदा सरकार को जनादेश मिला है और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में राज्य में विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि हालिया कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिए गए हैं और सरकार की प्राथमिकता महाराष्ट्र का विकास है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार केंद्र से अधिकतम सहयोग पाने की दिशा में लगातार प्रयासरत है। राहुल गांधी पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए अजित पवार ने कहा कि किसी पर आरोप लगाने से पहले सबूत होना चाहिए। कोर्ट का निर्णय अंतिम होता है और बिना प्रमाण के आरोप लगाना ठीक नहीं। उन्होंने कहा कि विपक्ष के कुछ नेता बेबुनियाद आरोप लगाते हैं, जो लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी से भारत की जमीन चीन के कब्जे में संबंधी टिप्पणी को लेकर सवाल किया था।

ग्लोबल साइबर फॉड मामले में ईडी का बड़ा एक्शन, कर दी ताबड़तोड़ छापेमारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में बढ़ते साइबर फॉड के मामलों को लेकर ईडी ने बड़ा एक्शन लिया है। दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और देहरादून में 11 ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू की। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत सीबीआई और दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू हुई है। ईडी की जांच में पता चला कि आरोपियों ने 260 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि बिटकॉइन के रूप में कई क्रिप्टो-वॉलेट्स में जमा की। इस राशि को बाद में यूएई में कई हवाला ऑपरेटरों और व्यक्तियों के जरिए यूएसडीटी में बदलकर नकदी में परिवर्तित किया गया। यह खुलासा साइबर अपराध के इस अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की गहरी जड़ों को दर्शाता है। दिल्ली-एनसीआर से लेकर देहरादून तक, ईडी की टीमें पूरी तत्परता के साथ संदिग्ध ठिकानों की तलाशी ले रही हैं। इस ऑपरेशन का मकसद न केवल सबूत जुटाना है, बल्कि इस साइबर ठगी के नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करना भी है। जांच में खुलासा हुआ है कि ठगों ने विदेशी और भारतीय नागरिकों को निशाना बनाया। ये धोखेबाज खुद को पुलिस या जांच अधिकारी बताकर लोगों को गिरफ्तारी की धमकी देकर उनकी संपत्ति हड़प लेते थे। इतना ही नहीं, कुछ ठगों ने माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन जैसी कंपनियों के टेक सपोर्ट एजेंट बनकर भी लोगों को ठगा। पीड़ितों से लूटी गई रकम को क्रिप्टोकरेंसी में बदला गया और फिर उसे आरोपी व्यक्तियों तक पहुंचाया गया।

स्वामी प्रसाद मौर्य पर हमला, माला पहनाने के बहाने थप्पड़ जड़ा

रायबरेली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी (आरएसएसपी) अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य पर हमला हुआ है। बुधवार को जब वे रायबरेली के गोल चौराहे पर समर्थकों से मिल रहे थे, तभी एक युवक ने माला पहनाने के बहाने पीछे से उन्हें थप्पड़ जड़ दिया। इस बीच भीड़ ने आरोपी युवकों को दबोचकर उनकी पिटाई कर दी। मौके पर मौजूद पुलिस ने किसी तरह आरोपियों को भीड़ के चंगुल से छुड़ाया। फिलहाल, इस घटना से इलाके का माहौल गरमा गया है। मारपीट में हमलावर युवकों को गंभीर चोटें आई हैं। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, स्वामी प्रसाद मौर्य बुधवार को रायबरेली के गोल चौराहे पर पहुंचे थे! यहां समर्थक फूल-माला पहनाकर उनका स्वागत कर रहे थे। तभी एक युवक ने माला पहनाने के दौरान मौर्य को थप्पड़ मार दिया। बताया जा रहा है कि हमलावर युवक करणी सेना से जुड़े हो सकते हैं, हालांकि संगठन की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने हमले के लिए योगी सरकार पर आरोप लगाते हुए इस सरकारी गुंडों का काम बताया है। उन्होंने कहा कि यह घटना लखनऊ से फतेहपुर जाते समय मिलएरिया थाना क्षेत्र के सारस चौराहे पर हुई। पूर्व सपा नेता मौर्य अपने विवादित बयानों के कारण अक्सर सुर्खियों में रहते हैं और उन पर पहले भी इस तरह के हमले हो चुके हैं।

जमुई में एक दुर्लभ प्रजाति का ब्राउन उल्लू मिला, कीमत लाखों में

जमुई (एजेंसी)। जमुई में एक दुर्लभ प्रजाति का ब्राउन उल्लू मिला है, जिसकी कीमत लाखों में आंकी गई है। यह घटना लक्ष्मीपुर प्रखंड के सोनदीपी गांव में हुई, जहाँ एक परिवार को रात में अपने घर में यह उल्लू मिला। करीब दो बजे विकास कुमार यादव अपने घर के बरामदे में सो रहे थे, जब उन्हें खाट के नीचे से डरावनी आवाज और फड़फड़ाहट सुनाई दी। उन्होंने परिवार के सदस्यों को जगाकर रोशनी करके देखा, खाट के नीचे एक ब्राउन रंग का उल्लू मिला। परिवार ने सावधानीपूर्वक उल्लू को पकड़ा और एक कमरे में बंद कर दिया ताकि वह सुरक्षित रहे। पूरी रात परिवार के लोग जागकर उसकी निगरानी करते रहे। सुबह यह खबर पूरे गांव में फैल गई और लोग उल्लू को देखने के लिए इकट्ठा हो गए। विकास ने उल्लू को सुरक्षित रखने के लिए उसके एक पैर में रस्सी बांधी और वन विभाग को सूचना दी। मंगलवार दोपहर को वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर उल्लू को अपने कब्जे में लिया। वन आरक्षी नीलू पासवान ने बताया कि यह उल्लू दुर्लभ प्रजाति का ब्राउन आउल है, जो भारत में कम ही पाया जाता है।

ब्रह्मोस, एस-400 से लेकर बराक-1 तक, भारत की वॉर शील्ड बनेगी और भी मजबूत

67,000 करोड़ रुपये के नए रक्षा प्रोजेक्ट्स को मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद अब मोदी सरकार रक्षा क्षे में तेजी से काम कर रही है। क्योंकि भारत का पड़ोसी चीन रक्षा मामले में लगातार ताकतवार होता जा रहा है। चीन का ताकतवार होना भारत के लिए चिंता का विषय है। इसी चिंता को देखते हुए भारत सरकार ने देश की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए 67,000 करोड़ रुपये के नए रक्षा प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। यह फैसला केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में लिया गया। इन प्रोजेक्ट्स का मुख्य उद्देश्य पाकिस्तान और चीन के साथ बढ़ते तनाव के बीच भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना की ताकत को बढ़ाना है। भारत अब किसी भी हाल में रक्षा क्षेत्र में दूसरे देशों से कमजोर नहीं रहना चाहता है। इन प्रोजेक्ट्स के तहत, भारतीय सेनाओं के लिए कई महत्वपूर्ण सैन्य हार्डवेयर खरीदे जाएंगे।

भारतीय वायुसेना के लिए- पहाड़ी क्षेत्रों में हवाई निगरानी क्षमता बढ़ाने के लिए माउंटेन रडार खरीदे जाएंगे। इसके साथ ही, लंबे समय तक उड़ान भरने वाले मीडियम एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस (मेल) रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट (आरपीए) की खरीद को भी मंजूरी मिली है। जो कि ऑपरेशन सिंदूर में अहम किरदार निभाने वाली वायुसेना को और ताकत मिलेगी। इसके अलावा भारतीय नौसेना के लिए पनडुब्बी रोधी अभियानों के लिए कॉम्पैक्ट ऑटोनॉमस सरफेस क्राफ्ट, ब्रह्मोस फायर कंट्रोल सिस्टम और बराक-1 मिसाइल सिस्टम के अपग्रेड को मंजूरी दी गई है। इसके साथ ही नौसेना के लिए कॉम्पैक्ट ऑटोनॉमस सरफेस क्राफ्ट (सीएएससी) की भी खरीद होगी। ये रोबोटिक नौकाएं पनडुब्बी रोधी युद्धों में दुश्मन की गतिविधियों को ट्रैक और न्यूट्रलाइज़ करने में मदद करेंगी।

भारतीय थल सेना के लिए- टैंकों में इस्तेमाल होने वाली थर्मल-इमेजर-आधारित ड्राइवर नाइट-साइट की खरीद की जाएगी, जिससे रात में युद्ध संचालन की क्षमता में सुधार होगा। तीनों सेनाओं के लिए: तीनों सेनाओं के लिए मीडियम एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस की खरीद के साथ-साथ, रूस निर्मित एस-400 मिसाइल सिस्टम के वार्षिक रखरखाव के कॉन्ट्रैक्ट को भी मंजूरी दी गई है। एस-400 मिसाइल सिस्टम ने हाल ही में पाकिस्तान के साथ हुए संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। डीएसी ने इसकी अहमियत को देखते हुए मिसाइल सिस्टम के व्यापक सालाना मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट को भी मंजूरी दी है। आर्मी के लिए थर्मल-इमेजर-आधारित ड्राइवर नाइट-साइट की खरीद के लिए शुरुआती मंजूरी दी गई है जो टैंकों में काम करेगी। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इससे बीएमपी यानी की रात में संचालन की क्षमता बढ़ेगी।

सुप्रीम कोर्ट की राहुल गांधी को फटकार, ओपी राजभर ने किया समर्थन

- सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी उचित है और विपक्ष को अपनी भूमिका समझनी चाहिए

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के प्रमुख ओपी राजभर ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा राहुल गांधी को दी गई फटकार का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पूरी तरह उचित है और विपक्ष को अपनी भूमिका समझनी चाहिए। मंत्री राजभर ने कहा कि विपक्ष ने यह मानसिकता बना ली है कि सरकार के हर काम का केवल विरोध करना है, जबकि उनका असली कर्तव्य है कि सरकार को सही दिशा दिखाएं। उन्होंने सुझाव दिया कि विपक्ष संसद में मुद्दों पर चर्चा कर सकता है और प्रधानमंत्री, गृहमंत्री या रक्षामंत्री से वार्ता कर सकता है। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जब भी राहुल विदेश जाते हैं, तो भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने वाले बयान देते हैं। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदार विपक्ष की पहचान नहीं हो सकती। वहीं अखिलेश यादव और राहुल गांधी द्वारा भगवान राम पर दिए गए बयानों को लेकर कहा कि अगर वे राम को नहीं मानते तो जबरदस्ती नहीं की जा सकती, लेकिन चुनाव आते ही ये नेता मंदिरों में अलग-अलग वेशभूषा में दिखाई देते हैं। कांग्रेस पर हमला करते हुए राजभर ने कहा कि जब चुनाव हारते हैं तो चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हैं, लेकिन जीतने पर वही आयोग अच्छा लगने लगता है। बिहार में एसआईआर को लेकर उठे सवालों पर उन्होंने कहा कि आयोग ने सभी को आपत्ति दर्ज कराने के लिए पर्याप्त समय दिया है और उचित समाधान भी करेगा। राज्यपाल सत्यपाल मलिक के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि देश ने एक निर्भीक और कुशल नेता को खो दिया है।

7 साल पहले शाह पर की गई टिप्पणी के मामले में राहुल गांधी को मिली जमानत

रांची (एजेंसी)। चाईबासा निवासी प्रताप कटियार नामक शख्स ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ 9 जुलाई, 2018 को दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया था कि उन्होंने वर्ष 2018 में कांग्रेस के अधिवेशन में भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। अब इस मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को झारखंड के चाईबासा कोर्ट में चल रहे एक मानहानि मुकदमे में जमानत मिल गई है।

शिकायत के अनुसार, राहुल गांधी ने कहा था कि कांग्रेस में कोई हत्यारा राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बन सकता है। कांग्रेसजन किसी हत्यारे को राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वीकार नहीं कर सकते हैं, यह भाजपा में ही संभव है। इस शिकायत वाद पर चाईबासा कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ अप्रैल 2022 में जमानती वारंट जारी किया था। इस पर राहुल गांधी की ओर से कोई संज्ञान नहीं लिया गया। इसके बाद कोर्ट ने फरवरी 2024 में उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। यह मामला वर्ष 2018 में भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी से जुड़ा है। इस केस में झारखंड के चाईबासा के एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने उनके खिलाफ वारंट जारी करते हुए व्यक्तिगत तौर पर उपस्थित होने का निर्देश दिया था।

राहुल गांधी के अधिवक्ता ने इस पर कोर्ट में आवेदन देकर सशरीर उपस्थित होने की छूट मांगी थी, लेकिन उनका आवेदन खारिज कर दिया गया था। इसके खिलाफ राहुल गांधी झारखंड हाईकोर्ट पहुंचे थे, जहां उन्हें कई महीनों तक राहत मिली थी। मार्च, 2024 में झारखंड हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की याचिका निष्पादित कर दी। इसके बाद चाईबासा कोर्ट में फिर से सुनवाई हुई। राहुल गांधी के अधिवक्ता ने इस मामले में कोर्ट में आवेदन दाखिल कर व्यक्तिगत तौर पर उपस्थिति से छूट की मांग की थी, लेकिन इसे कोर्ट ने अस्वीकार कर दिया था।

निशिकांत दुबे के खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर, मनसे ने दी सबक सिखाने की चेतावनी

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र की जनता से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे माफ़ी मांगे ऐसी मांग महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने की थी। हालाँकि, जब सांसद दुबे ने माफ़ी नहीं माँगी, तो नासिक मनसे शहर अध्यक्ष सुदाम कोंबडे ने नासिक ज़िला न्यायालय में दुबे के ख़िलाफ़ याचिका दायर की। साथ ही सांसद दुबे को मनसे शैली में सबक सिखाने की चेतावनी दी गई है। आपको बता दें कि सांसद दुबे ने मराठी समुदाय के ख़िलाफ़ विवादास्पद बयान देने के लिए मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे और शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे की कड़ी आलोचना की थी। सांसद निशिकांत दुबे द्वारा मराठी लोग किसकी रोटी खाते हैं? तुम मराठी लोग हमारे पैसों पर पलते हो वाला विवादास्पद बयान देने के बाद, महाराष्ट्र में उनके ख़िलाफ़ गुस्से की लहर दौड़ गई थी।

उधर मुंबई से सटे मीरा-भायंदर में एक प्रवासी दुकानदार के मराठी न बोलने की बात कहने पर मनसे कार्यकर्ताओं ने उस पर हाथ उठा दिया था। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने ठाकरे बंधुओं पर तब हमला बोला था। निशिकांत दुबे ने मराठी लोगों पर तंज कसते हुए कहा था, बताओ मराठी लोग कितना टैक्स देते हैं। इस पर मनसे के नासिक शहर अध्यक्ष सुदाम कोंबडे ने चेतावनी दी थी कि दुबे महाराष्ट्र की जनता से माफ़ी मांगें, अन्यथा अवमानना की कार्रवाई का सामना करें। लेकिन इसके बाद भी सांसद दुबे ने इस मामले में माफ़ी नहीं मांगी। इसलिए सुदाम कोंबडे ने उनके खिलाफ नासिक जिला सत्र न्यायालय में भारतीय दंड संहिता की धारा 352, 356 के तहत अवमानना याचिका दायर की है। मनसे शहर अध्यक्ष सुदाम कोंबडे ने यह भी चेतावनी दी है कि दुबे जब नासिक आएंगे तो उन्हें सबक सिखाएंगे।

***दुबे कोई बयान न दें**

मराठी मुद्दे पर दिए गए उनके विवादित बयान के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को शांत रहने की सलाह दी है। देवेंद्र फडणवीस ने 4 अगस्त को मीडिया से बात करते हुए कहा, हम महाराष्ट्र में स्थिति को संभालने में सक्षम हैं। मराठी लोग और यहाँ के अमराठी भी सुरक्षित हैं। महाराष्ट्र में मराठी और गैर-मराठी के बीच कोई विवाद नहीं है, फिर भी कुछ लोग जानबूझकर विवाद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। मेरी सलाह है कि सांसद दुबे को इस मुद्दे पर कोई बयान नहीं देना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर एल्विश के खिलाफ ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर लगाई रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने एल्विश यादव को सांप के जहर से जुड़े मामले में चल रही ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने आरोप-पत्र और आपराधिक कार्यवाही को चुनौती देने वाली एल्विश की याचिका पर यूपी सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस भी जारी किया है। बता दें इससे पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूट्यूबर एल्विश यादव की याचिका को खारिज कर दिया था। इसमें उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर में दायर आरोप-पत्र के खिलाफ आरोप लगाया गया था कि उन्होंने यूट्यूब वीडियो बनाने के लिए सांपों और सांप के जहर का दुरुपयोग किया था। उनके खिलाफ रेव पार्टियों का आयोजन और विदेशियों को आमंत्रित करने के आरोप भी शामिल हैं जो लोगों को सांप के जहर और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन कराते हैं। जस्टिस सौरभ श्रीवास्तव की पीठ ने मई में उनकी याचिका खारिज करते हुए मौखिक टिप्पणी की थी कि एल्विश के खिलाफ आरोप-पत्र और एफआईआर में बयान दर्ज हैं और मुकदमे के दौरान ऐसे आरोपों की सत्यता की जांच की जाएगी। पीठ ने यह भी कहा कि एल्विश ने याचिका में एफआईआर को चुनौती नहीं दी है। इसके बाद अब यूट्यूबर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर एल्विश को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल गई है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस भी जारी किया है। एल्विश ने रेव पार्टी में सांपों का प्रदर्शन करने के मामले में गाजियाबाद कोर्ट में दायर चार्जशीट को चुनौती दी है।

सितंबर-अक्टूबर के बीच देश के एयरपोर्ट पर हो सकता है आतंकी हमला

खुफिया एजेंसियों ने बीसीएएस और सीआईएसएफ को किया अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान फिर कुछ बड़ा करने की फिराक में है। इस बार पाकिस्तान के निशाने पर देश के एयरपोर्ट हैं। बीते दिनों खुफिया एजेंसियों ने बीसीएएस के साथ सीआईएसएफ को अलर्ट किया है। खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट के आधार पर देश के सभी एयरपोर्ट की सुरक्षा को चाकचौबंद करने की कवायद शुरू हो गई है। मीडिया रिपोर्ट में एयरपोर्ट सुरक्षा से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि खुफिया एजेंसियों ने पाकिस्तानी आतंकी समूह के खतरनाक मंसूबों के बारे में एयरपोर्ट सुरक्षा से जुड़ी सभी एजेंसियों को आगाह किया है। खुफिया एजेंसियों ने 22 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 के बीच एयरपोर्ट पर आतंकी हमले की आशंका जताई है। जिसके बाद 4 अगस्त को बीसीएएस ने आदेश जारी कर सभी एयरपोर्ट, हेलीपैड, हवाई पट्टियों, फ्लाइंग स्कूलों और ट्रेनिंग इंस्टीट्यूशन्स की सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

खुफिया एजेंसियों ने संकेत दिए हैं कि 22 सितंबर से 2 अक्टूबर के दौरान आतंकी संगठन या असामाजिक तत्व कोई बड़ी साजिश रच सकते हैं। बीसीएएस ने सभी एयरपोर्ट को पुलिस, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) समेत सभी संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर काम करने को कहा है। अगर कोई नई जानकारी या अलर्ट मिलता है, तो उसे तुरंत सभी संबंधित पक्षों के साथ साझा करने के निर्देश दिए गए हैं। सुरक्षा को और पुख्ता करने के लिए बीसीएएस ने कई सख्त कदम उठाने के लिए भी कहा है।

बीसीएएस ने एयरपोर्ट पर काम करने वाले सभी स्टाफ, कांट्रैक्टर और आगंतुकों की पहचान करने को कहा है। इसके अलावा सभी सीसीटीवी कैमरों को लगातार चालू रखने और उनकी निगरानी करने के आदेश दिए हैं। ग्रे एरिया की पहचान कर खराब कैमरों को सही करने के निर्देश भी दिए हैं। बीएसएएस का यह आदेश न केवल एयरपोर्ट, बल्कि एयरलाइंस और अन्य विमानन सेवाओं से जुड़े सभी एजेंसियों पर भी लागू होगा। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में सामान और कार्गो की जांच को और सख्त करने के निर्देश दिए हैं।

कबूतरों को दाना खिलाने पर रोक का मामला बना धार्मिक आस्था और जनस्वास्थ्य के बीच टकराव का कारण

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में कबूतरों को दाना खिलाने पर प्रतिबंध, धार्मिक आस्था और जनस्वास्थ्य के बीच एक बड़ा टकराव पैदा कर रहा है। बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश के बाद, बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने सार्वजनिक स्थानों और कबूतरखानों में दाना डालने पर सख्ती से रोक लगा दी है। कोर्ट का तर्क है कि कबूतरों की बढ़ती आबादी से श्वसन संबंधी बीमारियाँ फैल रही हैं और ऐतिहासिक इमारतों को भी नुकसान हो रहा है।

यह प्रतिबंध विशेष रूप से जैन और गुजराती समुदाय के लिए एक संवेदनशील धार्मिक मुद्दा बन गया है। जैन धर्म में कबूतरों को दाना खिलाना करुणा और अहिंसा का प्रतीक बताया जाता है, जो उनकी सदियों पुरानी परंपरा का हिस्सा है। बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ जैन धर्मगुरु नरेशचंद्र जी महाराज ने आमरण अनशन की घोषणा की है, और हजारों लोगों ने कोलाबा से गेटवे ऑफ इंडिया तक विरोध मार्च निकाला है। विवाद ने अब राजनीतिक रंग भी ले लिया है। भाजपा विधायक मंगल प्रभात लोढ़ा ने नगर आयुक्त को पत्र लिखकर प्रतिबंध पर फिर से विचार करने मांग की है। उन्होंने यह सवाल भी उठाया है कि क्या केवल कबूतरों को दाना डालना ही जनस्वास्थ्य संकट का एकमात्र कारण है। इसके बाद अब मुंबई प्रशासन के लिए जनस्वास्थ्य और धार्मिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाना एक बड़ी चुनौती बन गया है। जहाँ न्यायालय का निर्णय वैज्ञानिक और स्वच्छता के दृष्टिकोण से सही लगता है, वहीं आदेश को लागू करते समय संवेदनशीलता और संवाद की आवश्यकता है।

तत्काल समाधान के तौर पर, स्थानीय निकायों को नियंत्रित और स्वच्छ कबूतरखानों की योजना बनानी चाहिए। इससे धार्मिक परंपरा भी बनी रहेगी और नागरिकों के स्वास्थ्य पर भी कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा। मुंबई जैसे बहुसांस्कृतिक शहर में, किसी भी निर्णय को लागू करते समय सामाजिक और धार्मिक संवेदनशीलता का ध्यान रखना बेहद ज़रूरी है। यह मामला अब सिर्फ एक आदत नहीं, बल्कि धार्मिक अधिकार, प्रशासनिक आदेश, और सार्वजनिक स्वास्थ्य के बीच की एक जटिल रेखा बन गया है।

अलर्ट: असम, बिहार, उत्तराखंड, और अन्य राज्यों में गंभीर बाढ़ की स्थिति

नई दिल्ली(एजेंसी)। असम के हैलाकांडी जिले में धलेश्वरी नदी(घारमुरा) सुबह 6:00 बजे 29.74 मीटर पर थी, जो खतरे के निशान (28.05 मीटर) से 1.69 मीटर ऊपर है। इसी जिले में कटखल नदी (मतिजुरी) 20.73 मीटर पर बह रही है, जो खतरे के निशान (20.27 मीटर) से 0.46 मीटर ऊपर है। तिनसुकिया जिले में बुरिदेहिंग नदी (मार्गेरिटा) 134.55 मीटर पर है, जो खतरे के निशान (134.42 मीटर) से थोड़ा ऊपर है। इन नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे स्थानीय प्रशासन को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने देश के कई राज्यों में नदियों के जलस्तर में खतरनाक वृद्धि के कारण बुलेटिन किया। 6 अगस्त को सुबह 6:39 बजे जारी बुलेटिन के अनुसार, असम, बिहार, उत्तराखंड, झारखंड, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, और पश्चिम बंगाल में कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिससे बाढ़ का गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

बिहार के कई जिलों में गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। बक्सर में गंगा 60.85 मीटर, पटना के दानापुर में 51.92 मीटर, दीघाघाट में 51.1 मीटर, गांधीघाट में 49.87 मीटर, और हथिदह में 42.74 मीटर पर है, जो सभी खतरे के निशान से ऊपर हैं। भोजपुर, भागलपुर और खगड़िया में भी गंगा का जलस्तर गंभीर स्थिति में है। इसके अलावा, बाया, बूढ़ी गंडक, कोसी, बागमती, पुनपुन, और धरधा जैसी सहायक नदियां भी खतरे के निशान को पार कर चुकी हैं। खगड़िया में कोसी नदी (बलतारा) 34.81 मीटर और कटिहार में 30.73 मीटर पर बह रही है, जिससे बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में अलकनंदा और मंदाकिनी नदियां गंभीर स्थिति में हैं। अलकनंदा (रुद्रप्रयाग) 627.6 मीटर और मंदाकिनी (गौरीकुंड) 1976.8 मीटर पर है। हरिद्वार में बाणगंगा और टिहरी गढ़वाल में भागीरथी नदी भी खतरे के निशान से ऊपर हैं। झारखंड के साहेबगंज में गंगा 27.74 मीटर पर बह रही है, जो खतरे के निशान से 0.49 मीटर ऊपर है। मध्य प्रदेश के दतिया में सिंध नदी, उत्तर प्रदेश के बदायूं और वाराणसी में गंगा और पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में गंगा (फरक्का) खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। मुर्शिदाबाद में गंगा 23.04 मीटर पर है, जो खतरे के निशान से 0.79 मीटर ऊपर है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**